MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 03 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-243

# सिंदूर हीरो बने राम मंदिर सीईओ

## मंदिर के प्रशासनिक, वित्तीय और कानूनी प्रबंधन की होगी जिम्मेदारी

**नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।** श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति की गई है। जितेंद्र मिश्र वही अधिकारी हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वेस्टर्न एयर कमांड की कमान संभाली थी। इस ऑपरेशन में उनकी भूमिका ने उनकी पहचान मजबूत की और उन्हें सर्वोच्च युद्ध सेवा मेडल भी मिला। अब वायुसेना से रिटायर होने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें राम मंदिर के बढ़ते प्रशासन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वे राम मंदिर के प्रशासनिक, वित्तीय और कानूनी प्रबंधन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। चढ़ावे की चोरी को लेकर सामने आए विवाद के बाद ट्रस्ट के कामकाज को अधिक पेशेवर, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की दिशा में इस निर्णय को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ट्रस्ट को मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए 5,500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। तीन सदस्यीय खोज समिति ने आवेदनों की गहन जांच और चयन प्रक्रिया के बाद तीन नामों का पैनल सौंपा था, जिसमें से एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्र का चयन किया गया।

**कई प्रतिष्ठित सैन्य सम्मानों से सम्मानित**

एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र को उनके उत्कृष्ट सैन्य योगदान और सेवाओं के लिए सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है।

हाल ही में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, मई 2025 के दौरान पश्चिमी वायु कमान प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी थी। उन्होंने एस-400 वायु रक्षा प्रणाली के माध्यम से पाकिस्तानी एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम विमान को 314 किलोमीटर की दूरी पर मार गिराने की कार्रवाई को मंजूरी दिए जाने का भी उल्लेख किया था।

**मंदिर प्रशासन से लेकर श्रद्धालुओं की सुविधाओं तक होगी जिम्मेदारी**

राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र मंदिर के दैनिक प्रशासन, वित्तीय प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा कानूनी मामलों की देखरेख करेंगे। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया है कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रस्ट के अधीन कार्य करेंगे और सभी व्यवस्थाओं में ट्रस्ट की नीतियों एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करेंगे।भक्तों का विश्वास बनाए रखना और मंदिर की व्यवस्थाओं को अधिक सुचारु, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल होगा। एयर मार्शल मिश्र का सैन्य अनुशासन, व्यापक प्रशासनिक अनुभव और उच्चस्तरीय नेतृत्व क्षमता श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज को और अधिक मजबूत तथा व्यवस्थित बनाने में सहायक साबित हो सकती है।

### वायुसेना में रहा शानदार और गौरवशाली करियर

एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी हैं। उन्होंने 1 जनवरी 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक भारतीय वायुसेना की अत्यंत महत्वपूर्ण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया। वे उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के भाटपार रानी थाना क्षेत्र अंतर्गत भोपतपुरा गांव के निवासी हैं। उनका सैन्य और प्रशासनिक करियर अत्यंत प्रभावशाली रहा है। उनका प्रमुख विवरण इस प्रकार है-

**कमीशन:** 6 दिसंबर 1986 को फाइटर पायलट के रूप में भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त किया।

**उड़ान अनुभव:** 3,000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव। वे फाइटर कॉम्बैट लीडर और प्रायोगिक परीक्षण पायलट भी रहे हैं।

**शिक्षा:** नेशनल डिफेंस अकादमी, पुणे; एयर फोर्स टेस्ट पायलट्स स्कूल, बेंगलुरु; एयर कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, अमेरिका तथा रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, ब्रिटेन के पूर्व छात्र रहे हैं।

**महत्वपूर्ण दायित्व:** एकीकृत रक्षा स्टाफ के उप प्रमुख (ऑपरेशंस) के पद पर कार्य किया।

परीक्षण प्रतिष्ठान: एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टैब्लिशमेंट के कमांडेंट रहे।

वायुसेना अड्डों का नेतृत्व: दो अग्रिम मोर्चे के वायुसेना अड्डों के एयर ऑफिसर कमांडिंग के रूप में जिम्मेदारी संभाली।

स्क्वाड्रन नेतृत्व: फाइटर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर और मुख्य परीक्षण पायलट के रूप में भी सेवाएं दीं।

## ट्रस्ट में बड़ा फेरबदल

### गोविंद देव गिरि महासचिव, महेश भागचंदका बने कोषाध्यक्ष

**अयोध्या, 02 सितंबर (एजेंसियां)।** श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अपने कामकाज और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। लंबे समय से ट्रस्ट की व्यवस्था में फेरबदल की चर्चा चल रही थी, जिस पर बुधवार को आयोजित बैठक में मुहर लग गई। अब तक ट्रस्ट में कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे गोविंद देव गिरि को नया महासचिव बनाया गया है, जबकि दिल्ली के महेश भागचंदका को नया कोषाध्यक्ष चुना गया है। इसके साथ ही मंदिर से जुड़े कामकाज को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद भी सृजित किया गया है।

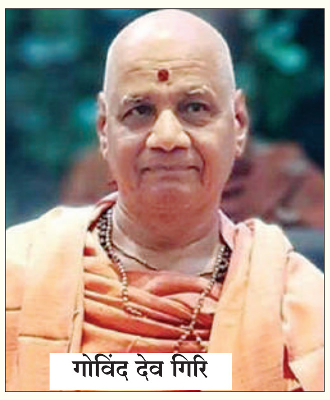
गोविंद देव गिरि

बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण रही। चंपत राय और अनिल मिश्रा के हटने तथा विमलेंद्र मोहन के निधन के बाद ट्रस्ट में तीन स्थान रिक्त हो गए थे। इन रिक्त स्थानों पर नए सदस्यों की नियुक्ति के साथ ही ट्रस्ट की आगामी जिम्मेदारियों का भी नया बंटवारा किया गया। बैठक के बाद ट्रस्ट के कार्यवाहक महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन ने इन निर्णयों की जानकारी दी।

**तीन नए सदस्य भी ट्रस्ट में शामिल**

ट्रस्ट में तीन नए सदस्यों को भी शामिल किया गया है। इनमें अयोध्या के मदन मोहन पांडेय, दिल्ली के महेश भागचंदका और शिकोहाबाद की डॉ. निर्मला यादव शामिल हैं।

मदन मोहन पांडेय अयोध्या के निवासी और पेशे से अधिवक्ता हैं। वे राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद मामले में रामलला की ओर से कानूनी पैरवी करने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

वहीं, डॉ. निर्मला यादव शिकोहाबाद की निवासी हैं। उन्होंने हिंदी और संस्कृत विषयों में परास्नातक की शिक्षा प्राप्त की है तथा उन्हें विश्वविद्यालय स्तर पर करीब 15 वर्षों तक कार्य करने का अनुभव है। महेश भागचंदका दिल्ली से हैं। उन्हें ट्रस्ट में नया सदस्य बनाए जाने के साथ ही कोषाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। वे अशोक सिंघल के रिश्तेदार बताए जाते हैं। तीनों नए सदस्य राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे।

**गोविंद देव गिरि की बदली जिम्मेदारी**

गोविंद देव गिरि को ट्रस्ट का नया महासचिव बनाया गया है। वे इससे पहले कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब उनकी जगह महेश भागचंदका को नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।इस प्रकार ट्रस्ट में केवल नए सदस्यों को शामिल नहीं किया गया है, बल्कि पुराने पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी व्यापक बदलाव किया गया है। गोविंद देव गिरि अब महासचिव के रूप में ट्रस्ट के कार्यों का संचालन करेंगे, जबकि महेश भागचंदका वित्तीय मामलों और कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। ▶8पर

## ...तुम आज़ाद हो : यासीन मलिक
## मेरी फांसी से पहले नई जिंदगी शुरू करें

**जम्मू, 02 सितंबर (एजेंसियां)।** जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के आतंकी यासीन मलिक ने अपनी पत्नी मुशाल मलिक से अलग होने का फैसला किया है। दिल्ली की तिहाड़ जेल में सजा काट रहे यासीन मलिक ने श्रीनगर की टाडा/पोटा अदालत में 25 पन्नों का एक हलफनामा दायर किया है। यह हलफनामा बेहद निजी बताया जा रहा है, जिसमें यासीन मलिक ने अपनी निजी जिंदगी और परिवार से जुड़े कई विषयों का उल्लेख किया है।

हलफनामे से यासीन मलिक के अपनी पत्नी मुशाल से अलग होने के फैसले का पता चलता है। यासीन ने लिखा है, मैं नहीं चाहता कि मुशाल अपनी बाकी जिंदगी इन हालात के बोझ तले या एक विधवा की तरह बिताए। मैं चाहता हूं कि वह सम्मान और उम्मीद के साथ अपनी जिंदगी का एक नया अध्याय शुरू करे।

**मौत की सजा की आशंका का किया जिक्र**

दरअसल, यासीन मलिक को मौत की सजा का डर है। उन्होंने अपनी पत्नी से आगे बढ़ने और नई जिंदगी शुरू करने की अपील की है। अपने हलफनामे में पत्नी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, तुम मुझसे 20 साल छोटी हो। आपसे गुजारिश है कि हिम्मत जुटाकर सम्मान और उम्मीद के साथ अपनी जिंदगी का नया अध्याय शुरू करें। फांसी पर चढ़ने से पहले मैंने आपको निकाह के बंधन से आजाद करने का फैसला किया है।

यासीन मलिक ने अपने हलफनामे में अपनी तुलना दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति और रंगभेद विरोधी नेता नेल्सन मंडेला से भी की है।

**आतंकी फंडिंग मामले में काट रहा उम्रकैद की सजा**

यासीन मलिक फिलहाल तिहाड़ जेल में मुख्य रूप से आतंकी फंडिंग मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। उसके खिलाफ कई पुराने मामले भी लंबित हैं और कुछ मामलों में नए आरोप भी लगाए गए हैं। ▶8पर

## मोदी मंत्रिमंडल में होंगे 17 नए चेहरे!
### गडकरी का डिमोशन, वैष्णव का प्रमोशन संभव

**नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।** भारतीय जनता पार्टी के संगठन की नई टीम के गठन के बाद अब मोदी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। संगठन में हुए बदलावों के बाद मंत्रिमंडल में बड़े पैमाने पर बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। चर्चा है कि कई दिग्गज नेताओं को मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है, जबकि युवा और नए चेहरों को अवसर मिल सकता है। संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों तथा वर्ष 2029 के लोकसभा चुनावों के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखा जा सकता है। हालांकि, सरकार अथवा भारतीय जनता पार्टी की ओर से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

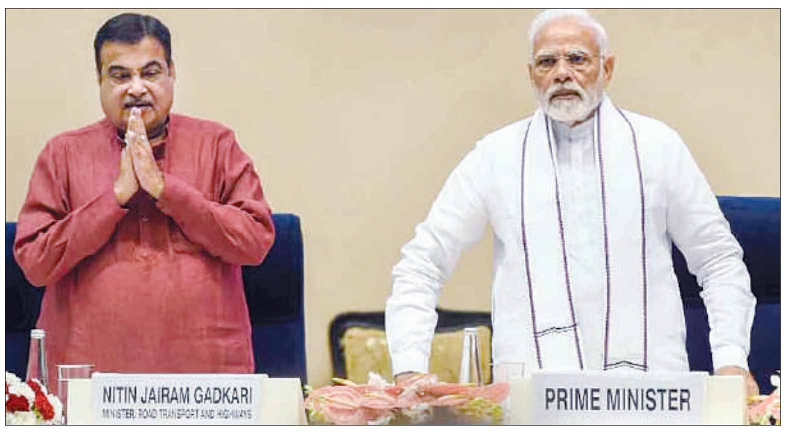


**मंत्रियों के प्रदर्शन की हो रही समीक्षा**

मोदी सरकार के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर एक पॉडकास्ट में भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में इस बात पर विचार-विमर्श हुआ कि मंत्रिमंडल में कौन से नए चेहरे शामिल हो सकते हैं और किन नेताओं की जिम्मेदारियों में बदलाव संभव है। चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जबकि नितिन गडकरी के मंत्रालयों में बदलाव की संभावना को लेकर भी राजनीतिक हलकों में चर्चा है। इसके अलावा कई पुराने और दिग्गज नेताओं की जगह नए चेहरों को अवसर दिए जाने की अटकलें हैं।

**दिग्गज नेताओं की जिम्मेदारियों में हो सकता है बदलाव**

कार्यक्रम में ऐश्वर्या पालीवाल ने कहा कि संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा है। मंत्रिमंडल में किसे शामिल किया जाएगा, इसका अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी नेतृत्व के स्तर पर होगा।

उन्होंने कहा कि इस बार मंत्रियों के प्रदर्शन को विशेष महत्व दिया जा सकता है और एक-एक मंत्री के कामकाज की समीक्षा किए जाने की चर्चा है।

ऐश्वर्या पालीवाल के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी नई संगठनात्मक टीम के साथ वर्ष 2027 के चुनावों में उतरने की तैयारी कर रही है।

उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है, वहीं पंजाब सहित अन्य राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा वर्ष 2029 का लोकसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए विशेष महत्व रखता है।उन्होंने कहा कि पार्टी चुनावों में लगातार सफलता प्राप्त कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर जनता से जुड़ाव और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। ▶8पर

### कार्टून कॉर्नर

### मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 23°

## नेपाल ने भारत, चीन और अमेरिका से मांगा जलवायु मुआवजा
# 'दान नहीं, न्याय चाहिए'

**काठमांडू, 02 सितंबर (एजेंसियां)।** नेपाल ने चीन, भारत और अमेरिका को दुनिया के सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देशों में शामिल करते हुए बागमती प्रदेश के कई जिलों में आई भीषण बाढ़ के लिए जलवायु मुआवजे की मांग की है। बताया जा रहा है कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र महासभा में व्यक्तिगत रूप से उठाने के लिए न्यूयॉर्क जाने की तैयारी में हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कांतिपुर टीवी को दिए एक साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि काठमांडू अपनी कूटनीतिक रणनीति को केवल सहायता मांगने से बदलकर न्याय और जलवायु मुआवजे की मांग की दिशा में ले जा रहा है।

विदेश मंत्री खनाल ने कहा कि यह कोई दान या खैरात का मामला नहीं है, बल्कि कानूनी और नैतिक दायित्व का सवाल है। उन्होंने कहा कि चीन, अमेरिका और भारत की जिम्मेदारी है कि वे उन कमजोर देशों को मुआवजा दें, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के दुष्परिणाम भुगत रहे हैं और जिनका वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में योगदान नगण्य है। हालांकि, पश्चिमी देश कुल कार्बन उत्सर्जन के आधार पर भारत को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। लेकिन विकसित देशों की तुलना में भारत का प्रति व्यक्ति और ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन योगदान काफी कम है।

काठमांडू ने तत्काल वित्तीय सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित 'नुकसान और क्षति कोष' से औपचारिक रूप से संपर्क किया है। खबरों के मुताबिक, नेपाल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस आपदा और जलवायु न्याय की अपनी मांग को प्रमुखता से उठाने की तैयारी कर रहा है। ▶8पर

## कोंडा सुरेखा का जाना लगभग तय!

**हैदराबाद, 2 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा का तेलंगाना कैबिनेट से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। कांग्रेस हाईकमान बुधवार को दिल्ली में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उनके कुछ मंत्री सहयोगियों की उनके द्वारा की गई खुली आलोचना के बाद फैसला लेने की कगार पर बताया जा रहा है।

**हाईकमान ने अनुशासनहीनता को गंभीर उल्लंघन माना**

यह मामला तब गंभीर रूप ले चुका जब सुरेखा एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिलीं और अपनी बेटी द्वारा मुख्यमंत्री तथा उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दिए गए बयानों से उपजे विवाद में अपना पक्ष रखा। बैठक के तुरंत बाद उन्होंने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान दे दिए। सबसे पहले मीडियाकर्मियों से अनौपचारिक बातचीत में और फिर एआईसीसी मुख्यालय के सामने रिकॉर्ड पर दिए गए उनके इन बयानों से कांग्रेस नेतृत्व नाराज हो गया है। हाईकमान ने सुरेखा के इस आचरण को पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन माना है, खासकर उस समय जब नेतृत्व विवाद को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा था। मुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ उनके सार्वजनिक बयानों ने कैबिनेट से हटाने के मामले को और मजबूत कर दिया है। हालांकि अंतिम फैसला कांग्रेस नेता राहुल गांधी, खरगे और एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की चर्चा के बाद ही लिया जाना संभावित है। राहुल गांधी बुधवार को दिनभर दिल्ली में नहीं थे और देर शाम राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

# बिना टैंक उतारे पाकिस्तान के सबसे ताकतवर जनरल बने असीम मुनीर

**इस्लामाबाद**

पाकिस्तान के सैन्य इतिहास में अभूतपूर्व घटनाक्रम में, जनरल असीम मुनीर देश के सबसे शक्तिशाली जनरल के रुप में उभरे हैं। उन्होंने बिना सड़कों पर टैंक उतारे या तख्तापलट किए, बल्कि संवैधानिक और संसदीय मार्ग से असीमित शक्ति हासिल की है। पाकिस्तान के चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और आर्मी चीफ के रूप में उनकी वर्तमान स्थिति उन्हें सैन्य कमांड ढांचे का निर्विवाद सुपर बास बनाती है।

यह बदलाव पाकिस्तान की शहबाज सरकार द्वारा संसद से पारित डिफेंस फोर्सेज आफ पाकिस्तान एक्ट 2026 और नेशनल कमांड अथारिटी (संशोधन) एक्ट 2026 के माध्यम से हुए, जिन्हें राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी भी मिल गई है। ये कानून नवंबर 2025 में पारित हुए 27वें संविधान संशोधन का हिस्सा हैं, जिसने देश के सैन्य कमांड ढांचे को मौलिक रूप से बदल दिया। 27वें संशोधन ने चेयरमैन जाइंट चीफ्स आफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) के पद को समाप्त कर चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) का नया पद सृजित किया। जनरल मुनीर को देश का पहला सीडीएफ नियुक्त किया गया, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह इस समय सीडीएफ के साथ-साथ सेना प्रमुख के पद की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं।

जनरल मुनीर की यह सुपर पावर रातोंरात नहीं मिली, बल्कि 27वें संविधान संशोधन के साथ ही इसकी शुरुआत हुई, इस संविधान संशोधन ने पाकिस्तान के मिलिट्री कमांड ढांचे को पूरी तरह बदल दिया। इस दोहरी भूमिका के चलते वह पाकिस्तानी थल, नौसेना और वायु सेना के सर्वोच्च कमांडर बन गए हैं। नए रक्षा बल मुख्यालय की कमान संभालने वाले मुनीर अब राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा और सशस्त्र बलों से संबंधित मामलों पर प्रधानमंत्री के मुख्य सैन्य सलाहकार के रूप में भी कार्य करेगा। इन संवैधानिक परिवर्तनों ने न केवल उनके पद की शक्ति बढ़ाई है, बल्कि उनका कार्यकाल भी नए सिरे से निर्धारित किया है। पहले उन्हें 2027 में सेवानिवृत्त होना था, लेकिन सीडीएफ के नए 5 साल के कार्यकाल के कारण अब वह कम से कम नवंबर 2030 तक इस शक्तिशाली पद पर बने रहने वाले है। पाकिस्तान ने एक और महत्वपूर्ण पद, नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड के कमांडर का भी सृजन किया है। यह चार-स्टार वाला पद देश की रणनीतिक सेनाओं के आपरेशनल इंटीग्रेशन के लिए जिम्मेदार है, और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल आमिर रजा को 4-स्टार जनरल रैंक पर प्रमोट करने के बाद इस पद पर तैनात किया है।

पाकिस्तान के सैन्य इतिहास को देखकर ये बदलाव बेहद महत्वपूर्ण हैं। अतीत में सेना ने चार बार तख्तापलट कर देश पर शासन किया है और नागरिक सरकारों पर भी उसका गहरा प्रभाव रहा है। लेकिन इस बार, सेना ने सड़कों पर टैंक उतारने के बजाय, संवैधानिक और संसदीय माध्यमों से अपनी शक्ति बढ़ाई है। हालांकि, आलोचक इस 27वें संविधान संशोधन को संवैधानिक तख्तापलट करार दे रहे हैं, उनका मानना है कि यह कदम पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था में सेना के प्रभुत्व को और मजबूत करता है।

## न्यूज ब्रीफ

### खगोलविदों ने अंतरिक्ष में की रेडियो आकाशगंगाओं की पहचान

**वाशिंगटन।** अंतरिक्ष में अमेरिका के खगोलविदों ने कुछ ऐसी रेडियो आकाशगंगाओं की पहचान की है, जो अब अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं। वैज्ञानिकों को ताजा खोज यह समझने में मदद करेगी कि जब किसी आकाशगंगा का केंद्रीय सुपरमैसिव ब्लैक होल, जो उसके इंजन की तरह काम करता है, निष्क्रिय हो जाता है, तो उस आकाशगंगा का क्या होता है। इस नई रिसर्च ने आकाशगंगाओं के जीवन चक्र को समझने की दिशा में एक नई और रोमांचक खिड़की खोल दी है। खगोलविदों ने इसके लिए पृथ्वी के ऊपर अंतरिक्ष के एक खास हिस्से पर फोकस किया, जिसे एक्सएमएम-न्यूटन एक्स-रे स्पेसक्राफ्ट ने बहुत करीब से देखा था। रेडियो आकाशगंगाएँ अंतरिक्ष में रेडियो तरंगों के मामले में बहुत ज्यादा चमकीली होती हैं। इनमें गैस के बहुत बड़े लोब होते हैं, जो लाखों प्रकाश वर्ष तक फैले हो सकते हैं। जब कोई रेडियो आकाशगंगा अपने जीवन के अंतिम चरण में पहुंचती है, तो उसे रेमनेंट (अवशेष) कहा जाता है। इस वक्त तक आकाशगंगा के केंद्र से निकलने वाले जेट काम करना बंद कर देते हैं। ये जेट सक्रिय गैलेक्टिक न्यूक्लिआई से जुड़े होते हैं, जिन्हें सुपरमैसिव ब्लैक होल से ऊर्जा मिलती है। जब ब्लैक होल का इंजन बंद हो जाता है, तो इन जेट्स को ऊर्जा नहीं मिल पाती। इसके कारण विशाल रेडियो लोब धीरे-धीरे फीके पड़ने लगते हैं और आकाशगंगा का अंत शुरू हो जाता है। रिसर्चर्स ने इस खास क्षेत्र का अध्ययन करने के लिए कई उन्नत उपकरणों का इस्तेमाल किया। इनमें दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी केप में मौजूद मीरकैट रेडियो टेलीस्कोप शामिल है, जो 64 एंटेना का एक बड़ा नेटवर्क है। इसके अलावा, जंस्की वेरी लार्ज एरे और लोफर नेटवर्क का भी इस्तेमाल किया गया। इन सभी टेलीस्कोप के डेटा ने मिलकर एक पावरफुल विजन तैयार किया, जिससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिली कि आकाशगंगा के अंदर मौजूद कण कैसे अपनी ऊर्जा खो देते हैं।

### वैज्ञानिकों ने नदी की तलछट में की एक विशेष बैक्टीरिया की पहचान

**टोक्यो।** जापानी वैज्ञानिकों ने नदी की तलछट में एक विशेष बैक्टीरिया की पहचान की है, जो पानी और मिट्टी में सालों तक बने रहने वाले खतरनाक फारएवर केमिकल्स (पीएफएएस) को प्रभावी ढंग से नष्ट करने में सक्षम है। यह महत्वपूर्ण शोध किया है कोबे यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने। यह खोज ऐसे समय में सामने आई है जब दुनियाभर इन जिद्दी प्रदूषकों से निपटने के लिए संघर्ष कर रहा है और कम लागत वाले समाधानों की तलाश है। इस तकनीक से भविष्य में पानी को पूरी तरह शुद्ध करना संभव हो पाएगा, ऐसा वैज्ञानिकों का मानना है।

### भारत ने नेपाल भेजी सहायता की पांचवीं खेप, 11 सदस्यीय बचाव दल और 5.5 टन दवाएं काठमांडू पहुंची

**काठमांडू।** नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों के बचाव और राहत कार्यों में सहयोग के लिए भारत से भेजी गई राहत सहायता की पांचवीं खेप काठमांडू पहुंच चुकी है। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारत द्वारा भेजी गई राहत सामग्री को भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि ने नेपाल सरकार के प्रतिनिधि को हस्तांतरित किया। भारतीय विदेशमंत्री डा. एस. जयशंकर ने जानकारी दी कि भारत से सहायता की पांचवीं खेप विमान के जरिए नेपाल के लिए रवाना हुई। उन्होंने बताया कि विमान में विशेष खोज एवं बचाव उपकरणों से लैस 11 सदस्यीय बचाव दल तथा 5.5 टन आवश्यक दवाइयां भेजी गई हैं। यह दल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खोज एवं बचाव अभियान में सहायता करेगा। अभी दो दिन पहले ही भारत ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 11 टन राहत सामग्री और तकनीकी दल के साथ चौथा विमान नेपाल भेजा था। नेपाल में इस समय बचाव और राहत कार्य तेजी से जारी है।

# अमेरिकी हमले के जवाब में ईरानी सेना ने जार्डन, कुवैत , बहरीन में दागी मिसाइलें

**तेहरान/वाशिंगटन/ अम्मान/कुवैत सिटी/मनामा**

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर छिड़ युद्ध में ईरान ने अमेरिकी हमले के जवाब में जार्डन, कुवैत और बहरीन को निशाना बनाया है। अमेरिका ने धमकी दी है कि ईरान पर और ज्यादा आक्रामक हमला किया जाएगा। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) का दावा है कि उसने जवाबी कार्रवाई के अंतर्गत जार्डन में प्रिंस हसन एयरबेस और अमेरिकी मरीन बेस पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला किया है।

अल जजीरा, अरब न्यूज, गल्फ न्यूज और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वाशिंगटन और तेहरान के बीच फिर से हमले शुरू होने के बाद अपने पहले संदेश में सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने कहा है कि इस बार ईरान की सेना अमेरिका को ऐसा दर्द देगी, जो वह कभी हीं भूल पाएगा।

कुवैत का कहना है कि वायु रक्षा प्रणाली ड्रोन हमलों का सक्रिय रूप से जवाब दे रही है। बहरीन ने कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान से आ रहे ड्रोनों को सफलतापूर्वक रोककर नष्ट कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने कहा कि उसकी सेनाओं ने पहली सितंबर को ईरानी ठिकानों पर कई हमले किए। यह कार्रवाई कमर्शियल जहाजों और अमेरिकी सैनिकों पर हमले की कोशिशों के जवाब में की गई ।

इस बीच ईरान के सरकारी मीडिया ने दक्षिणी इलाकों में धमाकों की रिपोर्ट प्रसारित की है। रिपोर्ट के अनुसार, असलुयेह, जिरोफ्ट, बंदर अब्बास, केशम द्वीप, कोनारक, चाबहार, जास्क, सिरिक और लावन में जोरदार धमाके हुए हैं। ईरान के रेड क्रिसेंट ने बताया कि सिरिक काउंटी के कुहेस्ताक शहर में शादी के घर पर हुए हमले में एक बच्चे समेत कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा नागरिक घायल हो गए। रेड क्रिसेंट ने एक्स पर यह जानकारी दी। ईरानी सरकार ने कहा कि अमेरिकी हमले के बाद शादी का घर जमींदोज हो गया। सिरिक काउंटी होर्मुज जलडमरूमध्य के किनारे बसा है।

ईरानी मीडिया ने कोहोर्मुज जलडमरूमध्य के साथ और उसके पूरब में कई शहरों के साथ-साथ दक्षिणी केरमान प्रांत के एक एयरपोर्ट पर धमाकों की रिपोर्ट दी। ईरान 28 फरवरी से अमेरिका के साथ जंग में है। इसी तारीख को अमेरिका-इजराइल के एकीकृत सैन्य हमले में इस्लामिक रिपब्लिक के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने मध्य पूर्व के अमेरिकी मददगार देशों पर हमला किया था। कुछ दिनों की खामोशी के बाद अमेरिका ने ईरान पर जोरदार हमला किया ।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किसी भी जवाबी हमले का बहुत कड़ा जवाब देने की धमकी दी है।

ईरान ने ट्रंप की धमकी को धता बताते हुए जार्डन और संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के प्रवक्ता हुसैन मोहेबी ने एक्स पर चेतावनी दी कि वाशिंगटन को कड़ी सजा दी जाएगी। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बाद में कहा कि ईरान की सेना ने अमेरिकी ठिकानों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू कर दिया है। महत्वपूर्ण यह है कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला है। अमेरिका की ईरानी पोर्ट्स पर जवाबी नाकाबंदी जारी है।

पिछले 48 घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास कमर्शियल टैंकरों पर दो हमलों की खबर मिली है। इसके बाद जहाज जजीरत उम्म अल घनम के उत्तर-पश्चिम में लगभग एक नाटिकल मील की दूरी पर लंगर डालकर रुक गया। दूसरी घटना, यूकेएमटीओ 124-26 (टैंकर) से जुड़ी है। इस टैंकर पर ओमान के खसाब से लगभग 17 नाटिकल मील पूर्व में जलडमरूमध्य से बाहर निकलते समय तीन अज्ञात प्रोजेक्टाइल (हथियार/गोले) से हमला हुआ। टैंकरों पर ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिका-ईरान संघर्ष संभावित रूप से अधिक खतरनाक समुद्री चरण में प्रवेश कर चुका है। ईरानी खतरों के जवाब में अमेरिकी सेना ने ईरानी रडार और एयर डिफेंस सिस्टम और अन्य सैन्य बुनियादी ढांचे पर ताजा हमले किए हैं।

सना में हूती नियंत्रित विदेश मंत्रालय ने ईरान पर अमेरिकी हमलों को लेकर तेहरान के साथ एकजुटता का बयान जारी किया है। हूती नियंत्रित सबा समाचार एजेंसी के एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी हमलों से ईरान का संकल्प कमजोर नहीं होगा और तेहरान की प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक वैध अधिकार है। मंत्रालय ने अमेरिका पर क्षेत्र को तनाव की ओर धकेलने का आरोप लगाया और कहा कि इसके नतीजों के लिए वाशिंगटन और उसका समर्थन करने वाले जिम्मेदार हैं।

# नेपाल में बालेन शाह : आपदा में अवसर या अग्निपरीक्षा

**काठमांडू**

**नेपाल में जेन-जी आंदोलन के जरिए राजनीतिक बदलाव का चेहरा बने बालेन्द्र शाह बालेन के प्रधानमंत्री बनने के मात्र पाँच महीने बाद ही उनकी सरकार की साख पर सवाल उठ रहे हैं। युवा नेतृत्व से जनता को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन अनुभवहीनता, जल्दबाजी और मनमाने फैसलों के आरोपों ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, हालिया प्राकृतिक आपदा बालेन के लिए अपनी प्रशासनिक क्षमता साबित करने का एक बड़ा मौका साबित हो सकती है।**

सितंबर 2025 में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध से उपजे जेन-जी आंदोलन ने भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ व्यापक जनाक्रोश का रूप ले लिया था, जिसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा। अंतरिम सरकार के बाद हुए चुनाव में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 275 में से 182 सीटें जीतकर बड़ी सफलता हासिल की और बालेन शाह ने ओली को बड़े अंतर से हराकर सत्ता संभाली। लेकिन सत्ता संभालने के बाद बालेन के सामने कई विवाद खड़े हुए। वे संसद की शुरुआती बैठकों में बेहद कम उपस्थित रहे, पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठकों से भी उनकी गैर-मौजूदगी पर सवाल उठे।

भारत को लेकर उनके कुछ बयानों और भारतीय अधिकारियों से दूरी ने द्विपक्षीय संबंधों को लेकर भी अटकलें पैदा कीं। वहीं, आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने के भारत दौरे के दौरान मिले जोरदार स्वागत से पार्टी में सत्ता के दूसरे केंद्र की भी चर्चा तेज हुई। सरकार पर अध्यादेशों के सहारे शासन चलाने, जल्दबाजी में फैसले लेने और बाद में उन्हें वापस लेने के आरोप भी लगे। भारतीय सामानों पर कस्टम सख्ती का फैसला विरोध के बाद वापस लेना पड़ा। राइड-शेयर ड्राइवर गणेश नेपाली के आत्मदाह और सांप्रदायिक झड़पों जैसी घटनाओं ने सरकार की चुनौतियों को और बढ़ाया है। यह अनुभव नेपाल के बाहर भी देखा गया है, जैसे 1985 में असम गण परिषद की सरकार और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की पहली सरकार, जिन्होंने आंदोलन से सत्ता तो पाई लेकिन प्रभावी शासन में चुनौती का सामना किया। अब बालेन शाह के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्राकृतिक आपदा है। 26 अगस्त की सुबह त्रिशूली और भोटेकोशी नदियों में अचानक आई बाढ़ ने रसुवा और नुवाकोट जिलों में भारी तबाही मचाई है, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हुई और कई लापता हैं। राहत और बचाव अभियान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया है। यह आपदा बालेन के लिए एक गंभीर संकट के साथ-साथ अपनी प्रशासनिक क्षमता साबित करने का अवसर भी है। यदि उनकी सरकार सड़क, पुल और बिजली व्यवस्था बहाल करने, विस्थापितों का पुनर्वास कराने तथा केंद्र, प्रांतीय और स्थानीय प्रशासन के बीच प्रभावी तालमेल स्थापित करने में सफल रहती है, तब इससे उनकी गिरती साख को संभालने में मदद मिल सकती है।

## बेकार प्लास्टिक और कृषि अवशेषों से प्रोटीन से भरपूर बिस्किट तैयार

**न्यूयार्क।** वैज्ञानिकों ने बेकार प्लास्टिक और कृषि अवशेषों से प्रोटीन से भरपूर बिस्किट तैयार किए हैं। अमेरिका की साउदर्न इलिनाय यूनिवर्सिटी कार्बोनडेल के प्रोफेसर लाहिरू जयकोडी और उनकी टीम द्वारा विकसित इन बिस्किट को माइक्रोबाइट्स यानी माइक्रोबाइट्स नाम दिया गया है। हालांकि यह तकनीक अभी शोध के शुरुआती चरण में है और आम लोगों के खाने के लिए उपलब्ध नहीं है। इन बिस्किट की मुख्य सामग्री पालीइथिलीन टेरेफ्थेलेट यानी पीईटी प्लास्टिक है। यही प्लास्टिक आमतौर पर पानी और साफ्ट ड्रिंक की बोतलों में इस्तेमाल होता है। इसके साथ मकई के डंठल और पत्तियों जैसे कृषि अवशेषों का भी इस्तेमाल किया जाता है। वैज्ञानिकों ने इन पदार्थों को उपयोगी पोषक तत्वों में बदलने के लिए एक विशेष प्रक्रिया विकसित की है। इस प्रक्रिया में पहले आक्सीडेटिव हाइड्रोथर्मल डिसाल्यूशन तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें उच्च तापमान और दबाव के बीच पानी और आक्सीजन की मदद से प्लास्टिक तथा बायोमास को छोटे अणुओं में तोड़ा जाता है। इसके बाद विशेष रूप से प्रोग्राम किए गए यीस्ट यानी खमीर इन अणुओं को प्रोटीन, वसा, अमीनो एसिड, विटामिन और स्वाद से जुड़े घटकों में बदलते हैं।

# कूटनीतिक मंच पर शहबाज शरीफ की दौड़, पुतिन ने नहीं दिया खास भाव

**बिश्केक**

**किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से वीडियो सामने आया है, जिसने कूटनीतिक हलकों में काफी चर्चा बटोरी है। यह वीडियो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई एक असामान्य मुलाकात को दिखाता है, जिसमें शरीफ की बाडी लैंग्वेज और कूटनीतिक प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं।**

दरअसल, औपचारिक समूह फोटो सेशन के बाद जब सभी नेता अपने स्थानों से हटने लगे और पुतिन पोडियम से दूर जाने लगे, तभी शरीफ तेजी से उनकी ओर बढ़े। वीडियो में उन्हें पुतिन का हाथ पकड़कर रोकने और उनसे बातचीत करने का प्रयास करते देखा गया। हालांकि, इस दौरान पुतिन ने शरीफ की ओर हाथ नहीं बढ़ाया, जो पहले भी पोडियम पर अपने ठीक बगल में खड़े पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से बात करने से बचते दिखे थे। यह घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की कूटनीतिक स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े करता है, खासकर तब जब डिप्लोमेसी में बाडी लैंग्वेज को अत्यधिक महत्व दिया जाता है।

इसके विपरीत, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को ग्रुप फोटो के लिए अन्य नेताओं के साथ जुड़ने से पहले सहजता से हाथ मिलाते और संक्षिप्त बातचीत करते देखा गया। पुतिन ने भी तस्वीर खिंचवाने से पहले पीएम मोदी का गर्मजोशी से अभिवादन किया। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने एक दिन पहले ही बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक की थी। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-रूस संबंधों के विभिन्न पहलुओं, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और उर्वरक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की अपनी अपील को भी दोहराया, यह कहते हुए कि संघर्ष में बिताया गया हर दिन मानवता को पीछे धकेलता है। यह बैठक इस महीने के अंत में होने वाली पुतिन की भारत यात्रा (वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए) से ठीक पहले हुई, जो दोनों देशों के मजबूत संबंधों को रेखांकित करती है। दोनों नेताओं ने बिश्केक में वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह के लिए पुतिन की लिमोजिन में एक साथ यात्रा भी की थी, जो उनके बीच की व्यक्तिगत केमिस्ट्री को दर्शाता है।

# नेपाल में 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ 2,000 मीटर नीचे गिरी, विस्फोट जैसा असर

**काठमांडू**

नेपाल के रसुवागढ़ी में विनाशकारी बाढ़ का कारण माने जा रहे हिमपर्वत के खिसकने (ग्लेशियर कोलैप्स) की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि करीब 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ और हिमखंड लगभग 2,000 मीटर नीचे आकर गिरे। विशेषज्ञों के अनुसार, इस घटना से आसपास के क्षेत्र में भारी ऊर्जा उत्पन्न हुई, जिसका प्रभाव बम विस्फोट जैसा था।

लांगटांग लेरुंग के उत्तर में हिमस्खलन और बाढ़ का अध्ययन कर रहे त्रिभुवन विश्वविद्यालय के भूगर्भशास्त्र केंद्रीय विभाग के प्रोफेसर डा. रंजन कुमार दाहाल के अनुसार, बर्फ का विशाल ढेर केवल नीचे नहीं गिरा, बल्कि आसपास व्यापक क्षति पहुंचाने वाला विस्फोट भी हुआ।

डा. दाहाल ने बताया कि सैटेलाइट डेटा के विश्लेषण और बेहद कम अनुमान के आधार पर भी करीब 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ नीचे गिरने की पुष्टि होती है। उनके अनुसार, लगभग 2,000 मीटर नीचे गिरने के दौरान इस बर्फीले ढेर से पैदा हुई ऊर्जा का असर बम विस्फोट जैसा रहा होगा। इस घटना से उत्पन्न कंपन को 5.2 रिक्टर स्केल के भूकंप के रूप में भी दर्ज किया गया था।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग भूगर्भविद् डा. दाहाल के साथ चीन के शंघाई स्थित टोंगजी विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और किंग्स कालेज लंदन, तथा इटली के पादुआ विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने करीब एक वर्ष पहले से हिमालय और हिमाली क्षेत्रों में हो रही गतिविधियों का अध्ययन शुरू किया था।

अध्ययन के दौरान पता चला था कि रसुवागढ़ी के ऊपरी तिब्बती क्षेत्र में स्थित प्यूरेपु हिमताल के सुप्राग्लेशियल लेक यानी ग्लेशियर पर हाल में बने छोटे-छोटे जलकुंड और तालाब फट गए थे। इसके कारण पिछले वर्ष भी भोटेकोशी नदी में बाढ़ आई थी।

इसके बाद भूगर्भविदों और वैज्ञानिकों की टीम ने हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियरों में हो रही हलचल और गतिविधियों का अध्ययन शुरू किया। इसी अध्ययन के बीच पिछले बुधवार अचानक विनाशकारी बाढ़ आ गई, जिसके बाद टीम के कुछ सदस्य हिमस्खलन और बाढ़ के अध्ययन में जुट गए।

प्रोफेसर दाहाल के अनुसार, प्राप्त सैटेलाइट डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि हिमस्खलन की लंबाई करीब 1.3 किलोमीटर थी। इसने नीचे की ओर लगभग 500 से 800 मीटर क्षेत्र को अपनी चपेट में लेते हुए साफ कर दिया।

हालांकि, वैज्ञानिक अभी बर्फ के ढेर की वास्तविक मोटाई स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं कर पाए हैं। उपलब्ध विवरणों के आधार पर उनका अनुमान है कि गिरा हुआ बर्फीला ढेर करीब 60 से 70 मीटर मोटा रहा होगा।

इस आधार पर बर्फ और हिमखंड के आयतन का अनुमान लगाने पर करीब 4 करोड़ घन मीटर सामग्री नीचे गिरने की संभावना सामने आती है। हालांकि, प्रोफेसर दाहाल बेहद कम अनुमान के आधार पर भी कम से कम 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ नीचे गिरने की बात कहते हैं। वहीं, कुछ अन्य विशेषज्ञों ने प्रारंभिक तौर पर 10 करोड़ घन मीटर तक बर्फ गिरने का अनुमान लगाया है।

2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ का आयतन कितना विशाल है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे लंदन के वेम्बली स्टेडियम को करीब 22 बार भरा जा सकता है। यह मात्रा मिस्र के प्रसिद्ध पिरामिड से करीब 10 गुना अधिक बताई जा रही है।

बर्फ के आयतन का वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे विशेषज्ञों का कहना है कि वास्तविक रूप से नीचे गिरी बर्फ की मात्रा इन शुरुआती अनुमानों से कहीं अधिक भी हो सकती है।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज सावधानी रखने की जरूरत हैं । यदि आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। जोखिम वाले काम करते समय सावधान रहें, चोट लगने की आशंका है। धन लाभ होने की संभावना है। लंबित कार्य पूरे होंगे। आपके विरोधी शांत रहेंगे। विवादों से दूर रहें। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। मन प्रसन्न रहेगा। सेहत ठीक रहेगी। रिश्तेदारों की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत हैं

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के चलते दिनभर व्यस्त रहेंगे। मकान या जमीन खरीदने के लिए अपने परिवार से चर्चा कर सकते हैं। ऑफिस में आपको खुशखबरी मिलेगी। किसी सगे संबंधी से विवाद होने की आशंका है। तनाव बना रहेगा। बोलचाल के दौरान नियंत्रित रहें। अपने खानपान को नियंत्रण में रखें। कैरियर से जुड़ी कोशिश कामयाब रहेगी। छात्रों को कामयाबी मिलेगी। घर–परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आज का दिन सकारात्मक रहेगा । व्यापार के हिसाब से लाभदायक हैं आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे। आपके स्वभाव से सभी प्रभावित होंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। आपकी सराहना होग।ऋण से मुक्ति मिलेगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों की तरक्की हो सकती है। आपका व्यवसाय आगे बढ़ेगा। आप अपने परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। सेहत को लेकर चिंतित हो सकते हैं। तले हुए भोजन से दूरी बनाकर रखें शरीर और मन दोनो स्वस्थ्य रहेंगे।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज गाय को केले का फल खिलाए व्यवसाय में लाभ होगा। आप के काम मे तेजी रहेगी । रिश्तेदारों से मुलाकात के मौके मिलेंगे। ऑफिस का माहौल ठीक नहीं रहेगा। आफिस में किसी से विवाद होने की आशंका है। आपकी सेहत बिगड़ी सकती है। छात्रों को काफी मेहनत करनी होगी। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। जोखिम न लें। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आप खुश रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा ।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आज भागमदौड ज्यादा रहेगी । आज रिश्तेदारों की ओर से दुखद सूचना मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। आज सामाजिक जिम्मेदारी पूरा करने में विलंब हो सकता है। किसी से विवाद होने की आशंका है। कर्ज की रकम वापस मिलने में दिक्कत होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चिड़चिड़ापन बना रहेगा। कारोबार में प्रगति होगी। आप को सेहत का ध्यान रखना होगा तरल पदार्थ का ही सेवन करें।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आज आप रिस्क का काम भी हाथ मे ले सकते हैं । पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। आज खर्च ज्यादा हो सकता है। भौतिक संसाधन जुटाने के लिए खर्च कर सकते हैं। निवेश से आपका अच्छा–खासा लाभ होगा। आपके कार्य आसानी से पूरे होंगे। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। कैरियर से जुड़ी बाधा दूर होने की संभावना है। अपनी सेहत का ध्यान रखें। दिनचर्या में परिवर्तन संभव है। यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ सूचना मिलेगी। दाम्पत्य जीवन मे संयम की आवश्यकता हैं तनाव मुक्त रहेंगे। अपने ईष्टदेव को भोग अर्पित करें

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आज विरोधी आप पर हावी हो सकते हैं आपको सतर्क रहना होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगें । आप का दिन कुछ परेशानी व चिंता में बीतेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यवसाय अच्छा चलेगा। नए प्रोजेक्ट परकार्य शुरू करेंगे। धन लाभ हो की संभावना है। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। युवाओं को सफलता मिल सकती है। बेरोजगारी दूर होगी कोशिश व्यर्थ नही जाएगी।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज केले के झाड मे घीका दीपक प्रज्वलित करें आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी से विवाद न करें। आपकी परेशानी का हल निकलेगा। कैरियर आगे बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे। लेनदेन करते समय सावधान रहें। सेहत ठीक रहेगी। सगे संबंधियों से मुलाकात के दौरान कुछ मतभेद उभर सकते हैं। सावधानी से बोलें। खुशखबरी मिलेगी। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। जोखिम वाले कार्यों से दूर रहें। खर्चे पर अंकुश लगाए भविष्य सुनहरा होगा ।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज प्रसन्नता रहेगी दिल दिमाग दोनो शान्त रहेंगे । आपके कार्य मन मुताबिक पूरे होंगे। जीवनसाथी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खुश रहेंगे। धन लाभ होगा। नशे से दूर रहें। किसी की बातों में न आएं। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। पुरानी बीमारी उभर सकती है। बुजुर्गों का ख्याल रखें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। किसी से रिश्ते में खटास आ सकती है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। डिनर के बाद हल्का सी चहलकदमी करें पाचनशक्ति तीव्र होगी।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज शान्त रहने की आवश्यकता हैं वाणी पर संयम रखें । सेहत बिगड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें।किसी मित्र से मतभेद होने की आशंका है।कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते है। कर्ज की रकम वापस नहीं मिलेगी। दिनचर्या में परिवर्तन लाने का प्रयास करें। समय पर कार्य पूरे कर पाने में असमर्थ रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। खर्च ज्यादा होगा। किसी काम मे रुकावटें आ रही हैं तो अपने मित्रों का सहयोग लें कार्य पूरें होंगे ।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आज आप अपनी जिमेदारी पूरी करेंगे दिन फायदेमंद रहेगा। शासकीय कार्य पूरे होंगे । सेहत ठीक रहेगा। धर्म कर्म में मन लगेगा। दंपत्तियों के बीच सामंजस्य रहेगा। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा पर जाएंगे। किस्मत का साथ रहेगा। बचत योजना में निवेश के प्रस्ताव मिलेंगे। उधार देते समय सावधान रहें। दफ्तर में किसी से अनबन होने की आशंका है। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक्सपर्ट से राय–मशवरा जरूरी करलें ।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

छात्रों के लिए अपार सफलता हैं परिणाम मन मुताबिक आंएगे । कानूनी मामले आगे बढ़ेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर आएंगे। आज आप धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज किस्मत का साथ मिलेगा। रिश्तेदारों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। नौकरी में तरक्की हो सकती है। कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते हैं। शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं। दाम्पत्य जीवन मे आपसी तालमेल बहतर रहेगा दिन का उत्तरार्ध अच्छा बीतेगा ।

## आज का पंचांग

दिनांक : 03 सितंबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 02:27 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 12:30 तक
योग : व्याघात सायं 06:32 तक
करण : विष्टि सायं 03:29 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रात: 07:26 तक
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:29 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:30 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:23 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:19 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 03:31 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# महारुद्र शक्तिपीठ के सदस्यों ने किए सालासर बालाजी के दर्शन

**सालासर (राजस्थान), 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** महारुद्र शक्तिपीठ के सदस्यों ने प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सालासर धाम पहुंचकर सिद्धपीठ श्रीसालासर बालाजी महाराज के दर्शन किए। सदस्यों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर देश और समाज की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान सदस्यों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला।

दर्शन के पश्चात स्थानीय परमेश्वरी होटल में सभी सदस्यों का आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. विष्णु दत्त पुजारी ने महारुद्र शक्तिपीठ से जुड़े सभी सदस्यों को दुपट्टा एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में महारुद्र शक्तिपीठ की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

इस अवसर पर महारुद्र शक्तिपीठ के महंत मनीष सोनी (आमेर), वरिष्ठ पत्रकार शरद दाधीच (जयपुर), ज्योतिषाचार्य आचार्य अभिमन्यु पाराशर, समाजसेवी गोपाल भाई, व्यवसायी राजेश गुप्ता, सिंग्रेचर बाबू संदीप भार्गव, पत्रकार पप्पूलाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महारुद्र शक्तिपीठ के सदस्यों ने बालाजी महाराज से संस्था के आगामी धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक आयोजनों की सफलता की प्रार्थना की। साथ ही समाज में सेवा, संस्कार और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार को और गति देने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और भविष्य में भी धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को और अधिक व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सदस्यों ने सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता के कार्यों को निरंतर जारी रखने पर भी जोर दिया।

# डोंगली में विद्यार्थियों में गणवेश वितरित

डोंगली, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई नि:शुल्क विद्यालय वर्दी (गणवेश) बुधवार को डोंगली मंडल के मदन हिप्पार्गा मंडल परिषद प्राथमिक उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों को वितरित की गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामोजी श्रीवास्तव, एएसी अध्यक्ष गंडीगे ईरावाई और ग्राम सरपंच बाचावर लक्ष्मण ने विद्यार्थियों को वर्दी प्रदान की।

इस अवसर पर शिक्षक चंदू एवं शिल्पा, ग्राम महिला संघ अध्यक्ष शारदा, वीवो ए. बशाव्वा, ग्राम वार्ड सदस्य और ग्रामीण उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापक ने कहा कि नि:शुल्क वर्दी से विद्यार्थियों में समानता की भावना बढ़ेगी तथा विद्यालय के प्रति रुचि और अनुशासन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से इस सुविधा का लाभ उठाकर मन लगाकर पढ़ाई करने और उच्च शिक्षा प्राप्त करने का आह्वान किया।

# विधायक ने स्मार्ट कार्ड वितरित किए

मदनूर, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के निर्देशानुसार जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मी कांतराव ने डोंगली में 20 लाख रुपये की निधि से सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इसके साथ ही तहसील कार्यालय में स्थानीय जनता को राशन की दुकान से हर माह खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए स्मार्ट कार्ड वितरित किए। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष गजानन देशाई, सरपंच संघ अध्यक्ष लक्ष्मण पटेल बाचे, उमाकांत पटेल, पाशा, तहसीलदार रंजीत कुमार एवं राजस्व अधिकारी साई बाबा सहित अन्य उपस्थित रहे।

# पुण्यतिथि पर अन्नदान कर हरिराम गोयल को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

## गोयल ज्वेलर्स परिवार ने सेवा को बनाया स्मृति का माध्यम, राधे-राधे ग्रुप के साथ किया अन्नदान

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** किसी अपने की स्मृति को यदि मानव सेवा से जोड़ दिया जाए, तो वह स्मृति सदैव समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है। इसी भाव और संवेदना के साथ स्वर्गीय हरिराम गोयल की पुण्यतिथि पर बुधवार को गोयल ज्वेलर्स, सोमाजीगुड़ा परिवार की ओर से अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वाधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क वाटर टैंक पर आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। इस सेवा के माध्यम से स्वर्गीय हरिराम गोयल को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर मुन्नालाल गोयल एवं जगदीश प्रसाद गोयल सहित गोयल ज्वेलर्स परिवार ने सेवा कार्य में सहभागिता की। परिवार की ओर से कहा गया कि पुण्यतिथि पर केवल स्मरण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि दिवंगत व्यक्ति की याद में ऐसा कार्य किया जाना चाहिए, जिससे किसी जरूरतमंद के जीवन में थोड़ी खुशी आए। भूखे को भोजन कराना और जरूरतमंद की सेवा करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति में सेवा और मानवता का सबसे पवित्र स्वरूप माना गया है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए ग्रुप द्वारा नियमित रूप से विभिन्न स्थानों पर अन्नदान सेवा जारी है। सेवा का यह क्रम किसी प्रचार या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को निभाने के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, कमल मुंदड़ा, इंदिरा मुंदड़ा, भावरलाल गुप्ता, रमेश गोयल, नंदा गोयल, अंशु अग्रवाल, अवनीश गोयल, श्रुति गोयल, रुचित गोयल, दीपा गोयल, आयुष गोयल, सुचित गोयल, ईशा गोयल एवं त्विषा गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने उपस्थित रहकर सेवा कार्य में सहयोग दिया। पुण्यतिथि के इस अवसर पर अन्नदान के माध्यम से दिया गया संदेश बेहद स्पष्ट रहा कि वही सार्थक है, जो किसी के काम आए; श्रद्धांजलि वही सच्ची है, जो मानव सेवा में बदल जाए। स्वर्गीय हरिराम गोयल की स्मृति में किया गया यह सेवा कार्य इसी मानवीय भावना का सुंदर उदाहरण बना।

# साठे की प्रतिमा स्थापना के लिए यादवराव ने दिया योगदान

मदनूर, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के बड़ा एकलारा गांव में मंगलवार को श्याम अन्ना भाऊ साठे की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतिमा स्थापना की तैयारियों एवं सहयोग को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर मदनूर मंडल के छोटा शक्करगा निवासी यादवराव सुरेशी ने प्रतिमा स्थापना के लिए अपना योगदान देने का आश्वासन दिया। उनके सहयोग की पहल पर बड़ा एकलारा गांववासियों ने शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया।

# महिला सुरक्षा को लेकर पेद्दापल्ली कलेक्ट्रेट के सामने धरना

पेद्दापल्ली, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में महिलाओं, छात्राओं और युवतियों की सुरक्षा को लेकर महिला सुरक्षा मंच के तत्वाधान में बुधवार को पेद्दापल्ली कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने हाल की कथित घटनाओं का उल्लेख करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मामलों की शीघ्र जांच की मांग की। इस अवसर पर ठाकुर ताराबाई ने आरोप लगाया कि प्रेम के नाम पर महिलाओं को ब्लैकमेल करने, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने धुक्कुगुड़ा नर्स बलात्कार एवं हत्या मामले सहित महिलाओं से जुड़े अन्य मामलों में निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने आईटी कंपनियों में महिला कर्मचारियों के कथित यौन उत्पीड़न, बीटेक छात्रा को धर्म परिवर्तन के लिए कथित रूप से प्रताड़ित करने तथा गोलनाका और माधापुर से जुड़ी घटनाओं की भी शीघ्र जांच की मांग की। उन्होंने युवतियों से सतर्क रहने और किसी भी प्रकार के दबाव या उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाए तो राज्यभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। धरने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने पेद्दापल्ली कलेक्ट्रेट कार्यालय में अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

धरने में कंदुला संध्यारानी, निर्मला, भारती, रायकम झांसी, रंगू वाणी, उय्यंकर साई कुमार, बंदी ममता, अटला राजिता, बेजंकी दिलीप, कवेती राजगोपाल, रामगिरी अखिल, पुसला श्यामसुंदर सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

# मुंबई पुलिस के 52 कर्मियों को मिली पदोन्नति

**मुंबई, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मुंबई पुलिस बल के विभिन्न क्षेत्रीय विभागों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 52 पुलिस कर्मियों के लिए विशेष 'पीपिंग समारोह' का आयोजन किया गया। समारोह वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पदोन्नति पाने वाले सभी पुलिस कर्मियों के परिजनों की उपस्थिति में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस गौरवशाली अवसर पर पुलिस कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और अपराध का पता लगाने सहित विभिन्न सेवाओं में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान दिया गया।

उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए उन्हें पदोन्नति प्रदान की गई। समारोह के दौरान पुलिस कर्मियों के परिजनों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। पदोन्नति मिलने से पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ा और उन्हें भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरणा मिली। पुलिस विभाग में इस प्रकार के आयोजन सकारात्मक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माने जाते हैं। ऐसे सम्मान और प्रोत्साहन से पुलिस कर्मियों का मनोबल मजबूत होता है तथा वे जनता की सुरक्षा और सेवा के लिए और अधिक बेहतर एवं विश्वसनीय तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। इससे पुलिस विभाग और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बनाने में भी मदद मिलती है।

# 52वीं जूनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप के लिए तेलंगाना की वाटर पोलो टीम घोषित

## 7 से 12 सितंबर तक इंदौर में होंगे मुकाबले, लिंगमनेनी अनिरुध संभालेंगे टीम की कमान

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** 52वीं जूनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप-2026 के वाटर पोलो वर्ग में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम की घोषणा कर दी गई है। प्रतियोगिता का आयोजन 7 से 12 सितंबर 2026 तक मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित आईडीए स्विमिंग पूल, पिपलियाहाना स्क्वायर में किया जाएगा।

तेलंगाना की वाटर पोलो टीम में कुल 15 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। लिंगमनेनी अनिरुध टीम के कप्तान होंगे। टीम में अरविंद रेशम, बी. अक्षज, बंडला अद्वैत, कटुकोज्वाला भुवन, लिंगमनेनी अनिरुध (कप्तान), मड्डी मोहन दुर्गा, मधुनाला अभिनव, एमडी अज़ान, मोहम्मद अब्दुर रहमान सिद्दीकी, सोमांशु बासा, प्रदीव कडाली, श्रेयस माधवरम, श्रेयस रेड्डी गाली, श्री अखिल चारि विश्वर-ोजू और स्वर्ण कंकणाला शामिल हैं।

राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में तेलंगाना टीम से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं हैं तथा बेहतर प्रदर्शन की कामना की है।

# नए एफआरएस सिस्टम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंटरमीडिएट शिक्षा नवाचार प्रकोष्ठ के निर्देशानुसार कामारेड्डी जिला इंटरमीडिएट नोडल अधिकारी शेख सलाम के मार्गदर्शन में 2 सितंबर को ऑनलाइन बैठक के माध्यम से नए एफआरएस (फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम) को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कामारेड्डी जिले के सरकारी कनिष्ठ महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया। जिला संसाधन व्यक्ति सैयद अब्दुल रजाक (वरिष्ठ सहायक) और वजाहत अली (कनिष्ठ व्याख्याता) ने कर्मचारियों को नए एफआरएस सिस्टम की नीति, कार्यप्रणाली और उपयोग के संबंध में जानकारी दी। जिला इंटरमीडिएट नोडल अधिकारी शेख सलाम ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

# एएसरॉक ने पीसी कंपोनेंट्स की नई रेंज लॉन्च की

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैश्विक पीसी हार्डवेयर ब्रांड एएसरॉक ने बुधवार को बेगमपेट स्थित विशाल पेरिफेरल्स में अपने पावर सप्लाई और एआईओ लिक्विड कूलर की नई श्रृंखला का भारत में भव्य शुभारंभ किया। इस लॉन्च के साथ कंपनी ने भारत में अपने पीसी हार्डवेयर पोर्टफोलियो का विस्तार किया है कार्यक्रम में विशाल पेरिफेरल्स के श्री विकास हिसारिया, एएसरॉक के इंडिया रीजनल सेल्स मैनेजर श्री प्रकाश नायक, श्री प्रणव सिंह, एएसरॉक इंडिया मार्केटिंग हेड श्री अंकित सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। लॉन्च समारोह में अभिनेत्री प्रीति सुंदर और अभिनेत्री रितिका चक्रवर्ती भी शामिल हुईं। इस मौके पर एएसरॉक के नए पावर सप्लाई और एआईओ लिक्विड कूलर मॉडल का अनावरण किया गया, जो गेमिंग और हाई-परफॉर्मेंस पीसी यूजर्स के लिए तैयार किए गए हैं।

जयपुर स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भाजपा बीकानेर संभाग के आईटी सेल प्रभारी जतिन सहल का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजय कुमार ने उन्हें मिठाई खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

# केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा संपन्न

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बुधवार को केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक लाखोटिया, सेसैया गरु, पांडु गरु, बृज भूषण अग्रवाल, पी.सी. जैन, प्रवीण कुमार अग्रवाल, राहुल सिंघल, सुरेश कुमार अग्रवाल, सीए वेंकटेश रेड्डी, राजगोपाल राव, भूषण रेड्डी, बलराज, विजय कुमार, सियाम्स, विजय लक्ष्मी, विजय रेड्डी, संध्या अग्रवाल सहित अन्य श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में भाग लिया।

# करीमनगर डेयरी की नई शाखा का शुभारंभ

पेद्दापल्ली, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिले के जुलापल्ली मंडल केंद्र में करीमनगर मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की नई शाखा का उद्घाटन पेद्दापल्ली जिला पुस्तकालय के पूर्व अध्यक्ष रघुवीर सिंह ने कंपनी के अध्यक्ष चालमेदा राजेश्वर राव के साथ किया। शाखा का उद्घाटन डीलर ठाकुर शिव कुमार सिंह के विशेष निमंत्रण पर आयोजित कार्यक्रम में हुआ।इस अवसर पर रघुवीर सिंह ने कहा कि छोटे संगठन के रूप में शुरू हुई करीमनगर डेयरी आज तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की प्रमुख डेयरी संस्थाओं में शामिल हो गई है। अध्यक्ष चालमेदा राजेश्वर राव के नेतृत्व में संस्था ने आधुनिक तकनीक और बड़ी डेयरी परियोजनाओं के माध्यम से तेजी से विस्तार किया है।

# गृह प्रवेश कर रहें हैं तो करें ये उपाय, जानें किस यंत्र से होगी कौन सी बाधा दूर

घर में प्रवेश करने से पहले बडे-बुजुर्ग, पूजनीय, पित्रों (इष्ट) का आशीर्वाद लें तथा भोजन कराना चाहिए। ऐसा करने से सबके मन में सकारात्मक प्रभाव आता है और उनकी सकारात्मक शक्ति आपको जीवन में आगे बढने का हौसला देती है।

**मकान, वस्तु शास्त्र** की विधि द्वारा बनवाना जितना जरूरी है, उतना ही ज्योतिष विद्या के अनुसार गृह प्रवेश भी जरूरी है। विभिन्न ज्योतिष ग्रंथों में नक्षत्रों को ध्यान में रखकर गृहप्रवेश विधि का वर्णन किया गया है। सभी ज्योतिष शास्त्रों में गृह प्रवेश को विधि विधान द्वारा ही शुभ माना जाता है। ऐसा न करने पर कोई अनहोनी या समस्या जातक को परेशान कर सकती है।

नए मकान में प्रवेश करने से पहले रंगाई- पुताई करवाकर पानी के सभी नल, बिजली के कनेक्शन आदि की अच्छी तरह से जांच कर लेनी चाहिए। शुभ मुहूर्त में, मकान का फर्श- सुथरा करके यज्ञ, हवन, पूजन, दीप, धूप आदि द्वारा विधि- विधान से गृह प्रवेश पूजन सम्पन्न करना चाहिए। घर में प्रवेश करने से पहले बडे- बुजुर्ग, पूजनीय, पित्रों (इष्ट) का आशीर्वाद लें तथा भोजन कराना चाहिए। ऐसा करने से सबके मन में सकारात्मक प्रभाव आता है और उनकी सकारात्मक शक्ति आपको जीवन में आगे बढने का हौसला देती है। रोजाना घर में फिटकरी के पानी से पोछा लगाना भी बेहद लाभकारी माना जाता है। घर में वास्तु दोष निवारक यंत्र अवश्य रखें इससे अगर घर की बनावट में किसी तरह की परेशानी होगी तो दूर होगी।

हिंदू धर्म संस्कृति में प्राचीन युग से ही वास्तु देवता की प्रसन्नता के लिए उनकी पूजा का विशिष्ट स्थान रहा है। चाहे नगर निर्माण हो या भवन निर्माण अथवा कर्मकांड के लघु एवं बृहत यज्ञानुष्ठान आदि हों, इन सभी कार्यों में सफलता में आने वाली बाधाओं के शमन के लिए वास्तुपुरुष की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। ऐसी स्थिति में संपूर्ण वास्तुयंत्र को अपने घर में स्थापित करने से वास्तु देवता प्रसन्न होते हैं जिससे घर की सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

**श्री गायत्री यंत्र:** गायत्री यंत्र के पूजन, दर्शन से घर में सात्विक वातावरण बनता है जिससे घर के सभी सदस्यों में पवित्र भावना का विकास होता है। महामृत्युंजय यंत्र: इस यंत्र के दर्शन, पूजन से घर में दु:ख, बीमारियों से रक्षा होती है, व्यक्ति उन्नति की ओर अग्रसर होता है।

**श्री काली यंत्र:** महाकाली यंत्र के दर्शन, पूजन से अकाल मृत्यु से रक्षा होती है। आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। श्री वास्तु महायंत्र: इस यंत्र के दर्शन, पूजन से घर में वास्तुदोष का निवारण होता है। घर की सुरक्षा बनी रहती है।

**श्री केतु यंत्र:** केतु यंत्र के दर्शन, पूजन से अचानक होने वाली अशुभ घटनाओं का पूर्वाभास होता है। व्यक्ति सावधानीपूर्वक विकट स्थितियों का सामना करने में सफल होता है।

**श्री राहु यंत्र:** इस यंत्र के दर्शन, पूजन से कार्यों में आने वाली अडचनें दूर होती हैं। सामान्य संघर्ष के बाद व्यक्ति सफलता प्राप्त करता है।

**श्री शनि यंत्र:** शनि यंत्र के पूजन, दर्शन से हीन भावनाओं का नाश होता है। व्यक्ति स्थिरतापूर्वक कार्यक्षेत्र में सफ्ल होता है।

**श्री मंगल यंत्र:** मंगल यंत्र के पूजन, दर्शन से धैर्य एवं साहस में वृद्धि होती है जिससे व्यक्ति निडर होकर कार्य करता है।

**श्री कुबेर यंत्र:** कुबेर यंत्र के पूजन, दर्शन से आय के स्त्रोतों में वृद्धि होती है। धन का सदुपयोग होता है।

# इसीलिए इसका नाम स्कंद पुराण पडा

स्कंदपुराण का मूल रचनाकाल सातवीं शताब्दी माना जाता है, पर इसमें समय-समय पर सामग्री जुडती गई है। इसके वृहदाकार का यही कारण है। शिव-पुत्र कार्तकेय का नाम ही स्कन्द है।

**पुराणों** के क्रम में स्कंद पुराण का तेरहवां स्थान है। आकार की दृष्टि से सबसे बडा पुराण है। इसमें स्कंद (कार्तकेय) द्वारा शिवतत्व का वर्णन किया गया है। इसीलिए इसका नाम स्कंद पुराण पडा। इसमें तीर्थों के उपाख्यानों और उनकी पूजा-पद्धति का भी वर्णन है। 'वैष्णव खंड' में जगन्नाथपुरी की और 'काशीखंड' में काशी के समस्त देवताओं, शिवलिंगों का आविर्भाव और महात्म्य बताया गया है। 'आवन्यखंड' में उज्जैन के महाकलेश्वर का वर्णन है।

हिंदुओं के घर-घर में प्रसिद्ध 'सत्यनारायण व्रत' की कथा 'रेवाखंड' में मिलती है। तीर्थों के वर्णन के माध्यम से यह पुराण पूरे देश का भौगोलिक वर्णन प्रस्तुत करता है। स्कंदपुराण का मूल रचनाकाल सातवीं शताब्दी माना जाता है, पर इसमें समय-समय पर सामग्री जुडती गई है। इसके वृहदाकार का यही कारण है। शिव-पुत्र कार्तकेय का नाम ही स्कन्द है। स्कन्द का अर्थ होता है- क्षरण अर्थात् विनाश। भगवान शिव संहार के देवता हैं। उनका पुत्र कार्तिकेय संहारक शस्त्र अथवा शक्ति के रूप में जाना जाता है। यह छह संहिताओं-सनत्कुमार संहिता, सूत संहिता, शंकर संहिता, वैष्णव संहिता, ब्रहम संहिता तथा सौर संहिता में विभाजित है।

'स्कन्द पुराण' में इक्यासी हजार श्लोक हैं। इस पुराण का प्रमुख विषय भारत के शैव और वैष्णव तीर्थों के माहात्म्य का वर्णन करना है। उन्हीं तीर्थों का वर्णन करते समय प्रसंगवश पौराणिक कथाएं भी दी गई हैं। बीच-बीच में अध्यात्म विषयक प्रकरण भी आ गए हैं। तुलसीदास के 'रामचरित मानस' में इस पुराण का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है।

'स्कन्द पुराण' कहता है कि ममता-मोह त्याग कर निर्मल चित्त से मनुष्य को भगवान के चरणों में मन लगाना चाहिए। तभी वह कर्म के बन्धनों से मुक्त हो सकता है। मन के शान्त हो जाने पर ही व्यक्ति योगी हो पाता है। जो व्यक्ति राग-द्वेष छोडकर क्रोध और लोभ से दूर रहता है, सभी पर समान दृष्टि रखता है तथा शौच-सदाचार से युक्त रहता है; वही सच्चा योगी है।

'स्कन्द पुराण' में जितने तीर्थों का उल्लेख है, उतने तीर्थ आज देखने में नहीं आते। उनमें से अधिकांश तीर्थों का तो नामोनिशान तक मिट गया है और कुछ तीर्थ खण्डहरों में परिवर्तित हो चुके हैं। इस कारण समस्त तीर्थों का सही-सही पता लगाना अत्यन्त कठिन है। किन्तु जिन तीर्थों का माहात्म्य प्राचीन काल से चला आ रहा है, उनका अस्तित्व आज भी देखा जा सकता है।

# यह पूजा और मंत्र आपके ज्ञान, बुद्धि और भाग्य को बेहतर बनाएंगे

**हिन्दू धर्म** शास्त्रों के मुताबिक गुरु बृहस्पति ज्ञान, बुद्धि और भाग्य को नियत करने वाले देवता माने गए हैं। साथ ही सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए भी गुरु पूजा श्रेष्ठ उपाय है। इन इच्छाओं को जल्द पूरा करने के लिये गुरुवार के दिन देव गुरु बृहस्पति की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। गुरुवार के दिन इस बेहद आसान गुरु बृहस्पति मंत्र से पूजा बुद्धि, ज्ञान और वैवाहिक बाधाओं को दूर कर किस्मत चमकाने वाली मानी गई है। इसलिए जानिए, गुरु पूजा की सरल विधि व मंत्र -

बृं बृहस्पतये नम:।

देवगुरु बृहस्पति के तंत्रोक्त मंत्र ना सिर्फ धन और वैभव की दृष्टि से चमत्कारी है बल्कि तुरंत असर करने वाले हैं। जरूरत है इन्हें एक साथ निरंतर जपने की। इन चमत्कारी पांचों मंत्रों की जप संख्या 19 हजार है। आप किसी भी एक गुरु मंत्र का गुरुवार के दिन जप कर सकते हैं।

गुरुवार के दिन नवग्रह या बृहस्पति मंदिर में गुरु बृहस्पति की प्रतिमा को पंचामृत स्नान या केसर मिले दूध से स्नान के बाद पूजा गंध, अक्षत, पीले फूल चढाएं, पीले पकवानों का भोग लगाएं। बाद पीले आसन पर बैठ नीचे लिख बेहद आसान बृहस्पति मंत्र का यथाशक्ति या कम से कम 108 बार सौभाग्य कामना से जप करें व आरती करें-

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।
ॐ ऐं श्रीं बृहस्पतये नम:।
ॐ गुं गुरवे नम:।
ॐ बृं बृहस्पतये नम:।
ॐ क्लीं बृहस्पतये नम:।

सूर्य के बाद सबसे विशाल ग्रह भी बृहस्पति ही है। देवपूज्य बृहस्पति या गुरु दार्शनिक, आध्यात्मिक ज्ञान को निर्देशित करने वाला उत्तम ग्रह माना गया है। देवगुरु बृहस्पति के तंत्रोक्त मंत्र ना सिर्फ धन और वैभव की दृष्टि से चमत्कारी है बल्कि तुरंत असर करने वाले हैं। जरूरत है इन्हें एक साथ निरंतर जपने की।

# जब पार्वती ने दिया शिवजी को श्राप

भगवान शंकर ने माता पार्वती को अपने साथ द्युत क्रीडा खेलने का प्रस्ताव दिया। इस खेल में भगवान शिव सब कुछ पार्वतीजी के हाथों हार जाते हैं। द्युत क्रीडा में सब कुछ हारने के बाद भगवान शिव पत्तों के वस्त्र पहनकर गंगा के तट पर चले जाते हैं।

**द्युत क्रीडा** (जुआ) ने केवल मनुष्यों को ही बर्बाद नहीं किया है बल्कि इसके चपेट से भगवान भी नहीं बच सके। महाभारत काल में पांडवों को तथा पार्वती के साथ भगवान शिवजी को भी इस खेल में सब कुछ गवाना पडा था। शायद इन्हीं देवताओं की गलती से सबक लेकर बडे-बुजर्गों ने हम सबको जुआ को खेल नहीं एक बुराई के रूप में बताया है। जुआ के कारण उस काल से लेकर इस काल तक कई परिवार बर्बाद हुए हैं। इसे कभी भी एक खेल के रूप में नहीं देखा गया क्योंकि इसके पीछे बिना मेहनत के लाभ कमाना और षडयंत्र जैसे कृत शामिल होता है। जुआ के कारण भगवान शंकर को सबकुछ हारना पडा था।

कहा जाता है कि एक बार भगवान शंकर ने माता पार्वती को अपने साथ द्युत क्रीडा खेलने का प्रस्ताव दिया। इस खेल में भगवान शिव सब कुछ पार्वतीजी के हाथों हार जाते हैं। द्युत क्रीडा में सब कुछ हारने के बाद भगवान शिव पत्तों के वस्त्र पहनकर गंगा के तट पर चले जाते हैं।

यह देख पार्वती बहुत चिंतित हो गई । माता पार्वती ने गणोश जी को पूरी बात बतायी। माता की व्यथा सुनकर गणेश जी स्वयं जुआ खेलने शंकर भगवान के पास पहुंचते हैं। गणेश जी की लीला देखिए वह शिवजी से द्युत क्रीडा जीत जाते हैं। यह समाचार माता को सुनाते हैं लेकिन माता पार्वती खुश नहीं होती है। वह उन्हें अपने साथ शिवजी को लाने के लिए भी कहती हैं। गणेशजी भोलेबाबा की तलाश में चले जाते हैं।

उधर पार्वती से नाराज भोलेबाबा लौटने से इंकार कर देते है। भोलेनाथ की मदद के लिए उनके परम भक्त रावण ने बिल्ली का रूप धारण कर गणेश जी के वाहन मूषक भगा देते हैं। अब भगवान विष्णु ने भोलेनाथ की इच्छा से पासा का रूप धारण कर लिया। शंकरजी ने गणेशजी से कहा कि यदि पार्वती फिर से मेरे साथ जुआ खेलने के लिए राजी होती है तो मैं चलने के लिए तैयार हूँ।

शिवजी के प्रस्ताव पर पार्वती हस पडी और कहा कि अब जुआ खेलने के लिए आपके पास है क्या यह सुनकर नारद जी ने अपनी वीणा आदि सामग्री शिवजी को दे दिया। चूकी पासा के रूप में भगवान विष्णु थे इसलिए हर बाजी शिवजी जीतने लगे। परन्तु इस खेल की चाल गणेश जी समझ गए और माता पार्वती को बता दिया। यह सुनकर पार्वती जी को गुस्सा आ गया। यह देख रावण ने माता पार्वती को समझाने का प्रयत्न किया पर उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ।

क्रोध में माता ने भोलेनाथ को श्राप दिया कि गंगा की धारा का बोझ उनके माथे पर हमेशा बना रहेगा। पार्वती जी ने नारद को भी श्राप दिया कि वे कभी एक स्थान पर नहीं टिक सकेंगे। उन्होंने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि रावण तुम्हारा शत्रु होगा और रावण का विनाश विष्णु के हाथों होगा तथा कार्तिकेय को माता पार्वती ने कहा कि वह हमेशा बालक के रूप में ही रहेंगे।

# हिंदू धर्म में महिलाएं क्यूं नहीं फोडती नारियल

यदि भगवान को नारियल चढाया जाए तो, धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं। आपने अक्सर मंदिरों में देखा होगा कि नारियल को या पंडित जी या फिर कोई पुरुष ही फोडता है।

**पूजा** के कार्य में नारियल का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। किसी भी देवी देवता की पूजा नारियल के बिना अधूरी मानी जाती है। यदि भगवान को नारियल चढाया जाए तो, धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

आपने अक्सर मंदिरों में देखा होगा कि नारियल को या तो पंडित जी या फिर कोई पुरुष ही फोडता है। महिलाओं को नारियल फोडने का अधिकार हिंदू धर्म में नहीं दिया गया है। क्या आपके मन में कभी ऐसा प्रशन्न उठा है कि जब हम महिलाओं को लक्ष्मी का दर्जा देते हैं, तो उनका नारियल फोडने से अधिकार क्यूं छीन लेते हैं। इसके पीछे भी राज है, आइये जानते हैं इसके बारे मे नारियल के पीछे भी एक कथा छुपी हुई है। वह यह है कि ब्रम्हा ॠषि विश्वामित्र ने विश्व का निर्माण करने से पहले नारियल का निर्माण किया था। यह मानव का प्रतिरूप माना गया था। नारियल को बीज रूप माना गया है, जो प्रजनन क्षमता से जुडा है।

स्त्रियों बीज रूप से ही शिशु को जन्म देती है और इसलिए नारी के लिए बीज रूपी नारियल को फोडना अशुभ माना गया है। देवी-देवताओं को श्रीफल चढाने के बाद पुरुष ही इसे फोडते हैं। हांलाकि इसके बारे में ना तो कहीं लिखा गया है और ना ही देवी-देवताओं ने इससे जुडे निर्देश कभी दिये हैं। यह सब सामाजिक मान्यताओं और विश्वास के चलते बरसों से हमारे रीति-रिवाज का हिस्सा बना हुआ है।

# महाराजा अग्रसेन के जीवन पर बनेगी ऐतिहासिक फिल्म, मुख्य भूमिका में होंगे मुकेश खन्ना

***भीष्म पितामह और शक्तिमान के बाद अब महाराजा अग्रसेन के रूप में नजर आएंगे प्रसिद्ध अभिनेता***

***श्याम फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनेगी फिल्म, सन्नी अग्रवाल करेंगे निर्देशन***

विश्वभर के अग्रवाल समाज के लिए गौरव और हर्ष का विषय है कि भगवान महाराजा अग्रसेन के जीवन, उनके आदर्शों, सामाजिक समरसता और लोककल्याण की भावना पर आधारित एक भव्य एवं ऐतिहासिक फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। इस फिल्म में महाभारत धारावाहिक में भीष्म पितामह की अमर भूमिका निभाने वाले तथा शक्तिमान के रूप में घर-घर में लोकप्रिय प्रसिद्ध अभिनेता मुकेश खन्ना महाराजा अग्रसेन की मुख्य भूमिका निभाएंगे।

फिल्म के निर्देशक सन्नी अग्रवाल ने बताया कि फिल्म निर्माण की औपचारिक शुरुआत के अवसर पर मुकेश खन्ना के कार्यालय में उनसे भेंट कर उन्हें फिल्म के लिए अनुबंधित किया गया तथा हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके साथ ही फिल्म का विधिवत शुभ मुहूर्त भी संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुकेश खन्ना ने कहा कि, मैं मुकेश खन्ना हूं। वैसे तो आप लोग मुझे कई नामों से जानते और बुलाते हैं। कोई मुझे शक्तिमान कहता है तो कोई भीष्म पितामह के नाम से पहचानता है। मेरे अभिनय जीवन में दो बड़ी और अलग-अलग छवियां बनी हैं। मैं स्वयं को बहुत भाग्यशाली अभिनेता मानता हूं कि मुझे एक नहीं, बल्कि दो ऐसी यादगार पहचान मिली हैं।

उन्होंने कहा कि इसी कारण अब मेरी वह महत्वाकांक्षा समाप्त हो गई है कि मैं हर तरह की भूमिका निभाऊं और लगातार अलग-अलग किरदार करता रहूं। मैं नहीं चाहता कि मेरी कोई ऐसी तीसरी छवि बन जाए, जो मेरी स्थापित पहचान के अनुरूप न हो। शायद यही कारण है कि पिछले काफी समय से आपने मुझे फिल्मों में बहुत कम देखा है।

मुकेश खन्ना ने कहा कि अब मेरे सामने एक ऐसा अवसर आया है, जिसे मैं ठुकरा नहीं सका। मुझे भगवान महाराजा अग्रसेन की भूमिका निभाने का प्रस्ताव मिला है। अग्रवाल समाज, मारवाड़ी समाज और कर्मठ समाज के प्रति मेरा सदैव सम्मान रहा है। जब यह प्रस्ताव मेरे सामने आया तो मैंने इस भूमिका को गंभीरता से सोचा और समझा।

उन्होंने कहा कि भगवान महाराजा अग्रसेन एक महान और प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं। उनकी भूमिका निभाना मेरे लिए केवल अभिनय नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं जब भी कोई भूमिका करता हूं तो उसे पूरी तरह अपने भीतर से महसूस करके ही स्वीकार करता हूं। कहानी सुनने के बाद मुझे यह किरदार बहुत पसंद आया और मैंने इसे करने का निर्णय लिया।

मुकेश खन्ना ने कहा कि मुझे बताया गया है कि भगवान महाराजा अग्रसेन के जीवन पर इतने बड़े स्तर पर फिल्म पहले कभी नहीं बनाई गई। इसलिए यह फिल्म केवल मेरे लिए ही नहीं, बल्कि इसके निर्माता, निर्देशक और पूरी टीम के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि यह काम छोटा नहीं है। आप लोग मुझे फिल्मों में बहुत कम देखते हैं, क्योंकि मैं वही भूमिका स्वीकार करता हूं, जो मुझे भीतर से प्रभावित करे और जिसे निभाने में मुझे वास्तविक आनंद आए। भगवान महाराजा अग्रसेन की भूमिका भी मेरे लिए ऐसी ही एक विशेष और महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुकेश खन्ना ने कहा कि यह फिल्म मेरे लिए भी एक नई चुनौती है और मुझे लगता है कि मैं अपनी एक और बड़ी पहचान को अपने कंधों पर उठाने जा रहा हूं। एक ओर भीष्म पितामह, दूसरी ओर शक्तिमान और अब शायद भगवान महाराजा अग्रसेन की भूमिका।

उन्होंने कहा कि मैं पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ इस किरदार को निभाने का प्रयास करूंगा। इसके लिए मुझे आप सभी की शुभकामनाओं और बड़ों के आशीर्वाद की आवश्यकता है।

अपने चिर-परिचित अंदाज में उन्होंने कहा कि मेरी उम्र भले ही मजाक-मजाक में 170 साल बताई जाती हो, लेकिन आशीर्वाद की जरूरत हर उम्र में रहती है।

**श्याम फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनेगी फिल्म**

यह फिल्म श्याम फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई जा रही है। फिल्म के निर्देशक सन्नी अग्रवाल हैं। डॉ. श्याम अग्रवाल और पुरुषोत्तम अग्रवाल फिल्म के निर्माता हैं, जबकि सुमन अग्रवाल सह-निर्माता हैं।

सन्नी अग्रवाल ने इससे पूर्व कई धार्मिक फिल्में बनाई हैं। इनमें से महासर माता की कथा पर आधारित फिल्म 6 सितंबर को हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली सहित विभिन्न शहरों में हाउसफुल बुकिंग के साथ प्रदर्शित की जा रही है।

निर्देशक सन्नी अग्रवाल ने बताया कि अब इस फिल्म के माध्यम से महाराजा अग्रसेन के जीवन संघर्ष, उनके सिद्धांतों और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को बड़े पर्दे पर प्रभावी एवं प्रेरणादायी ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य महाराजा अग्रसेन के जीवन और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी सहित आमजन तक पहुंचाना है। महाराजा अग्रसेन द्वारा दिए गए सामाजिक समानता, सहयोग, परोपकार और लोककल्याण के संदेश को फिल्म के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। इससे युवाओं को भी महाराजा अग्रसेन के जीवन एवं विचारों से प्रेरणा मिलेगी।

अग्रवाल समाज की विभिन्न संस्थाओं ने फिल्म निर्माण की इस पहल को समाज के गौरव से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसे सफल बनाने में हरसंभव सहयोग देने का आह्वान किया है। समाजबंधुओं ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के जीवन, संघर्ष और आदर्शों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करना पूरे अग्रवाल समाज के लिए गर्व और गौरव की बात है।

फिल्म के निर्माण की शुरुआत के साथ ही अग्रवाल समाज में उत्साह का माहौल है। समाज के लोगों को इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के बड़े पर्दे पर आने का बेसब्री से इंतजार रहेगा। यह फिल्म महाराजा अग्रसेन के महान व्यक्तित्व, उनके सिद्धांतों और मानवता, समानता तथा लोककल्याण के संदेश को देश और विश्वभर के दर्शकों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने की उम्मीद है।

---

एशिया के सबसे बड़े बी2बी वेडिंग समिट 'डब्ल्यूवी कनेक्ट 2026' का आगाज

# 'वेडिंग्स एंड फिल्मस' थीम पर सिनेमा और शादियों का अनूठा संगम

एशिया के सबसे बड़े बी2बी वेडिंग समिट डब्ल्यूवी कनेक्ट 2026 का चौथा संस्करण बुधवार को हैदराबाद के अर्थ रिसॉर्ट्स, मोईनाबाद में शुरू हो गया। इस बार की थीम 'वेडिंग्स एंड फिल्म्स' है, जिसमें शादी और फिल्म उद्योगों के बीच बढ़ते संबंधों पर फोकस किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस समिट में 20 से अधिक शहरों के 800 से ज्यादा प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। यह गुरुवार शाम को समाप्त होगा।

**सबा जोसेफ ने हैदराबाद को सिनेमा की नई राजधानी बताया**

उद्घाटन समारोह में विजक्राफ्ट ग्रुप के सह-संस्थापक सबा जोसेफ ने कहा, हैदराबाद सिनेमा की नई राजधानी बन चुका है। भारत का आखिरी ऑस्कर यहीं से आया। आज हॉलीवुड भी तेलुगु सिनेमा की ओर देख रहा है। उन्होंने शादियों और सिनेमा के गहरे रिश्ते पर जोर देते हुए कहा कि फिल्म सेट्स ने शादी के मंडपों को प्रेरित किया है और शाहरुख खान का परफॉर्मेंस अब शादियों की एक अलग कैटेगरी बन चुका है।

**सबू साइरिल ने युवाओं को दिया प्रेरणा का संदेश**

चार बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता प्रोडक्शन डिजाइनर सबू साइरिल ने बाहुबली और आरआरआर जैसी फिल्मों के अनुभव साझा करते हुए कहा कि चुनौतियों को अवसर में बदलना चाहिए। उन्होंने युवा क्रिएटिव प्रोफेशनल्स को सलाह दी, कठिन चीजें कभी नहीं टिकतीं, लेकिन मजबूत लोग टिकते हैं। समस्याओं को समाधान में बदलो।

**दोनों उद्योगों का विशाल आर्थिक अवसर**

आयोजकों के अनुसार भारत का वेडिंग इंडस्ट्री करीब 3.86 लाख करोड़ रुपये का है, जबकि फिल्म और ओटीटी उद्योग लगभग 1.97 लाख करोड़ रुपये का। डब्ल्यूवी कनेक्ट इन दोनों क्रिएटिव इकोसिस्टम को एक प्लेटफॉर्म पर लाकर नए बिजनेस अवसर पैदा करने का प्रयास कर रहा है। समिट में सम्मेलन सत्र, मास्टरक्लास, बी2बी मीटिंग्स और डब्ल्यूवी अवॉर्ड्स 2026 गाला नाइट का आयोजन भी होगा। सांस्कृतिक संध्या में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के पुजारियों द्वारा श्रीनिवास कल्याणम का आयोजन विशेष आकर्षण है।

---

# बच्चे की शैतानियां करें हदें पार तो ऐसे करें डील

बच्चे शैतान नहीं होते हैं, दरअसल बचपन में उनका दिमाग व्यवस्थित नहीं होता है और वो अपने आस पास के तौर तरीकों से वाकिफ नहीं होते। परिणामस्वरुप वो ऐसी हरकते करते हैं जो उन्हें समझ नहीं आती और वो आपको गुस्सा दिला जाती हैं। बच्चों की शैतानी की हद से पार होने लगे तो ट्राय कीजिए ये टिप्स..

1) शैतानियों पर गुस्सा करते हुए भी गुस्से पर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। ये जरूरी है क्योंकि आपकी एक उंची आवाज और आपकी डांट उन्हें अंदर से डरा कर रख देती है। इसके बदले बेहतर ये होगा कि आप एक गहरी सांस लें और कूल माइंड से इससे डील करने की कोशिश करें।

2) अक्सर पैरेंट्स उन्हें बिना कुछ सोचे समझे थप्पड़ लगा देते हैं जो तार्किक नहीं है। ऐसा करने से आप उस समय तो बच्चे को धमका कर अपने कंट्रोल में कर सकते हैं लेकिन इसका लॉन्गटर्म प्रभाव उल्टा पड़ता है, और आगे के लिए अच्छा नहीं होता।

3) बच्चे स्पॉन्ज की तरह कोमल होते हैं। वे सभी कुछ अपने अंदर एब्जॉर्ब कर लेते हैं और वैसे ही बिहेवियर उनके व्यवहार में भी रिफ्लैक्ट होने लगता है। वे आपका गुस्सा, आपका स्ट्रेस और टेम्पर सभी को एब्जॉर्ब करके वैसा ही रिएक्ट करना शुरु कर देते हैं। इसलिए उनके सामने सोच समझ कर अपनी फीलींग्स को जाहिर करें।

बच्चों को उनके सवाल पूछने के आदत से कभी रोकें नहीं। उन्हें घर पर होने वाले सेविंग और खर्च का पूरा नॉलेज होना चाहिए। उन्हे उनके अपने बजट को लेकर भी सजग और जागरुक होने को कहें। दस वर्ष पूरा कर लेने पर धीरे धीरे उनसे ये बातें शेयर करनी शुरु कर देनी चाहिए।

4) बच्चों पर कभी अपनी मर्जी थोपें नहीं। अगर आप हमेशा अपनी मर्जी के मुताबिक चीजें सोचते रहेंगें तो इसका उन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

5) बहुत सारे पैरेंट्स की ये चिंता रहती है कि वे अपने बच्चों के साथ स्ट्रिक्ट रुप से पेश आते हैं तो वे उन्हें पसंद नहीं करते हैं। लेकिन इसमें चिंता करने वाली कोई बात नहीं है। आपको कभी-कभी उनके साथ अनुशासन बना कर चलना ही पड़ेगा। ऐसे ही वे सही और गलत के बीच फर्क को समझ पायेंगे। याद रखें कि आप उनके पेरेंट्स हैं, उनके दोस्त नहीं। इस बात से आहत ना हों कि वे आप पर कमेंट करते हैं कि आप कूल नहीं हो या आप नाइस नहीं हो।

---

# वाटर डिटॉक्स रेसिपी से दुरुस्त करें लिवर

## लिवर की समस्या

शरीर का सबसे जरूरी हिस्सा है - लिवर। यह पेट के दाईं ओर नीचे की तरफ होता है। शरीर की अधिकतर बीमारियां यही नियंत्रित करता है। इस के बीमार पड़ने पर शरीर पूरी तरह से क्षमताविहिन हो जाता है। इसलिए लिवर डैमेज होने पर इलाज कराना जरूरी होता है। नहीं तो यह गंभीर समस्या बन जाती है। इसलिए ध्रूमपान और नशा करने से दूर रहना चाहिए। लेकिन कई बार नशा ना करने के बावजूद भी लीवर खराब हो जाता है। ऐसा गलत खानपान की वजह से होता है। ऐसे में इन पेय पदार्थों में से किसी एक का सेवन करें और लीवर को साफ व हेल्दी रखें।

## नैचुरल बैली स्लीमिंग डिटॉक्स वाटर

ये आपके शरीर में चर्बी इकट्ठा होने नहीं देगा और आपके बैली को छरहरा रखने में मदद करेगा। साथ ही इससे आपका शरीर पूरे दिन डिहाइड्रेट रहेगा। इसे बनाने के लिए एक ग्लास को पानी से भरे और उसमें खीरा, नींबू, संतरा और पुदीने के पत्ते को डालकर फ्रिज में रख दें। एक घंटे बाद इस इस पानी को पिएं। खीरे में सिट्रोलाइन एमिनो एसिड होता है जो आपके लीवर में से अमोनिया को बाहर निकालता है।

## एप्पल सिनेमन डिटॉक्स वाटर

एक रोज सेब खाओ और डॉक्टर को दूर भगाओ!! ये वाक्य शत-प्रतिशत सत्य है और आपके लिवर को भी सेब पसंद है। सेब में मेलिक एसिड होता है जो लिवर में से गंदगी को साफ करने में कारगर होता है। मेलिक एसिड लिवर के फंक्शन और स्मूथ बनाने में भी मदद करता है। एप्पल सिनेमन डिटॉक्स वाटर लिवर के साथ शरीर को भी साफ और हाइड्रेट रखने में मदद करता है। एक कंटेनर में एप्पल का जूस निकाल लें और उसमें दालचीनी के टुकड़े डालें। अब इसे फ्रिज या ठंडी जगह में पंद्रह से तीस मिनट के लिए रख दें।

## ग्रेपफ्रूट वाटर

ग्रेपफ्रूट में प्रचूर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो लिवर को साफ कर उसे बूस्ट करने में मदद करता है और इसकी सबसे अच्छी बात है कि इसे बनाना भी बहुत आसान है। इसे बनाने के लिए आपको केवल एक बड़ा सा ग्रेपफ्रूट लीजिए और उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लीजिए और मिक्सी में पीस लीजिए। अब रोज सुबह आधा ग्लास ग्रेपफ्रूट जूस लें और उसमें आधा ग्लास पानी मिला दीजिए। अब इस ग्रेपफ्रूट वाटर को पी लीजिए।

## जिंजर साइएन लेमन डिटॉक्स वाटर

अदरक की गिनती सबसे हेल्दी रेसिपी में होती है। ये पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और शरीर में गैस बनने नहीं देता। आप अदरक को खा भी सकते हैं और अदरक को पानी में गर्म करके पी भी सकते हैं। खैर यहां हम जिंजर साइएन लेमन डिटॉक्स वाटर की बात कर रहे हैं जो लिवर को साफ करता है। ये बनाने के लिए एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसमें चार नींबू के रस मिलाएं। अब इसमें अदरक को कद्दूकस करके डालें। फिर दो चुटकी लाल मिर्च मिलाएं। अब 15 मिनट इसे पकने दें। फिर हल्का ठंडा होने पर इसे पी लें। इससे आपका इम्युन सिस्टम भी बूस्ट होगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

# 'अंतहीन' ही रहेगा युद्ध

**प्रधानमंत्री** मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से एक बार फिर आग्रह किया है कि 'अंतहीन युद्ध' से निकल कर 'युद्ध के अंत' की ओर बढ़ें। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने प्रधानमंत्री मोदी को पश्चिम एशिया में शांति के प्रयासों और संवाद की शुरुआत के लिए मध्यस्थ भूमिका निभाने का अनुरोध किया है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के देशों का शिखर सम्मेलन जारी रहा और युद्ध-समाप्ति की ऐसी आवाजें बुलंद होती रहीं, लेकिन उसके समानांतर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर एक बार फिर हमला करवा दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य के करीब लारक द्वीप पर हमला कर दो लॉन्चर्स को तबाह करने का दावा किया गया है। दो मौतों के अलावा नुकसान काफी हुआ है। यह द्वीप फारस और ओमान खाड़ी के बीच स्थित है और बेहद महत्वपूर्ण, संवेदनशील संकरा जलमार्ग है। दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल और गैस इसी रास्ते से सप्लाई होते रहे हैं। यहां से जहाजों पर पैनी निगरानी भी रखी जा सकती है। अमरीका इसे भी बर्बाद करने पर आमादा है।

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के देशों का शिखर सम्मेलन जारी रहा और युद्ध-समाप्ति की ऐसी आवाजें बुलंद होती रहीं, लेकिन उसके समानांतर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर एक बार फिर हमला करवा दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य के करीब लारक द्वीप पर हमला कर दो लॉन्चर्स को तबाह करने का दावा किया गया है। दो मौतों के अलावा नुकसान काफी हुआ है। यह द्वीप फारस और ओमान खाड़ी के बीच स्थित है और बेहद महत्वपूर्ण, संवेदनशील संकरा जलमार्ग है। दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल और गैस इसी रास्ते से सप्लाई होते रहे हैं। यहां से जहाजों पर पैनी निगरानी भी रखी जा सकती है। अमरीका इसे भी बर्बाद करने पर आमादा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया की पोस्ट में लिखा है कि ईरान द्वारा बिछाई जा रही बारूदी सुरंगों को उड़ाने के लिए यह हमला किया गया। ट्रंप ने यह भी लिखा है कि हम ईरान को बुरी तरह मारेंगे। ईरान एक नाकाम देश है। उसके पास करेंसी भी नहीं बची है। महंगाई दर 300 फीसदी है और ईरान अपने सैनिकों और पुलिस को वेतन तक नहीं दे पा रहा है। अमरीका आज की रात (मंगलवार) ईरान पर विध्वंसक हमला करेगा। हमले से पहले ही ईरान ने पलटवार कर जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात समेत कतर, कुवैत, बहरीन में अमरीकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर अमरीका को बता दिया है कि ईरान की ताकत अब भी मौजूद है। राष्ट्रपति ट्रंप पहले दावा कर चुके हैं कि अमरीका ने होर्मुज क्षेत्र को बारूदी सुरंगों से मुक्त करा दिया है। फिर यह हमला क्यों किया गया? हमले के बावजूद होर्मुज में अब भी 100 से अधिक बारूदी सुरंगें बताई जाती हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया की पोस्ट में लिखा है कि ईरान द्वारा बिछाई जा रही बारूदी सुरंगों को उड़ाने के लिए यह हमला किया गया। ट्रंप ने यह भी लिखा है कि हम ईरान को बुरी तरह मारेंगे। ईरान एक नाकाम देश है। उसके पास करेंसी भी नहीं बची है। महंगाई दर 300 फीसदी है और ईरान अपने सैनिकों और पुलिस को वेतन तक नहीं दे पा रहा है। अमरीका आज की रात (मंगलवार) ईरान पर विध्वंसक हमला करेगा। हमले से पहले ही ईरान ने पलटवार कर जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात समेत कतर, कुवैत, बहरीन में अमरीकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर अमरीका को बता दिया है कि ईरान की ताकत अब भी मौजूद है। राष्ट्रपति ट्रंप पहले दावा कर चुके हैं कि अमरीका ने होर्मुज क्षेत्र को बारूदी सुरंगों से मुक्त करा दिया है। फिर यह हमला क्यों किया गया? हमले के बावजूद होर्मुज में अब भी 100 से अधिक बारूदी सुरंगें बताई जाती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब एक माह की खामोशी और हमलों को रोकने के बाद तब हमले के आदेश दिए हैं, जब अमरीका के कई सैन्य कमांडरों ने युद्ध को बढ़ाने पर 'असहमति' जताई है। 'व्हाइट हाउस' के आधा दर्जन बड़े अधिकारियों ने इस्तीफे दे दिए हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट, अमरीकी सेना के सचिव डैन ड्रीस्कॉल समेत उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, निदेशक, वकील आदि अधिकारियों ने राष्ट्रपति का साथ छोड़ दिया है। 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी कह चुके हैं कि मौजूदा परिस्थितियों में ईरान को हराना असंभव-सा है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप, युद्ध के छह महीने बाद भी, युद्ध को 'अंतहीन' बनाने पर आमादा हैं। युद्ध में अमरीका के अब तक 3,57,677 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। एक अहंकार, वहशीपन, तानाशाह प्रवृत्ति ने करदाताओं का इतना पैसा 'फूंक' दिया है। अमरीका के 18-19 लड़ाकू विमान तबाह हो चुके हैं। उसके 18 सैनिक मारे जा चुके हैं और 750 से अधिक घायल हुए हैं। ये आंकड़े पेंटागन के हैं और शीर्ष मीडिया एजेंसियां और अखबार छाप चुके हैं। ट्रंप की लोकप्रियता 'निम्नतम' स्तर पर है और जनता में भी रोष, विद्रोह हैं। ईरान युद्ध में अभी तक कुल 3600 के करीब मौतें हो चुकी हैं, जबकि इजरायल में करीब 60 और लेबनान में 3527 मौतें हुई हैं। युद्ध के दौरान होर्मुज में 70 से अधिक जहाजों पर हमले किए गए, जिनमें 19 नाविक मारे गए। इनमें भारतीय भी शामिल हैं। बताया जाता है कि अब भी 400 जहाज और करीब 6000 नाविक होर्मुज और आसपास के समंदर में फंसे हैं। ईरान में खाद्य महंगाई दर करीब 128 फीसदी है, जो लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ता वस्तुएं 88 फीसदी महंगी हो चुकी हैं। बेशक ईरान के हालात बहुत खराब हैं, लेकिन अमरीका उसे घुटनों पर आने को विवश नहीं कर पाया है। युद्ध सिर्फ यही नहीं है। रूस-यूक्रेन के बीच साढ़े चार साल से युद्ध जारी है। यह रूस बनाम पश्चिम की तमाम ताकतों के बीच है। बर्बादी, तबाही, मिट्टी-मलबा होने का कोई हिसाब नहीं।

कुछ अलग

## बड़े साहब जी के चरणार्थ

**जैसे** कि आपको पता ही है कि हम चार चपरासी पिछले बीस सालों से आपके दफ्तर के दरवाजे पर बैठ आपके लिए काम करवाने आने वालों से आपके कहेनुसार रेट वसूलते रहे हैं। हमसे रेट वसूलवाते पता नहीं आप जैसे कितने बड़े साहब आए और आकर चले गए। पर हम वहीं के वहीं रहे साहब जी! हे सबसे बड़े साहब जी! हमारे द्वारा वसूला रेट ऊपर तक जाता है, जैसा कि हमें बताया गया है। इसमें हमें कोई आपत्ति भी नहीं कि हमारे द्वारा जनता से वसूला रेट कहां जाता है? जहां जाता हो, वहां जाता रहे। अपना काम तो बस, काम करवाने आयों से आपके द्वारा तय रेट वसूलने के बाद ही उसे दफ्तर में प्रवेश करने की इजाजत देना है। और इस काम को पिछले बीस सालों से हम पूरी कत्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से निभाते भी आ रहे हैं। हमने बिन रेट लिए आपके दफ्तर में आज तक किसी को घुसने नहीं दिया। चाहे वह यमराज ही क्यों न हो। लेकिन हमारी इस ईमानदारी और कत्तव्यनिष्ठा के बाद भी हम वहीं के वहीं बैठें हैं।

### हिमालय में खतरे का स्वरूप बदल रहा है और हमारी तैयारी अभी भी पुराने ढर्रे पर चल रही

# नेपाल की बाढ़ से भारत को लेना होगा सबक

**नेपाल** चीन सीमा पर 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने हिमालय को लेकर हमारी सोच पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतकों की संख्या 900 के पार पहुंच चुकी है और 4200 से अधिक लोग अब भी लापता हैं लेकिन यह त्रासदी केवल मौतों और तबाही का आंकड़ा नहीं है। इसका सबसे बड़ा संदेश यह है कि हिमालय में खतरे का स्वरूप बदल रहा है और हमारी तैयारी अभी भी पुराने ढर्रे पर चल रही है। सवाल यह नहीं है कि अगली आपदा कब आएगी, सवाल यह है कि क्या हम अगली आपदा से पहले कुछ सीख पाएंगे? हम आमतौर पर बाढ़ को भारी बारिश से जोड़कर देखते हैं। बारिश हुई, नदी का जलस्तर बढ़ा और बाढ़ आ गई लेकिन इस बार कहानी कुछ अलग थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रारम्भिक आकलन के अनुसार शुरुआत में ग्लेशियर का बर्फ और चट्टानों का मलबा तेज ढलान पर तेजी से नीचे आया और रास्ते में पानी तथा दूसरी सामग्री को अपने साथ मिलाता हुआ आगे बढ़ा। आईसीआईएमओडी ने भी ऊंचाई वाले क्षेत्र में संभावित आइस-रॉक एवलॉन्च को घटना का संदिग्ध ट्रिगर माना है, यानी बाढ़ का असली खतरा उस जगह पैदा हुआ जहां नीचे नदी किनारे रहने वाले लोगों की नजर ही नहीं पहुंच सकती थी। यही हिमालयी आपदाओं की सबसे बड़ी चुनौती है। ऊंचाई पर ग्लेशियर या चट्टान टूटती है, नदी का रास्ता रुकता है, पानी जमा होता है और फिर प्राकृतिक अवरोध टूटने पर पानी, मिट्टी, पत्थर और पेड़ों का सैलाब नीचे की ओर दौड़ता है। एक घटना दूसरी घटना को जन्म देती है। इसे 'कैस्केडिंग डिजास्टर' कहा जाता है। नेपाल की इस त्रासदी ने दिखाया है कि कुछ ही समय में ऐसा खतरा कितनी बड़ी तबाही में बदल सकता है।

मृतकों की संख्या 900 के पार पहुंच चुकी है और 4200 से अधिक लोग अब भी लापता हैं लेकिन यह त्रासदी केवल मौतों और तबाही का आंकड़ा नहीं है। इसका सबसे बड़ा संदेश यह है कि हिमालय में खतरे का स्वरूप बदल रहा है और हमारी तैयारी अभी भी पुराने ढर्रे पर चल रही है। सवाल यह नहीं है कि अगली आपदा कब आएगी, सवाल यह है कि क्या हम अगली आपदा से पहले कुछ सीख पाएंगे? हम आमतौर पर बाढ़ को भारी बारिश से जोड़कर देखते हैं। बारिश हुई, नदी का जलस्तर बढ़ा और बाढ़ आ गई लेकिन इस बार कहानी कुछ अलग थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रारम्भिक आकलन के अनुसार शुरुआत में ग्लेशियर का बर्फ और चट्टानों का मलबा तेज ढलान पर तेजी से नीचे आया और रास्ते में पानी तथा दूसरी सामग्री को अपने साथ मिलाता हुआ आगे बढ़ा।

**चेतावनी है, लेकिन क्या सही खतरे की?**

नेपाल में बाढ़ और मौसम की निगरानी के लिए नदी जलस्तर केंद्र, स्वचालित मौसम स्टेशन, मौसम रडार, हिमपात निगरानी, हिमनद और हिमनद झीलों की निगरानी तथा सामुदायिक चेतावनी व्यवस्था मौजूद है। आईसीआईएमओडी की फ्लैश फ्लड प्रणाली भी हजारों नदी खंडों में संभावित खतरे का अनुमान लगाती है। फिर भी इस बार चेतावनी व्यवस्था की सीमा सामने आ गई। आईसीआईएमओडी के मुताबिक त्रिशूली नदी के एक हिस्से में जलस्तर करीब 30 मिनट में नौ मीटर तक बढ़ गया। कई निगरानी केंद्र भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसलिए अब सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अर्ली वार्निंग सिस्टम है या नहीं। सवाल यह है कि क्या वह उस खतरे को पहचान सकता है जो नदी में पानी बढ़ने से पहले पहाड़ के भीतर पैदा हो चुका है? हमें नदी की निगरानी से आगे बढ़कर पूरे पर्वतीय तंत्र की निगरानी करनी होगी। कौन-सा ग्लेशियर बदल रहा है? कौन-सी हिमनद झील तेजी से बढ़ रही है? कहां ढलान अस्थिर है? कहां प्राकृतिक बांध बन रहा है? किन घाटियों में मलबे के साथ अचानक बाढ़ आने का खतरा है? इन सवालों के जवाब खोजने होंगे।

**जरूरी है सही जगह निर्माण**

लेकिन केवल तकनीक इस समस्या का समाधान नहीं है। चेतावनी मिल भी जाए तो सवाल रहेगा कि लोगों को ले जाएंगे कहां? किसी गांव के मोबाइल पर चेतावनी संदेश पहुंचना तभी उपयोगी है, जब वहां रहने वाले व्यक्ति को पहले से मालूम हो कि सुरक्षित स्थान कहां है, किस रास्ते से जाना है और कितनी देर में वहां पहुंचना है। हिमालय के पुराने समाजों ने अपने अनुभव से यह बात समझी थी। लोग अक्सर नदी के बिल्कुल किनारे नहीं, अपेक्षाकृत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर घर बनाते थे। आधुनिक विकास के दौर में हमने इस स्थानीय समझ को काफी हद तक भुला दिया है। आज नदी किनारे होटल, मकान और होमस्टे बन रहे हैं। पहाड़ काटकर सड़कें बनाई जा रही हैं। सुरंगें खोदी जा रही हैं और जलविद्युत परियोजनाएं स्थापित हो रही हैं। विकास जरूरी है लेकिन हर जगह निर्माण करना विकास नहीं हो सकता। हमें यह तय करना होगा कि कौन-सी जमीन रहने योग्य है और कौन-सी नहीं। नदी के डूब क्षेत्र से बाहर बस्तियां बसाना और जोखिम वाले इलाकों में निर्माण सीमित करना जरूरी है।

**एक परियोजना नहीं, पूरे पहाड़ का हिसाब**

हिमालय को टुकड़ों में देखने की हमारी आदत भी खतरे को बढ़ा रही है। एक सड़क को अलग परियोजना माना जाता है, एक बांध को अलग, एक होटल को अलग और एक सुरंग को अलग लेकिन पहाड़ इन्हें अलग-अलग नहीं देखता। एक ही घाटी में सैकड़ों निर्माण हों तो उनका सामूहिक असर नदी के रास्ते, जल निकासी और ढलानों की स्थिरता पर पड़ सकता है। इसलिए अब हर बड़ी परियोजना के साथ उसके संचयी प्रभाव का आकलन जरूरी है। सवाल यह भी होना चाहिए कि यदि अत्यधिक बारिश हो, ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटे, भूस्खलन हो या मलबे का सैलाब आए तो पूरी घाटी पर क्या असर पड़ेगा? सिर्फ पिछले 50 या 100 वर्षों के मौसम के आंकड़ों से भविष्य की सुरक्षा तय करना भी पर्याप्त नहीं है। हिमालय स्थिर भूगोल नहीं है। बदलते तापमान, ग्लेशियरों में परिवर्तन और मौसम की चरम घटनाओं के बीच पुराने आंकड़े भविष्य का पूरा जोखिम नहीं बता सकते।

**सुरंग और बांध भी जोखिम से बाहर नहीं**

नेपाल की घटना के बाद भारत में हिमालयी राज्यों की सुरंगों और जलविद्युत परियोजनाओं की सुरक्षा पर भी ध्यान बढ़ना स्वाभाविक है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जहां सड़क सुरंगों और जलविद्युत परियोजनाओं का विस्तार तेजी से हुआ है। सवाल यह नहीं कि सुरंगें बनाई जाएं या नहीं। सवाल यह है कि निर्माण से पहले भूगर्भीय स्थिति को कितनी गंभीरता से समझा गया। चट्टानों की स्थिरता, पानी का रिसाव, भूमिगत दबाव और निर्माण के दौरान होने वाले बदलावों की वास्तविक समय में निगरानी हो रही है या नहीं। हिमालय में सुरंग खोदना सामान्य निर्माण कार्य नहीं है। यहां हर मीटर खुदाई के साथ पहाड़ की आंतरिक संरचना बदलती है। इसलिए आधुनिक रॉक सपोर्ट, भूगर्भीय सर्वेक्षण और रियल-टाइम निगरानी को परियोजना की अनिवार्य शर्त बनाया जाना चाहिए। स्रोत में भी इसी तरह की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी की जरूरत रेखांकित की गई है।

**पर्यटन को भी बदलनी होगी अपनी रफ्तार**

हिमालय में पर्यटन रोजगार और अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार है, लेकिन क्या हर पहाड़ी शहर अनियंत्रित पर्यटक भीड़ का दबाव झेल सकता है? किसी शहर की सड़क, पानी, सीवरेज, कचरा प्रबंधन और आपातकालीन निकासी क्षमता सीमित है तो पर्यटकों की संख्या भी उसी के अनुरूप होनी चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल परमिट और मौसम के अनुसार पर्यटकों की संख्या तय करने जैसे उपायों पर गंभीरता से विचार करना होगा। पर्यटन का मतलब केवल ज्यादा लोग और ज्यादा कमाई नहीं है। सुरक्षित पर्यटन ही टिकाऊ पर्यटन है।

**भारत के लिए सबसे बड़ी चेतावनी**

नेपाल की बाढ़ का एक और पहलू भारत के लिए रणनीतिक महत्व रखता है। हिमालय पर देशों की सीमाएं हैं, लेकिन नदियों की नहीं। तिब्बत में पैदा हुआ खतरा नेपाल तक पहुंच सकता है और वहां से भारत तथा आगे बांग्लादेश तक असर डाल सकता है।

देश दुनिया से

## जब जलवायु घर छीन रही हो, कानून को छत बनना होगा

**बाढ़** और कटाव से घर उजड़ते हैं, परिवारों का भविष्य भी बह जाता है; लेकिन कानून में उनके लिए कोई ठिकाना नहीं। भारत में जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, लाखों लोगों की वर्तमान त्रासदी है। 2024 में जलवायु संबंधी आपदाओं से 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज हुए—दक्षिण एशिया में सबसे अधिक। करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2022 में यह आंकड़ा 25 लाख था। असम, सुंदरबन, ओडिशा और बिहार के नदी-तटीय इलाकों में परिवार हर साल घर, खेत और पहचान खो रहे हैं। फिर भी अब तक (2026) ऐसा कोई कानून नहीं, जो उन्हें 'जलवायु विस्थापित' मानकर अधिकार तय करे। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 तत्काल राहत तक सीमित है; स्थायी पुनर्वास और मुआवजे का अधिकार कानून से बाहर है। नदी का पानी उतर जाए तो आदमी घर लौट सकता है, लेकिन कटाव जमीन निगल जाए तो लौटने को कुछ बचता नहीं। यही नदी-कटाव को बाढ़ से अधिक क्रूर बनाता है। ब्रह्मपुत्र 1950 के बाद से असम की 4.27 लाख हेक्टेयर जमीन निगल चुकी है। माजुली द्वीप 1970 के दशक में 1,250 वर्ग किलोमीटर था, जो अब 350-600 वर्ग किलोमीटर रह गया है। सरकारी आंकड़े 2014-24 के बीच 17,390 लोगों के विस्थापन की बात करते हैं, जबकि संसद में दिए जवाब 86 हजार से अधिक लोगों की भूमिहीनता बताते हैं। तटबंधों या सरकारी जमीन पर बसे परिवार 'अतिक्रमणकारी' कहलाते हैं। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में राज्य जमीन ले तो मुआवजा है; नदी ले जाए तो न अधिग्रहण माना जाता है, न मुआवजा। सबसे गहरी चोट तब लगती है, जब जमीन का अस्तित्व मिट गया हो और उसी का कागज मांगकर इंसान को राहत से बाहर कर दिया जाए। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन, आजीविका और आश्रय का अधिकार देता है, लेकिन अदालतें भी इस संकट का व्यापक समाधान नहीं कर पाई हैं। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कुछ मामलों में राहत दी है, पर व्यापक नीति नहीं बनी। असम की 2020 की पुनर्वास नीति 2023 में संशोधित/आंशिक रूप से वापस ली गई। पंद्रहवें वित्त आयोग ने कटाव प्रभावितों के लिए अलग फंड की सिफारिश की थी और 2024 में केंद्र ने कुछ दिशानिर्देश जारी किए, मगर जमीनी पहुंच सीमित है। दस्तावेजों की शर्त उस परिवार के सामने है, जिसकी जमीन और कागज दोनों नदी में समा चुके हैं। उजड़ना केवल गांव छोड़ना नहीं है; यह आदमी को उसकी पुरानी पहचान से भी बेदखल कर देता है। सुंदरबन में बढ़ती लवणता खेती और मछली पालन खत्म कर रही है। खेत और पानी जब रोजी छीन लेते हैं, तो परिवार शहरों की ओर जाता है। वहां झुग्गियों में नई जिंदगी शुरू होती है—मगर अधिकारों के बिना। कोई राष्ट्रीय रजिस्टर, स्पष्ट नोडल एजेंसी नहीं है। 2022 का निजी सदस्य विधेयक—क्लाइमेट माइग्रेंट्स (प्रोटेक्शन एंड रिहैबिलिटेशन) बिल—संसद में आगे नहीं बढ़ सका। इस बीच जलवायु विस्थापन अस्थायी घटना नहीं, स्थायी और संरचनात्मक संकट बनता जा रहा है। व्यवस्था फिर भी उसे 'आपदा' की छोटी अवधि में बांधकर देख रही है। दुनिया के दूसरे हिस्सों में कानून ने बदलती जलवायु की आहट सुन ली है, लेकिन भारत में उजड़े लोगों की आवाज व्यवस्था की दीवारों से टकराकर लौट आती है। बांग्लादेश और फिजी ने जलवायु विस्थापितों को कानूनी पहचान देने की दिशा में कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया-तुवालु समझौता बताता है कि जलवायु आवागमन को कानूनी ढांचे में जगह दी जा सकती है। भारत में कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्माने से समर्पित फंड बनाने के प्रस्ताव हैं, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। जब बांध या हाईवे परियोजना से विस्थापित व्यक्ति को मुआवजा और पुनर्वास मिलता है, तो प्रकृति से उजड़े परिवार को क्यों नहीं? जमीन जाने का दर्द उसके कारण से कम नहीं होता। इस कानून-विहीनता का सबसे भारी बोझ उन्हीं पर पड़ता है, जो पहले ही गरीबी ढो रहे हैं। आदिवासी, दलित और गरीब किसान जलवायु विस्थापन के सबसे असुरक्षित शिकार हैं। उनके लिए जमीन केवल संपत्ति नहीं, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पीढ़ियों की पहचान है। जमीन जाने के साथ बच्चों की पढ़ाई, रोजी और समुदाय से जुड़ाव टूटता है। उनकी आवाज संसद तक पहुंचना कठिन है। चुनावी घोषणापत्रों में जलवायु विस्थापन का उल्लेख नहीं के बराबर है और सरकारी सर्वेक्षणों में भी यह प्राथमिकता नहीं बन पाया। जब विस्थापितों को कानून कोई नाम नहीं देता, तो उनके अधिकारों की मांग भी अनसुनी रह जाती है। यह केवल प्रशासनिक कमी नहीं, संवैधानिक समानता का गंभीर प्रश्न है। अब राहत की घोषणा से आगे बढ़कर ऐसे कानून की जरूरत है, जो उजड़ने के बाद भी नागरिक को अकेला न छोड़े। समर्पित कानून जलवायु विस्थापितों को स्पष्ट पहचान दे, पंजीकरण करे, पुनर्वास को अधिकार बनाए और स्थायी फंड सुनिश्चित करे। भूमि खोने वालों को दस्तावेजी अड़चनों से राहत मिले तथा आवास, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था हो। अनुच्छेद 21 और राज्य के नीति-निर्देशक तत्व इसका संवैधानिक आधार दे सकते हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुरूप अलग कोष बनाया जा सकता है। कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्मानों से भी संसाधन जुटाए जा सकते हैं। सवाल यह नहीं कि उपाय संभव हैं या नहीं; सवाल है कि राजनीतिक इच्छा कब पैदा होगी।

आप का नज़रिया

## सियासी आपूर्ति का दरिया

**हिमाचल** प्रदेश विधानसभा में मांग और आपूर्ति का चिट्ठा खोलते प्रश्न बताते हैं कि कुछ अनावश्यक ढांचा हमने अपना लिया है। विधायक रणधीर शर्मा के प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि डिनोटिफाई 1526 स्कूलों में 734 ऐसे स्कूल हैं, जहां एक भी छात्र नहीं था। अगर इसी तरह हर विभाग की कार्यक्षमता का हवाला सामने आए तो यकीनन कई सफेद हाथी सामने आएंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में चंबा मेडिकल कालेज का जिक्र स्वयं मुख्यमंत्री ने किया है जहां फैकल्टी पूरी तरह कायम रखने के लिए आज भी जद्दोजहद करनी पड़ती है। यानी मांग और आपूर्ति के जिस हिसाब से शिक्षण व मेडिकल संस्थान खुले हैं, उनकी उपयोगिता सिद्ध करने की बुनियाद पर संदेह है। क्या चंबा में मेडिकल कालेज की स्थापना से चिकित्सकीय सेवाएं मुकम्मल होंगी या आधा चंबा जिला आज भी कांगड़ा के टीएमसी में खुद को सुविधाजनक पाता है। हमने एम्स को अहम व सत्ता के प्रभाव में तोलते हुए जो स्थान चयनित किया, क्या वह उचित निर्णय था या साबित हो रहा है। राजनीति गवाह है कि किस तरह हमारी सरकारों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय से धर्मशाला की जमीन खींच ली। यहां कार्यालयों का भवन और संस्थानों को इमारतों की तरह देखते हुए क्षेत्रीय असंतुलन की एक प्रतिस्पर्धा दशकों से जारी है। हमने शहरीकरण को इसकी मांग के आधार पर नहीं समझा, बल्कि राजनीतिक आधार पर नगर निगमों के गठन में समझा। प्रदेश की सबसे बड़ी औद्योगिक व शहरी आबादी बीबीएन में तकरीबन चार लाख है, तो क्या हम वहां की भौगोलिक, औद्योगिक, रिहायशी व नागरिक सुविधाओं की मांग को पूरा कर पाए। आश्चर्य यह कि जहां राजनीति का प्रभाव बढ़ गया, वहां शिक्षा-चिकित्सा, शहरी समाधान, बिजली व जलापूर्ति के प्रतिमान बढ़ गए। प्रदेश में परिवहन की मांग को जिस तरह निजी क्षेत्र ने समझा है, क्या उस स्तर का सोच सार्वजनिक क्षेत्र में पैदा हुआ। इतिहास गवाह है कि घाटे के बावजूद हर सरकार ने राजनीतिक बस डिपो बढ़ा दिए, जबकि मांग अलग जिरह करती रही। प्रदेश में कुछ ही सालों में निजी वोल्वो बसों का बेड़ा ढाई सौ के करीब पहुंच गया है, तो इस मांग को बाखूबी समझा गया। दूसरी ओर एचआरटीसी ने अगर 26 नई वोल्वो बसें जोड़ी भी, तो उनका तकाजा न बदला। हिमाचल में पर्यटन क्षेत्र को समझने में भी सरकारी पक्ष की कमजोरी प्रदर्शित होती है। अब फोरलेन परियोजनाओं ने जिस तरह हाईवे टूरिज्म को बूस्ट दिया है, क्या उस परिप्रेक्ष्य में योजनाएं बनी हैं। आखिर टूरिस्ट जिस मौज मस्ती से या के लिए हिमाचल आना चाहता है, क्या हमने उस तस्वीर की आपूर्ति की है। हमने मंदिरों की आय को मंदिरों या श्रद्धालुओं की मांग पर आधारित नहीं किया, बल्कि इन्हें भी अनावश्यक रोजगार का गुलाम बना दिया। सदन की बहस में मांग और आपूर्ति का हिसाब करते हर सत्र गुजर जाता है, लेकिन हमारी नीतियां, कार्यक्रम और खाके पूरे नहीं होते। आज भी विधायक अपने क्षेत्रों में पुलिस चौकी या थाने, फायर ब्रिगेड का दफ्तर, विभागीय दफ्तर, बस रूट, जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति या किसी नए स्कूल-कालेज, डिस्पेंसरी या पशु औषधालय की मांग करते हैं, तो इसकी आपूर्ति का न्यायोचित फैसला होना चाहिए। राजनीति में सत्ता पक्ष ही वजीफे का हकदार नहीं होना चाहिए। आश्चर्य है कि सरकारें बदलते ही नीतियां बदल जातीं, स्वीकृत योजनाओं-परियोजनाओं की गति थम जाती। बजट का आबंटन हास परिहास का विषय या सियासत का शिलालेख बन जाता है, जबकि भौगोलिक मांग किसी अधूरे भवन की छाती पर मूंग दलती दिखाई देती है। प्रदेश की जरूरतें सियासी कद को नहीं बढ़ातीं, बल्कि इनकी कुशल आपूर्ति के लिए सख्त, संतुलित और पारदर्शी नीतियां चाहिएं।

विधायक रणधीर शर्मा के प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि डिनोटिफाई 1526 स्कूलों में 734 ऐसे स्कूल हैं, जहां एक भी छात्र नहीं था। अगर इसी तरह हर विभाग की कार्यक्षमता का हवाला सामने आए तो यकीनन कई सफेद हाथी सामने आएंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में चंबा मेडिकल कालेज का जिक्र स्वयं मुख्यमंत्री ने किया है जहां फैकल्टी पूरी तरह कायम रखने के लिए आज भी जद्दोजहद करनी पड़ती है। यानी मांग और आपूर्ति के जिस हिसाब से शिक्षण व मेडिकल संस्थान खुले हैं, उनकी उपयोगिता सिद्ध करने की बुनियाद पर संदेह है। क्या चंबा में मेडिकल कालेज की स्थापना से चिकित्सकीय सेवाएं मुकम्मल होंगी या आधा चंबा जिला आज भी कांगड़ा के टीएमसी में खुद को सुविधाजनक पाता है। हमने एम्स को अहम व सत्ता के प्रभाव में तोलते हुए जो स्थान चयनित किया, क्या वह उचित निर्णय था या साबित हो रहा है। राजनीति गवाह है कि किस तरह हमारी सरकारों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय से धर्मशाला की जमीन खींच ली। यहां कार्यालयों का भवन और संस्थानों को इमारतों की तरह देखते हुए क्षेत्रीय असंतुलन की एक प्रतिस्पर्धा दशकों से जारी है। हमने शहरीकरण को इसकी मांग के आधार पर नहीं समझा, बल्कि राजनीतिक आधार पर नगर निगमों के गठन में समझा। प्रदेश की सबसे बड़ी औद्योगिक व शहरी आबादी बीबीएन में तकरीबन चार लाख है, तो क्या हम वहां की भौगोलिक, औद्योगिक, रिहायशी व नागरिक सुविधाओं की मांग को पूरा कर पाए। आश्चर्य यह कि जहां राजनीति का प्रभाव बढ़ गया, वहां शिक्षा-चिकित्सा, शहरी समाधान, बिजली व जलापूर्ति के प्रतिमान बढ़ गए।

दृष्टि कोण

## किसानों-पशुपालकों के समक्ष चुनौतियां

**हमारे** देश की 75 प्रतिशत से अधिक आबादी गांवों में रहती है। कृषि एवं पशुपालन मुख्य व्यवसाय होने के कारण उन्हें अपनी मेहनत के अनुसार आय नहीं हो रही है। केन्द्र या प्रदेश सरकार इस वर्ग के समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। सिंचाई की पर्याप्त सुविधा न होने के कारण प्रकृति से सामंजस्य स्थापित करके रात दिन कड़ी मेहनत करके कृषक देश की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है। किसानों एवं पशुपालकों के सामने अनेक चुनौतियां हैं। नतीजतन अब उपजाऊ भूमि बंजर होने लगी है तथा पशुपालकों के ज्यादातर पशु सडक़ों, गलियों और चैराहों में भटक रहे हैं। ग्रामीणों को लग रहा है कि अब खेतीबाड़ी करना और पशुपालन व्यवसाय घाटे का सौदा हो गया है। इसलिए अब ग्रामीण युवा रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करने लगे हैं। इसलिए कृषि एवं पशुपालन का काम न के बराबर हो गया है। पहले शहरों के लिए गांव से अनाज और दूध वितरित होता था। अब स्थिति यह हो गई है कि शहरों से आटा, दाल, सब्जी और फल इत्यादि गांव के लिए वितरित हो रहे हैं। यह भी तर्कसंगत रहा कि खेतीबाड़ी एवं पशुपालन व्यवसाय से ग्रामीण स्तर की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती रही है, जबकि देश के विकास का रास्ता गांव से होकर गुजरता है। अर्थात ग्रामीण क्षेत्र जितने विकसित होंगे, देश की आर्थिक व्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी। पशुपालन से कस्बों से लेकर बड़े शहरों तक दूध की आपूर्ति हो रही है। स्वस्थ समाज के लिए जितना अन्न आवश्यक है उतना ही दूध भी आवश्यक है। एक लोक कहावत 'गाय न बच्छी नींद पई अच्छी' प्रचलित है। यानी कृषि एवं पशुपालन ग्रामीण जीवन शैली का आधार है। यदि किसान के पास पशु नहीं होंगे तो कृषि कार्यों में उसकी सक्रियता नहीं रहेगी। उपरोक्त लोक कहावत का यह अर्थ है कि यदि किसान के पास गाय या बछड़ी अर्थात पशु नहीं होंगे तो वह कोई मेहनत नहीं करेगा। इसलिए उसकी नींद भी समय पर नहीं खुलेगी। उसे चिंता नहीं होगी कि उसने पशुओं के लिए घास-पानी की व्यवस्था करनी है। डिजिटल इंडिया के कार्यान्वयन के बाद केंद्र सरकार या प्रदेश सरकार आए दिन किसानों के लिए नई-नई समस्याएं खड़ी कर रही है तथा थोड़े से अनुदान के लिए नियम इतने कड़े कर दिए हैं कि किसान को खेत में काम करने के बजाय औपचारिकताएं पूरी करने के लिए भागदौड़ करनी पड़ती है। इससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। फसल की बुआई के समय किसान का एक एक पल बहुमूल्य होता है। यह काम ज्यादातर बारिश पर ही निर्भर करता है। बारिश के पानी से खेत में नमी थोड़े ही समय के लिए रहती है। पर्याप्त मात्रा में नमी न होने से बीज में अंकुर नहीं फूटते। ऐसी स्थिति में किसान को अगली बारिश के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ती है। कई बार समय पर बारिश नहीं होती। इसलिए फसल पर शुरू से ही संकट मंडराने लगता है। केंद्र की मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरू की। इस योजना के अंतर्गत खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयों के लिए किसानों को सालाना 6 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। यह राशि साल में तीन किस्तों में मिलती है। शुरू में उन लोगों को भी किसान निधि का लाभ मिल गया, जिनके पास एक बीघे से कम भूमि थी, लेकिन उन किसानों को यह राशि नहीं मिली जिनके पास पांच बीघे से अधिक जमीन थी। कुछ सुधार होने के बाद किसानों को आईडी बनाने के चक्कर में डाल दिया। इसके लिए किसान की भूमि ऑनलाइन होनी जरूरी है। कई जिलों में बनी नई तहसीलों और उप-तहसीलों में किसानों की जमीन ऑनलाइन नहीं हुई। यदि हुई है तो उसमें दिक्कत आ रही है।

# अनाहत-रमित लंदन स्क्वाश क्लासिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में : 11 मिनट में जीतीं अनाहत; वीर चोतरानी को स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी ने हराया

लंदन

लंदन में खेले जा रहे लंदन स्क्वाश क्लासिक में भारत की अनाहत सिंह और रमित टंडन प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्त्र की 30वें नंबर की मरियम मेटवाली को सिर्फ 11 मिनट में 11-3, 11-2 से हराया।

वहीं, 42वें नंबर के रमित ने कतर के 61वें नंबर के अब्दुल्ला अल-तमीमी को 20 मिनट में 11-6, 11-7 से मात दी। हालांकि, 38वें नंबर के वीर चोतरानी को स्विट्जरलैंड के यैनिक विल्हेमी के खिलाफ 9-11, 9-11 से हार मिली।

### अनाहत ने 11 मिनट में जीता मुकाबला

अनाहत ने मरियम मेटवाली के खिलाफ शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम 11-3 से जीता और दूसरे गेम में सिर्फ दो अंक गंवाते हुए 11-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच खत्म करने में उन्हें केवल 11 मिनट लगे। अब प्री-क्वार्टर फाइनल में अनाहत का सामना बेल्जियम की दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी नेले गिलिस से होगा। यह मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।

अनाहत ने हाल ही में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं।

### रमित ने 20 मिनट में अल-तमीमी को हराया

पुरुष एकल में रमित टंडन ने अब्दुल्ला अल-तमीमी को 11-6, 11-7 से हराया। 20 मिनट चले मुकाबले में रमित ने दोनों गेम अपने नाम किए और अगले दौर में जगह बनाई।

प्री-क्वार्टर फाइनल में रमित का सामना टूर्नामेंट के आठवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद एलशोरबागी से होगा। मिस्त्र में जन्मे एलशोरबागी अब इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हैं।

### वीर चोतरानी दो गेम में हारे

भारत के वीर चोतरानी को पहले दौर में दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी यैनिक विल्हेमी ने 11-9, 11-9 से हराया। दोनों गेम में मुकाबला करीबी रहा, लेकिन स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी ने दोनों गेम में 11 अंक पूरे कर मैच जीत लिया। अनाहत और वीर दोनों आगामी एशियन गेम्स के लिए भारत के स्क्वैश दल का हिस्सा हैं। एशियन गेम्स जापान के आइची-नागोया में होंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### चाइना मास्टर्स: विक्टर लाई से सीधे गेम में हारकर लक्ष्य सेन हुए बाहर

**नई दिल्ली।** भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का चाइना मास्टर्स में अभियान समाप्त हो गया। राउंड आफ 32 के मुकाबले में लक्ष्य को कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ सीधे गेम में 14-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ विक्टर लाई के खिलाफ लक्ष्य सेन का इस साल का रिकार्ड और खराब हो गया है। दोनों के बीच 2026 में खेले गए चार मुकाबलों में लाई ने तीन बार जीत दर्ज की है। उन्होंने थामस कप और जुलाई में चाइना ओपन के राउंड आफ 16 में भी लक्ष्य को हराया था। हालांकि, दोनों के बीच इस साल पहली भिड़ंत में लक्ष्य ने जीत दर्ज की थी। मार्च में आल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में लक्ष्य ने लाई को तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-16, 18-21, 21-15 से हराया था। लक्ष्य सेन के लिए यह लगातार दूसरा निराशाजनक टूर्नामेंट रहा। नई दिल्ली में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में उन्हें दूसरे दौर में अमेरिका के गैरेट टैन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। चाइना मास्टर्स में उन्हें शुरुआत में फ्रांस के एलेक्स लानिएर के खिलाफ खेलना था, लेकिन दिल्ली में खिताब जीतने के बाद लानिएर के हटने से लक्ष्य का सामना एक बार फिर लाई से हुआ। श्रीकांत की शानदार जीत दिन के पहले मुकाबले में किदांबी श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ची यू-रेन को 21-16, 21-15 से हराकर राउंड आफ 16 में जगह बनाई। श्रीकांत ने पहले गेम में दबदबा बनाया और दूसरे गेम में भी संयम बरतते हुए मुकाबला अपने नाम किया। यू-रेन ने 2023 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था और उसी टूर्नामेंट में उन्होंने श्रीकांत को पहले दौर में हराया था। इस बार श्रीकांत ने हिसाब बराबर कर लिया।

### डोपिंग में फंसे ईरानी पैरा एथलीट जावनमर्दी, आईपीसी ने लगाया तीन साल का प्रतिबंध

**बान (जर्मनी)।** अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) ने ईरान के पैरा एथलीट सैयद अलीअसगर जावनमर्दी पर डोपिंग मामले में तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही नई दिल्ली में आयोजित 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुष शाट पुट एफ35 स्पर्धा में जीता उनका स्वर्ण पदक भी रद्द कर दिया गया है। जावनमर्दी के दो मूत्र नमूनों में प्रतिबंधित पदार्थ आक्सांड्रोलोन पाया गया था। पहला नमूना 22 सितंबर 2025 को ईरान की राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (ईरान नाडो) ने प्रतियोगिता से बाहर लिया था, जबकि दूसरा नमूना 24 सितंबर को नई दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप के दौरान आईपीसी ने लिया था। दोनों नमूनों में मिले परिणामों को एक ही डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन (एडीआरवी) माना गया। आक्सांड्रोलोन विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की 2025 प्रतिबंधित सूची में एनाबालिक एंड्रोजेनिक स्टेरायड की श्रेणी में शामिल है। आईपीसी ने 28 अक्टूबर 2025 को मामले का अंतिम फैसला आने तक जावनमर्दी को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था।

### मेसी की कमाई के सामने दूर-दूर तक नहीं टिकते क्रिकेटर

**बार्सिलोना।** अर्जेंटीना के महान फुटबालर लियोनल मेसी ने अचानक ही खेल से संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया है। मेसी ने मैदान में जिस तेजी से गोल किये हैं। उसी तेजी से अपने दो दशक के करियर में कमाई भी की है। वह विश्व के सबसे धनी खिलाड़ियों में से एक है। फुटबाल दुनिया के सबसे लोकप्रिय और देखे जाने वाले खेलों में से एक है, और इसमें शीर्ष खिलाड़ियों को भारी भरकम राशि मिलती है और ये क्रिकेटरों को मिलने वाली रकम से कई गुना अधिक है या यूं कहें तो स्टार क्रिकेटर जितनी रकम अपने करियर में कमा पाते हैं उतनी तो दिग्गज फुटबालर एक साल में ही कमा लेते हैं। ऐसे में मेसी जैसे दिग्गज खिलाड़ी की उनकी कमाई और संपत्ति कितनी होगी इसके अनुमान लगाये जा सकते हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसाल मेसी की अनुमानित नेटवर्थ वर्तमान में लगभग 1.1 अरब डालर है। भारतीय मुद्रा में यह आंकड़ा 10,450 करोड़ रुपये के करीब बैठता है। यह राशि उनके पिछले दो दशकों के शानदार करियर और खेल जगत में उनके अद्वितीय प्रभाव को दिखाती है। केवल उनकी कुल संपत्ति ही नहीं, बल्कि उनकी सालाना कमाई भी जानकार आप हैरान हो जाएंगहै। फोर्ब्स की 2026 की सूची के अनुसार, मेसी विश्व के तीसरे सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीट थे, जिनकी सालाना आय 140 मिलियन डालर बताई गई थी।

# माया बाउचियर के शतक से इंग्लैंड ने रचा इतिहास, आयरलैंड के खिलाफ छह विकेट से दर्ज की जीत

लीसेस्टर

**सलामी बल्लेबाज माया बाउचियर के शानदार शतक की बदौलत इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज पूरा किया। इंग्लैंड ने 282 रन के लक्ष्य को महज 38.1 ओवर में चार विकेट खोकर 283 रन बनाकर हासिल कर लिया और छह विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट पर 281 रन बनाए थे। जवाब में बाउचियर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 95 गेंदों पर 104 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में 11 चौके शामिल रहे। बाउचियर ने सोफिया डंकली के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 गेंदों में 143 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। डंकली ने 61 गेंदों पर 73 रन बनाए। दोनों ने इंग्लैंड को शुरुआत से ही मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।**

डंकली ने 40 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि बाउचियर ने 53 गेंदों में पचास रन पूरे किए। दोनों की तेज बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने 10 ओवर में बिना विकेट खोए 72 रन बना लिए थे।

आयरलैंड की कारा मरे ने 20वें ओवर में डंकली को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद उन्होंने अगले ओवर में जोडी ग्रेकाक को भी पवेलियन भेजा। हालांकि, बाउचियर और एलिस कैप्सी ने 50 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड की जीत की राह आसान कर दी।

बाउचियर ने 31वें ओवर में 91 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, लेकिन अगले ही ओवर में मरे ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बाद फ्रेया केम्प ने 22 गेंदों पर 36 रन की तेज पारी खेलकर आयरलैंड की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं। कैप्सी ने नाबाद 41 रन बनाए और चौका लगाकर इंग्लैंड को रिकार्ड लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

आयरलैंड की मजबूत शुरुआत

इससे पहले आयरलैंड ने गैबी लुईस और एमी हंटर की शानदार बल्लेबाजी के दम पर मजबूत स्कोर खड़ा किया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 152 गेंदों में 136 रन की साझेदारी की। लुईस ने 69 और हंटर ने 62 रन बनाए।

30वें ओवर के बाद आयरलैंड ने 7.1 ओवर के भीतर तीन विकेट गंवा दिए थे और उसका स्कोर 250 रन के आसपास पहुंचने पर भी संशय था। लेकिन लिया पाल और रेबेका स्टोकल ने 71 गेंदों में 84 रन की साझेदारी कर पारी को संभाला। स्टोकल 54 रन बनाकर नाबाद रहीं।

आयरलैंड ने अंतिम 10 ओवर में 77 रन जोड़कर इंग्लैंड के सामने 282 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा, लेकिन बाउचियर की तूफानी पारी के सामने यह स्कोर भी छोटा साबित हुआ।

### संक्षिप्त स्कोर:

**आयरलैंड:** 281/5 (50 ओवर) — गैबी लुईस 69, एमी हंटर 62, रेबेका स्टोकल नाबाद 54; चार्ली डीन 2/44, इस्सी वोंग 2/57।

**इंग्लैंड:** 283/4 (38.1 ओवर) — माया बाउचियर 104, सोफिया डंकली 73, एलिस कैप्सी नाबाद 41; कारा मरे 3/58।

**परिणाम:** इंग्लैंड छह विकेट से विजयी।

# यूएस ओपन: राइबाकिना, गाफ, कीज और एंड्रीवा की दमदार जीत, दूसरे दौर में पहुंचीं

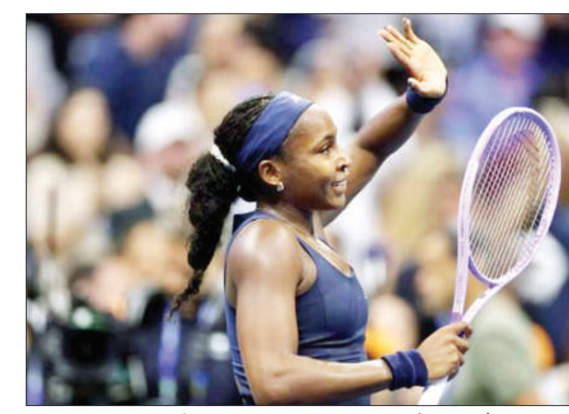

न्यूयार्क

विश्व की नंबर दो खिलाड़ी एलेना राइबाकिना, पूर्व चैंपियन कोको गाफ, मैडिसन कीज और फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा ने शानदार जीत दर्ज करते हुए यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

तीसरी ग्रैंड स्लैम ट्राफी और विश्व नंबर एक रैंकिंग पर नजरें लगाए राइबाकिना ने अमेरिका की थिया फ्राडिन को 6-3, 6-2 से हराया। कजाकिस्तान की राइबाकिना ने मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए।

राइबाकिना के लिए यह जीत खास रही, क्योंकि इसी महीने सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनल मुकाबले से उन्हें बाएं पैर की चोट के कारण हटना पड़ा था। चोट के बाद वापसी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी फिटनेस को लेकर उठ रही चिंताओं को भी दूर किया। राइबाकिना, कोको गाफ और जेसिका पेगुला उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो न्यूयार्क में आर्यना सबालेंका से विश्व नंबर एक की रैंकिंग छीन सकती हैं। गाफ को इसके लिए अपना दूसरा यूएस ओपन खिताब जीतना होगा, जबकि राइबाकिना सेमीफाइनल में पहुंचकर भी शीर्ष रैंकिंग हासिल कर सकती हैं।

### गाफ ने सर्विस से किया प्रभावित

2023 की यूएस ओपन चैंपियन कोको गाफ ने तुर्किये की दुनिया की 53वें नंबर की जेनेप सोनमेज को 6-3, 6-4 से हराया। गाफ ने अपनी बेहतर हुई सर्विस का शानदार इस्तेमाल किया और शुरुआती सेट में दबदबा बनाया।

### एंड्रीवा ने भी आसान जीत दर्ज की

फ्रेंच ओपन चैंपियन और पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा ने इंडोनेशिया की 36वें नंबर की जेनिस तिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

### कीज भी दूसरे दौर में

मैडिसन कीज ने रूसी किशोरी अलीना कोर्नेएवा को 7-5, 6-4 से हराया। कीज ने मुकाबले में 21 विनर्स लगाए और अब दूसरे दौर में चेक गणराज्य की लूसी हव्लिचकोवा या हंगरी की अन्ना बोंदार से भिड़ेंगी।

## घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना चाहते हैं ऋतुराज

**कोयंबटूर।** चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान और युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ का कहना है कि उनका ध्यान केवल रन बनाने पर है। वह जानते हैं कि घरेलू टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर ही वह भारतीय टीम में वापसी करने में सफल होंगे। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय बनाये रखने पर रहेगा। गायकवाड़ ने कहा, मुझे वापसी का पूरा भरोसा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझे धैर्य बनाए रखते हुए आने वाले मुकाबलों में जमकर रन बनाने होंगे। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, मैं पिछले कुछ साल से लगातार रन बना रहा हूं और मुझे ये सिलसिला आगे भी बनाये रखते हुए अवसर का इंतजार करना है। गायकवाड़ के इस बयान से साफ है कि वह घरेलू क्रिकेट में वापसी का कोई अवसर नहीं छोड़ेगें। इस बल्लेबाज ने कहा कि मैच के दिन टीम का हिस्सा न होने पर भी राष्ट्रीय टीम के लिए उनका समर्थन हमेशा बना रहता है। इस क्रिकेटर ने कहा कि आप अपने देश का समर्थन ही करना चाहेंगे। अब घरेलू सत्र नजदीक आने के साथ, गायकवाड़ का ध्यान तेजी से खेल की ओर केंद्रित हो रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि व्यस्त कार्यक्रम और तैयारी के कारण वह भारतीय के हर मैच पर बारीकी से नजर नहीं रख पाते हैं।

# यूएस ओपन: 40वें जन्मदिन पर मोनफिल्स ने दर्ज की शानदार जीत, कोबोली और फ्रिट्ज भी दूसरे दौर में

न्यूयार्क

फ्रांस के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स ने अपने 40वें जन्मदिन पर शानदार वापसी करते हुए यूएस ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली। बारिश से बाधित मुकाबलों और रोमांचक मुकाबलों से भरे दिन में मोनफिल्स के अलावा फ्लावियो कोबोली और टेलर फ्रिट्ज ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया।

मोनफिल्स ने एडोल्फो डेनियल वालेहो को 2-6, 6-1, 6-2, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ उनका विदाई ग्रैंड स्लैम अभियान जारी है। शुरुआत में पिछड़ने के बाद मोनफिल्स ने शानदार वापसी की और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में मौजूद दर्शकों से जमकर तालियां बटोरीं।

मोनफिल्स फ्लशिंग मीडोज में मुख्य ड्रा का एकल मुकाबला जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने 1992 में अपने 40वें जन्मदिन पर जीत दर्ज करने वाले जिमी कानर्स की उपलब्धि की बराबरी की। कोर्ट पर केक तो नहीं आया, लेकिन मैच के बाद दर्शकों ने मोनफिल्स के लिए जन्मदिन का गीत गाया। मैच के बाद मोनफिल्स ने कहा, अपने 40वें जन्मदिन पर खेलना मेरे लिए बेहद खास था। आप सभी ने इसे अविश्वसनीय बना दिया। माहौल शानदार था और मैंने भी अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की।

### दो सेट से पिछड़ने के बाद कोबोली की शानदार वापसी

पांचवीं वरीयता प्राप्त इटली के फ्लावियो कोबोली ने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसेना के खिलाफ दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। कोबोली ने चार घंटे 13 मिनट चले मैराथन मुकाबले में 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की।

यह पहली बार था जब कोबोली ने अपने करियर में दो सेट से पिछड़ने के बाद मुकाबला जीता। निर्णायक सेट में उन्होंने शुरुआती ब्रेक गंवाने के बाद वापसी की, फिर 5-4 की बढ़त हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। उन्होंने शानदार फोरहैंड वाली के साथ मुकाबला समाप्त किया। कोबोली ने कहा, ग्रैंड स्लैम में मुकाबला कभी खत्म नहीं होता। आपको आखिरी अंक तक संघर्ष करना पड़ता है।

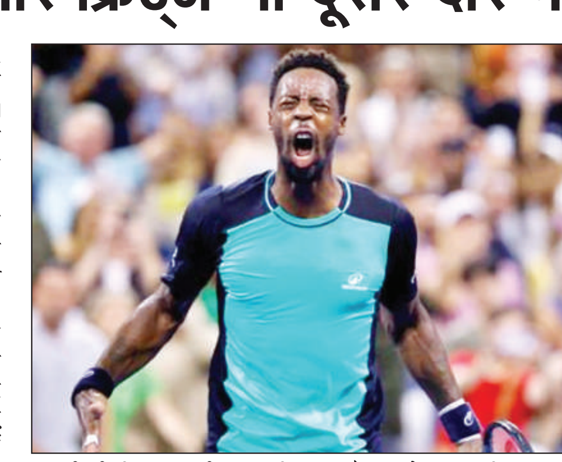

### फ्रिट्ज ने दमदार सर्विस से आसान की राह

अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने हमवतन डार्विन ब्लांच को 6-3, 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। 2024 में उपविजेता रहे फ्रिट्ज ने 18 वर्षीय वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी के खिलाफ 14 ऐस लगाए। फ्रिट्ज अब दूसरे दौर में इटली के मत्तिया बेलुच्ची का सामना करेंगे। उन्होंने मैच एक ऐसी सर्विस के साथ समाप्त किया, जिसे ब्लांच वापस नहीं कर सके।

# पुजारा ने अपनी पसंदीदा टीम में इन तीन दिग्गजों को शामिल नहीं किया

मुम्बई

पूर्व टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह टीम घोषित की है। पुजारा ने इस टीम में उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है। जिनके साथ उन्होंने अपने करियर में खेला था। पुजारा ने साल 2010 से 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 103 टेस्ट मैचों में 7195 रन बनाए। उन्होंने हालांकि पांच एकदिवसीय मैच भी खेले पर वह इस प्रारुप में आगे नहीं खेल पाये। पुजारा ने अपने दौर की टीम के , पांच वर्तमान खिलाड़ियों और छह पूर्व दिग्गजों को अपनी पसंदीदा टीम में शामिल किया है पर हैरानी की बात ये है कि उनकी इस टीम में तीन दिग्गज खिलाड़ियों महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे के नाम नहीं हैं।

इस टीम में पुजारा ने केवल उन्हीं खिलाड़ियों को रखा है जिनके साथ उन्होंने अपने 13 साल के करियर में खेला था। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को रखा है। द्रविड़ ने साल 1996 से 2012 तक भारत के लिए 13265 टेस्ट रन बनाए, और आक्रामक बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग के साथ उन्होंने साल 2001 से 2013 तक 103 टेस्ट में 8503 रन बनाये। पुजारा ने अपनी इस टीम में खुद को अपनी पसंदीदा तीसरे नंबर पर रखा है। मध्यक्रम में उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को चौथे और विराट कोहली को पांचवें नंबर पर रखा है। वहीं छठे नंबर पर पुजारा ने वीवीएस लक्ष्मण को चुना, जो अजिंक्य रहाणे की जगह लेते दिख रहे हैं। यह फैसला थोड़ा आश्चर्यजनक है क्योंकि पुजारा ने अपने टेस्ट करियर में काफी समय तक रहाणे के साथ खेला। वहीं विकेटकीपर के रूप में पुजारा ने महेंद्र सिंह धोनी के बजाय युवा ऋषभ पंत को तरजीह दी है, जिसकी वजह आस्ट्रेलिया में इस बल्लेबाज के साथ उनकी कुछ यादगार साझेदारियां बताई जाती हैं। गेंदबाजी में उन्होंने दो स्पिनरों रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन को शामिल किया है। तेज गेंदबाज के तौर पर उन्होंने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को रखा है। पुजारा ने ईशांत शर्मा को 12वें खिलाड़ी के रूप में रखा और कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए वे तीन तेज गेंदबाजों के साथ भी जा सकते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि तेज गेंदबाजी आलराउंडर की जरूरत पड़ी तो हार्दिक पांड्या उनकी सूची में शामिल हो सकते हैं। इस चयन से यह स्पष्ट है कि पुजारा ने उन खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है जिनके साथ उन्होंने मैदान पर और बाहर गहरा संबंध साझा किया और जिनके खेल से वह व्यक्तिगत रूप से प्रभावित रहे।

**पुजारा की अंतिम ग्यारह :** राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, चेतेश्वर पुजारा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, वीवीएस लक्ष्मण, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी।

# टॉडगढ़ भैरव भक्ति में लीन हुए श्रद्धालु, ज्योत प्रकट होते ही लगे जयकारे

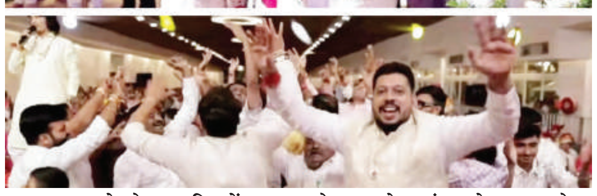

**बेंगलूरु, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मेवाड़ जैन मित्र मंडल, बेंगलूरु की ओर से 'एक शाम टॉडगढ़ काला-गोरा भेरुजी के नाम' भक्ति संध्या का आयोजन पैलेस मैदान स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भैरव धाम टॉडगढ़ के मुख्य उपासक कपिल पडियार, विद्या प्रकाश पडियार एवं रतनलाल सेन के पावन सान्निध्य में हुआ।

कार्यक्रम के लिए भव्य रूप से सजाए गए भैरव दरबार के समक्ष लाभार्थी परिवारों की ओर से ज्योत प्रज्वलित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। भेरुजी के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। उपासकों ने ज्योत एवं भक्ति गीतों के माध्यम से भैरुजी का स्मरण किया। इस दौरान भैरव चालीसा का पाठ भी किया गया।

राजस्थान से आए लोकप्रिय भक्ति कलाकार भगवत सुथार ने गणपति वंदना से अपनी प्रस्तुति का शुभारंभ किया। उनकी प्रस्तुति पर श्रद्धालुओं ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। सुथार ने 'माने भैरुजी थारो आसरो...', 'रमता पधारो भैरव भक्ति में...', 'टॉडगढ़ भैरव भली करेला...' सहित विभिन्न भजनों की प्रस्तुति देकर भैरव भक्ति का वातावरण बना दिया।

अपने चिर-परिचित अंदाज में जैसे ही उन्होंने 'मैं घणी करा मनवार, भैरुजी आवो पावण' भजन प्रस्तुत किया, पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट और भेरुजी के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भजनों पर भाव-विभोर होकर नृत्य करते नजर आए, वहीं आयोजक युवा भी भजनों की धुन पर थिरकते दिखाई दिए।

जोधपुर से आईं गायिका दिव्या वैष्णव ने 'मूंछा रे ताव भैरु, डोडी-डोडी अंखियां...', 'भैरुजी लटियाला' सहित विभिन्न भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ के अध्यक्ष ललित मांडोत ने की। मुख्य अतिथि के रूप में जैन ओसवाल साजनान संघ संस्था मदारिया आंजनेश्वर के अध्यक्ष ईश्वरलाल श्रीमाल उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में जैन ओसवाल साजनान संघ संस्था मदारिया आंजनेश्वर के महामंत्री महावीरकुमार पोकरणा एवं मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ के मंत्री सुरेशकुमार गन्ना मौजूद रहे।

मंडल की ओर से संयोजक दीपक भटेवरा, प्रवीण दक, संतोष भटेवरा, अमृत दलाल, गौतम मांडोत आदि ने अतिथियों का सम्मान किया।

सभागार में सजे भैरव दरबार के समक्ष दर्शन के लिए देर रात तक श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर भक्ति संध्या का आनंद लिया।

मंडल के संयोजक दीपक भटेवरा ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन अनेक लाभार्थी परिवारों के सहयोग से किया गया। मंडल की ओर से साफा, माला एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सभी लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया।

# वॉकथॉन 2.0 बना स्वास्थ्य एवं जन-जागरण का महाअभियान

**हैदराबाद, 2 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय प्रकल्प युवा विकास एवं खेलकूद के तहत आयोजित वॉकथॉन 2.0 देशभर की 800 से अधिक शाखाओं में एक साथ आयोजित किया गया। हैदराबाद में आंध्रप्रदेश-तेलंगाना प्रांत की हैदराबाद ग्रेटर, सिकंदराबाद, सिकंदराबाद पर्ल एवं हैदराबाद उदय गोल्डन शाखाओं के संयुक्त आयोजन में 1800 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम. जैन मुख्य अतिथि, प्रांतीय अध्यक्ष मनीष नाहर विशिष्ट अतिथि तथा हेल्थ साथी परियोजना के राष्ट्रीय चेयरमैन एवं पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललित जैन और राष्ट्रीय संयोजक निशांत गोयल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन का उद्देश्य नियमित पैदल चलने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच और सामाजिक एकता का संदेश देना था। इस दौरान 'वॉक टूगेदर, थ्राइव टूगेदर' तथा 'युवा शक्ति-राष्ट्र शक्ति' के जयघोष से वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम. जैन ने मंच की गतिविधियों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि हेल्थ साथी कार्ड के माध्यम से देशभर में मारवाड़ी समाज के परिवारों को अस्पताल, जांच केंद्र एवं मेडिकल स्टोर में विशेष छूट उपलब्ध कराने की योजना है। भविष्य में हवाई यात्रा, बस, रेल एवं होटल बुकिंग में भी विशेष छूट देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

समापन अवसर पर राष्ट्रीय पदाधिकारियों, पूर्व प्रांतीय अध्यक्षों, सहयोगी संस्थाओं एवं आयोजन में योगदान देने वाले पदाधिकारियों और सहयोगियों का माला एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों, कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। ग्रेटर हैदराबाद एवं सिकंदराबाद शाखा के संयोजक हरीश मुणोत एवं विक्रम लोहार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता में दो छात्राओं का राज्य स्तर पर चयन

**मंचेरियाल, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** आसिफाबाद स्थित ट्राइबल वेलफेयर स्कूल में आयोजित संयुक्त आदिलाबाद जिला जूनियर फुटबॉल चयन प्रतियोगिता में पीएम श्री जेडपीएचएस दोनाबंडा की कक्षा 8वीं की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय की छात्रा कोंडपर्थी अश्विता और उत्तम नित्यश्री का चयन राज्य स्तरीय जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक नीलेश काछवाल एवं शारीरिक शिक्षा निदेशक नंदम श्रीनिवास ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 4 से 7 सितंबर तक निजामाबाद में आयोजित की जाएगी, जिसमें दोनों छात्राएं भाग लेंगी।

छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय के शिक्षकों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। शिक्षकों ने दोनों छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी।

# श्रावण पूर्णिमा कवि गोष्ठी में कवि-कवयित्रियां सम्मानित

**हैदराबाद, 2 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** नगरद्वय की लोकप्रिय काव्य संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में रक्षा बंधन के अवसर पर श्रावण पूर्णिमा कवि गोष्ठी का आयोजन बेगम बाजार स्थित साधना आश्रम में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आश्रम के अध्यक्ष डॉ. करतार सिंह ने की। गोष्ठी निर्मल कुमार विश्वबंधु, ब्रह्मलीन योगानंद महाराज एवं स्वामी आनंदपुरी जी महाराज की स्मृति को समर्पित रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ कवयित्री आशा ठाकुर ने सरस्वती वंदना से किया। मुख्य वक्ता कवयित्री विद्या दवे श्रीमाली ने रक्षा बंधन को भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक बताया। कवि अशोक दोशी ने पर्व की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डाला।

काव्य पाठ में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गोविंद अक्षय, अंजनी कुमार गोयल, राजकुमार यादव, ममता मिश्रा, अशोक दोशी, संतोष कुमार मिश्रा माधुर्य, निधि झा, जितेंद्र कुमार चंचल, सत्यनारायण काकड़ा, एस.के. जैन लौंगपुरी एवं आशा ठाकुर सहित अनेक कवि-कवयित्रियों ने गीत, गजल एवं कविताओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं।

रचनाओं में रक्षा बंधन के साथ समसामयिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय विषयों को भी प्रमुखता दी गई। एसबीआई आंध्र के सहायक महाप्रबंधक विनय कुमार सिंह ने कवियों की रचनात्मक भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि साहित्यकार अपनी लेखनी के माध्यम से समाज और राष्ट्र को महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। अध्यक्ष डॉ. करतार सिंह ने सभी रचनाओं की सराहना की।

इस अवसर पर कवयित्रियों ने कवियों की कलाई पर राखी बांधी तथा सभी कवि-कवयित्रियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। साधना आश्रम के पदाधिकारियों एवं गीत चाँदनी की संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव सहित संस्था के सदस्यों ने आयोजन में सहयोग किया। अंत में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

# ऑपरेशन चबूतरा के तहत पुलिस की रातभर सघन जांच

**पेद्दापल्ली, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा के आदेश पर गोदावरीखानी सहायक पुलिस आयुक्त एम. रमेश तथा निरीक्षक इंद्रसेन रेड्डी और कृष्ण कुमार की निगरानी में पेद्दापल्ली जिले के गोदावरीखानी प्रथम नगर, एनटीपीसी और रामागुंडम थाना क्षेत्रों में 'ऑपरेशन चबूतरा' चलाया गया।पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने रात के समय मुख्य चौराहों, गलियों और सड़कों पर विशेष गश्त करते हुए समूहों में घूमने वाले युवकों, लोगों को परेशान करने वालों, शराब पीकर दोपहिया वाहन चलाने वालों तथा संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त लोगों की जांच की। इस दौरान 30 युवकों और उनके दोपहिया वाहनों को हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए गए युवकों का शराब सेवन जांच परीक्षण कराया गया। उनके खिलाफ ई-पेटी मामले दर्ज कर परामर्श दिया गया तथा भविष्य में ऐसी गतिविधियों में दोबारा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। सहायक पुलिस आयुक्त एम. रमेश ने बताया कि लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ाने और रात के समय असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर गश्त और जांच अभियान चलाया गया। गांजा सेवन या बिक्री, अवैध शराब दुकानों तथा अन्य असामाजिक गतिविधियों की आशंका वाले क्षेत्रों की विशेष रूप से जांच की गई। इस दौरान दो अवैध शराब दुकानों पर छापेमारी कर मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग लोगों की सुरक्षा और सुविधा के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

## ट्रस्ट में ...

**दो महीने तक डॉ. कृष्ण मोहन ने संभाली जिम्मेदारी**

चंपत राय के इस्तीफे के बाद डॉ. कृष्ण मोहन को ट्रस्ट के कार्यवाहक महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने करीब दो महीने तक यह दायित्व संभाला। बैठक में इस चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान उनके कार्यों और योगदान की सराहना भी की गई।

अब गोविंद देव गिरि को महासचिव की नई जिम्मेदारी दिए जाने के बाद ट्रस्ट के कामकाज की आगे की प्रशासनिक व्यवस्था भी स्पष्ट हो गई है।ट्रस्ट की बैठक में संजय प्रसाद ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। इसके बाद दोपहर 3 बजे दूसरी बैठक आयोजित की गई, जिसमें ट्रस्ट के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के साथ नृपेंद्र मिश्रा भी शामिल हुए।

दूसरी बैठक में ट्रस्ट की प्रशासनिक व्यवस्था, नई जिम्मेदारियों और राम मंदिर से जुड़े आगामी कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान ट्रस्ट में रिक्त पदों को भरने समेत विभिन्न प्रशासनिक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

**नकद चढ़ावे की गिनती पर भी हुआ मंथन**

बैठक में नकद चढ़ावे की गिनती की प्रक्रिया को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा की गई। ट्रस्ट चाहता है कि इस प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को कम से कम किया जाए। इसके लिए दो बैंकों और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से दिए गए सुझावों पर विचार किया जाएगा।

प्रयास किया जा रहा है कि चढ़ावे की गिनती से लेकर उसके हिसाब-किताब तक की पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी, तकनीकी और व्यवस्थित बनाया जाए।

**वित्त वर्ष 2025-26 के खातों को मंजूरी**

बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के खातों को भी मंजूरी दी गई। इस दौरान बताया गया कि इस वर्ष ट्रस्ट को 237 करोड़ रुपये की आय हुई, जबकि 11 करोड़ रुपये खर्च किए गए। मंदिर निर्माण और अन्य निर्माण कार्यों पर 425 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 31 मार्च 2026 तक ट्रस्ट के पास 1,882 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध थी।

**विशेष जांच दल के दायरे पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत**

बैठक में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रहे विशेष जांच दल को लेकर भी चर्चा हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस जांच का दायरा बढ़ाने का आदेश दिया है। ट्रस्ट के अनुसार, जांच का दायरा समय-काल और विषय, दोनों स्तरों पर विस्तृत किया गया है। ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का स्वागत किया है। ट्रस्ट का कहना है कि जांच आगे बढ़ने से मामले से जुड़े तथ्य सामने आएंगे और लोगों के बीच बना भ्रम दूर होगा।

ट्रस्ट ने उम्मीद जताई कि जांच पूरी होने के बाद पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। इसके अलावा वित्तीय गड़बड़ियों की जांच कर रहे विशेष जांच दल का दायरा बढ़ाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

**ट्रस्ट में अब जिम्मेदारियों की नई तस्वीर**

2 सितंबर की बैठक के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में जिम्मेदारियों का नया बंटवारा स्पष्ट हो गया है। गोविंद देव गिरि को महासचिव बनाया गया है, महेश भागचंदका नए कोषाध्यक्ष होंगे और एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

मदन मोहन पांडेय, महेश भागचंदका और डॉ. निर्मला यादव को नए सदस्य के रूप में ट्रस्ट में शामिल किया गया है। इन नियुक्तियों के साथ चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे तथा विमलेंद्र मोहन के निधन के बाद रिक्त हुई तीन जगहों को भर दिया गया है।

बैठक में प्रशासनिक व्यवस्था से लेकर मंदिर निर्माण के आगामी कार्यों तक अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लिए गए। वित्तीय व्यवस्था में तकनीक का उपयोग बढ़ाने, चढ़ावे की गिनती में मानवीय हस्तक्षेप कम करने और विशेष जांच दल से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ट्रस्ट का रुख भी स्पष्ट किया गया।

अब नई टीम के सामने राम मंदिर से जुड़े निर्माण कार्यों के साथ-साथ ट्रस्ट के प्रशासनिक कामकाज, वित्तीय व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी।

## तुम आज़ाद...

इनमें 1990 में कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट्ट की हत्या और 1990 में वायुसेना के जवानों की हत्या से जुड़े मामले शामिल हैं। हालांकि, वर्तमान में तिहाड़ जेल में उसकी मौजूदगी का मुख्य कारण आतंकी फंडिंग मामले में मिली उम्रकैद की सजा है। अपने हलफनामे में यासीन मलिक ने अपनी मां और 13 वर्षीय बेटी रजिया सुल्ताना के नाम भी संदेश दिया है।यासीन मलिक ने सरला भट्ट हत्याकांड में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया है। पूर्व आतंकी कमांडर ने इसे साजिश करार देते हुए दावा किया है कि वह खुद इस मामले में पीड़ित है।

हलफनामे में यासीन ने कहा, सरला भट्ट के अपहरण और हत्या में मेरी कोई भूमिका नहीं थी। मुझे इस मामले में झूठा फंसाया जा रहा है। मैं सुनवाई की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लूंगा। इसका मतलब यह नहीं है कि मैंने अपना अपराध मान लिया है। मैं मौत की सजा चाहता हूं। सरला भट्ट सुरक्षा बलों के लिए मुखबिर के तौर पर काम नहीं कर रही थीं। वह एक निर्दोष नागरिक थीं, उतनी ही निर्दोष जितनी मेरी बेटी है।

बता दें कि राज्य जांच एजेंसी ने हाल ही में 1990 के सरला भट्ट अपहरण और हत्या मामले में आरोपपत्र दाखिल किया था। एजेंसी ने इस मामले में यासीन मलिक को आरोपियों में से एक बताया था।

## मोदी मंत्रिमंडल...

हाल में हुई मंत्रिमंडल बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंत्रियों को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने और जनता से जुड़ाव बढ़ाने पर जोर दिए जाने की भी चर्चा है।

**शीर्ष पांच मंत्रालयों में भी बदलाव की अटकलें**

ऐश्वर्या पालीवाल ने कहा कि संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में कई नए चेहरे देखने को मिल सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी दलों को भी मंत्रिमंडल में अधिक प्रतिनिधित्व दिए जाने की संभावना पर चर्चा है।

उन्होंने कहा कि मोदी मंत्रिमंडल के शीर्ष पांच महत्वपूर्ण मंत्रालयों में से किसी एक में भी बदलाव देखने को मिल सकता है। इसका कारण किसी मंत्री के खराब प्रदर्शन के बजाय किसी अन्य नेता को बड़ी जिम्मेदारी देने की रणनीति भी हो सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मंत्री वर्तमान में एक से अधिक मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में उनके कुछ विभाग अन्य मंत्रियों को दिए जा सकते हैं।

चर्चा के अनुसार, मंत्रिमंडल में करीब 14 मंत्री ऐसे हैं, जिनके पास एक से अधिक मंत्रालयों की जिम्मेदारी है। संवैधानिक प्रावधानों के तहत केंद्रीय मंत्रिपरिषद में अधिकतम 81 मंत्री हो सकते हैं, जबकि वर्तमान मंत्रिमंडल में करीब 69 मंत्री होने की बात कही जा रही है। इस हिसाब से लगभग 12 पद रिक्त बताए जा रहे हैं।

**अश्विनी वैष्णव को मिल सकता है बड़ा दायित्व**

कार्यक्रम में राहुल गौतम ने कहा कि राज्यसभा से आने वाले कुछ नेताओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि अश्विनी वैष्णव के पास वर्तमान में रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय हैं।

चर्चा के अनुसार, उनसे कुछ मंत्रालयों का प्रभार लेकर अन्य नेताओं को जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं, उनके कामकाज को देखते हुए उन्हें मंत्रिमंडल में और बड़ी भूमिका दिए जाने की संभावना पर भी राजनीतिक हलकों में चर्चा है।पीयूष मिश्रा ने कहा कि कई मंत्रियों के पास अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यापक जिम्मेदारियां हैं। शिक्षा मंत्रालय को युवा पीढ़ी से सीधे जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण मंत्रालय बताया गया। कार्यक्रम में यह भी चर्चा हुई कि अश्विनी वैष्णव को मोदी सरकार के शीर्ष पांच मंत्रियों में शामिल किया जा सकता है।

**नितिन गडकरी के मंत्रालय में बदलाव की चर्चा**

'रिपोर्टर्स ऑफ एयर' में नितिन गडकरी को लेकर भी चर्चा हुई। राजनीतिक गलियारों में उनके मंत्रिमंडल से बाहर होने अथवा उनके मंत्रालयों में बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं।

इस संबंध में ऐश्वर्या पालीवाल ने कहा कि नितिन गडकरी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने की बात करते रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्वयं मंत्री पद छोड़ने जैसी कोई बात नहीं कही है। उन्होंने कहा कि संभावित मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान उनके मंत्रालयों की जिम्मेदारी में फेरबदल किया जा सकता है। चर्चा है कि भविष्य में उनके पास वर्तमान जैसी व्यापक जिम्मेदारियां न रहें और कुछ विभाग अन्य नेताओं को दिए जा सकते हैं।

कार्यक्रम में ई-20 ईंधन और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा से जुड़े विवादों का भी उल्लेख किया गया। पीयूष मिश्रा ने कहा कि विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है और ऐसी परिस्थितियों में सरकार राजनीतिक तथा प्रशासनिक स्तर पर बदलाव कर सकती है।

पीयूष मिश्रा ने कहा कि मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार सितंबर या अक्टूबर में कभी भी हो सकता है और इसमें बड़े बदलाव की संभावना है।ऐश्वर्या पालीवाल के अनुसार, नए चेहरों को लेकर पार्टी के भीतर चर्चा काफी आगे बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि सितंबर में जन्माष्टमी के आसपास अथवा उसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा है।

उन्होंने दावा किया कि कई ऐसे मंत्रियों के नामों पर भी चर्चा हो रही है, जिन्हें मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है। वहीं, उनकी जगह नए नेताओं को शामिल करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है।

कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि संभावित विस्तार में 15 से 17 नए मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है। हालांकि, इन संभावित नियुक्तियों और बदलावों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

**2027 और 2029 के चुनावों पर रहेगी नजर**

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यदि मंत्रिमंडल विस्तार होता है तो उसमें आगामी चुनावी राज्यों के प्रतिनिधित्व, सामाजिक समीकरण, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया जा सकता है। राहुल गौतम ने कहा कि विपक्ष भी संभावित मंत्रिमंडल विस्तार पर नजर बनाए हुए है। विपक्ष यह देखेगा कि नए मंत्रियों का सामाजिक प्रतिनिधित्व कैसा है और इससे देश के विभिन्न वर्गों को क्या राजनीतिक संदेश दिया जाता है।उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा सहित आगामी चुनावों वाले राज्यों को मंत्रिमंडल में कितना प्रतिनिधित्व मिलता है, इस पर भी राजनीतिक दलों की नजर रहेगी। महिलाओं, युवाओं और नई पीढ़ी को संभावित विस्तार में कितना अवसर मिलता है, यह भी महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दा हो सकता है।

**बदलाव की चर्चा, लेकिन आधिकारिक घोषणा का इंतजार**

भारतीय जनता पार्टी के संगठन में नई टीम के गठन के बाद मोदी सरकार के मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज हैं। नए चेहरों को शामिल करने, मंत्रियों के विभागों में फेरबदल करने और आगामी चुनावों के मद्देनजर सामाजिक तथा क्षेत्रीय संतुलन बनाने की संभावनाओं पर राजनीतिक हलकों में लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं।हालांकि, मंत्रिमंडल विस्तार की तारीख, नए मंत्रियों के नाम अथवा किसी मौजूदा मंत्री की जिम्मेदारी में बदलाव को लेकर अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में सभी की निगाहें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के आगामी राजनीतिक फैसलों पर टिकी हुई हैं।

## दान नहीं...

द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेन शाह 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में व्यक्तिगत रूप से शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। इस प्रस्ताव पर चर्चा की जा रही है, ताकि शाह स्वयं रसुवा बाढ़ का मुद्दा उठाकर जलवायु न्याय और मुआवजे की मांग कर सकें। पहले इस बैठक में विदेश मंत्री शिशिर खनाल के जाने की योजना थी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा 8 सितंबर से शुरू हो रही है। इसकी सामान्य बहस सितंबर के तीसरे और चौथे सप्ताह में होने वाली है।

यूरोपीय आयोग के 2024 के वैश्विक उत्सर्जन डेटाबेस के अनुमानों के अनुसार, चीन, अमेरिका और भारत कुल मात्रा के हिसाब से ग्रीनहाउस गैसों के तीन सबसे बड़े उत्सर्जक देश थे। हालांकि, भारत प्रति व्यक्ति करीब 3 टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जित करता है, जबकि चीन में यह करीब 11 टन और अमेरिका में करीब 17 टन है।

भारत लगातार यह तर्क देता रहा है कि जलवायु संबंधी जिम्मेदारियां तय करते समय ऐतिहासिक उत्सर्जन, प्रति व्यक्ति उत्सर्जन, विकास की जरूरतों और उन देशों की बड़ी जिम्मेदारी को ध्यान में रखा जाना चाहिए, जो पहले औद्योगिक हुए और जिन्होंने औद्योगिकीकरण के लाभ उठाए।

वैश्विक कोष को भेजा औपचारिक अनुरोध

द काठमांडू पोस्ट की एक अलग रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल सरकार ने भारत, चीन और अमेरिका को अलग-अलग द्विपक्षीय मुआवजा दावे सौंपने के बजाय 'नुकसान और क्षति' से निपटने वाले वैश्विक कोष को एक औपचारिक अनुरोध भेजा है।

इस कोष की स्थापना के लिए 2022 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में सहमति बनी थी और जलवायु परिवर्तन के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील विकासशील देशों की मदद के लिए इसे 2023 में चालू किया गया था। नेपाल के पत्र पर वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले और वन एवं कृषि मंत्री गीता चौधरी ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए हैं।

अनुरोध में बाढ़ को ऐसी आपदा बताया गया है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर मौतें हुईं, लोग विस्थापित हुए, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और आजीविका तथा आवश्यक सेवाएं बाधित हुईं। काठमांडू ने कोष के बोर्ड की अगली निर्धारित बैठक का इंतजार किए बिना तत्काल प्रतिक्रिया की मांग की है।

नेपाली दूतावासों को किया सक्रिय

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने नेपाली दूतावासों को भी सक्रिय किया है, ताकि वे विभिन्न सरकारों और दानदाताओं को देश की जरूरतों के बारे में जानकारी दे सकें।

तत्काल राहत के अलावा नेपाल पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक सहायता तथा विशेष मदद की मांग कर रहा है। इसमें सुरंग बचाव दल, फोरेंसिक विशेषज्ञ और बेली पुल जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

शुरुआत में नेपाल ने खोज और बचाव कार्यों के लिए विदेशी मदद लेने से इनकार कर दिया था और कहा था कि उसकी अपनी एजेंसियां ही ये काम संभाल सकती हैं। हालांकि, बाद में काठमांडू ने भारत, चीन और अन्य देशों से विशेष टीमों, उपकरणों और विशेषज्ञों की मदद मांगी।

नेपाल में भीषण तबाही

दरअसल, 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी बेसिन में आई विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल के रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जिलों के कुछ हिस्सों में भारी तबाही मचा दी। बाढ़ में घर, सड़कें, पुल और पनबिजली परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं तथा हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं।

नेपाल पुलिस के अनुसार, एक सितंबर तक इस आपदा में कम से कम 1,204 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 4,216 लोग लापता हैं, जबकि 11,993 लोगों को बचाया गया है। नेपाल ने इस आपदा को 'हिमालयी सुनामी' करार दिया है।

## कोंडा सुरेखा...

इस कारण शीर्ष नेतृत्व की बैठक नहीं हो सकी और अंतिम फैसला टाल दिया गया। बुधवार को दिल्ली में राजनीतिक हलचल तेज रही। तेलंगाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के आवासों और कार्यालयों में अपनी बात रखने पहुंचे। रेवंत रेड्डी लगातार दूसरे दिन खरगे और वेणुगोपाल से मिले और सुरेखा के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जोरदार मांग की। मुख्यमंत्री ने साफ संदेश देने की जरूरत बताई कि पार्टी नेतृत्व की सार्वजनिक आलोचना और अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके तुरंत बाद एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने भी खरगे और वेणुगोपाल से मुलाकात कर सुरेखा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की तथा तेलंगाना में इस विवाद के राजनीतिक प्रभाव से अवगत कराया। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का और मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने भी खरगे से मुलाकात कर सुरेखा के खिलाफ कार्रवाई पर जोर दिया। ये बैठकें इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं क्योंकि राज्य कांग्रेस के अंदर सुरेखा के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग जोर पकड़ चुकी है। अब यह मुद्दा उनकी बेटी के बयानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि एक कैबिनेट मंत्री और मुख्यमंत्री के बीच टकराव का रूप ले चुका है। हाईकमान के सामने अब यह चुनौती है कि वह विवाद को पार्टी की छवि और तेलंगाना में उसके कामकाज को और नुकसान पहुंचाने से पहले समाप्त करे। राहुल गांधी के दिल्ली लौटने के बाद सुरेखा के राजनीतिक भविष्य पर अंतिम फैसला अगले एक-दो दिनों में लिए जाने की उम्मीद है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 03 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

# ‘चलो गोकुल’ थीम पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह का भव्य आयोजन

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल एवं टाइनी स्टार्स महावीर प्रसाद बजरंग लाल इंटरनेशनल प्ले स्कूल के प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ‘चलो गोकुल’ थीम पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के कॉरेस्पॉन्डेंट श्री शेष कुमार गोयल एवं प्रधानाचार्या श्रीमती आराधना मोदानी के निर्देशन में हुआ। इसमें नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ यूकेजी कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक कृष्ण नृत्य की प्रस्तुति से हुआ। नन्हे बच्चों ने सुंदर वेशभूषा और आकर्षक नृत्य के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को जीवंत कर दिया। इसके पश्चात समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया, मानद सचिव सीए नवीन कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव श्री राजेश कुमार अग्रवाल, कॉरेस्पॉन्डेंट श्री शेष कुमार गोयल, प्रधानाचार्या श्रीमती आराधना मोदानी, अकादमिक निदेशिका

डॉ. सरोज जैन, संयुक्त अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल, श्रीमती रमा गोयल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने नन्हे बाल गोपाल की प्रतिमा स्थापित कर दीप प्रज्वलन एवं आरती की। इस अवसर पर अन्य संस्थाओं के प्रधान भी उपस्थित रहे। आरती के पश्चात समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया ने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में संस्कारों का सृजन करने के साथ-साथ उन्हें हमारी सनातन संस्कृति एवं परंपराओं से परिचित कराने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों को बधाई दी।

मानद सचिव सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने भी सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अभिभावकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी तथा बच्चों के साथ उनकी सुंदर प्रस्तुतियों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण माताओं एवं उनके बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य एवं अभिनय प्रतियोगिता रही। माताओं ने बच्चों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। माता-बच्चे के शानदार तालमेल, भाव-भंगिमा, अभिनय एवं रचनात्मकता ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। आकर्षक वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्ने राधा-कृष्ण विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में जीकेपीएस स्कूल की प्रभारी श्रीमती रीता माथुर तथा बीबीएमएस की नृत्य शिक्षिका श्रीमती रमना कराड़े शामिल रहीं। प्रतियोगिता के विजेताओं को कक्षा-वार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के पुरस्कार डॉ. सरोज जैन एवं श्रीमती रमा गोयल द्वारा प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता के पश्चात सभी अतिथियों की उपस्थिति में हांडी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया। नन्हे कृष्ण ने माखन से भरी मटकी फोड़कर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान बच्चों और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती बबीता गोयल ने किया। उन्होंने अंत में सभी अभिभावकों, अतिथियों, निर्णायकों एवं विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया तथा अभिभावकों के सहयोग और उत्साह के लिए विशेष धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम विद्यालय के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के सामूहिक योगदान से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# बीजेआर सरकारी डिग्री कॉलेज में पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा निर्माण का प्रशिक्षण

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** नारायणगुडा स्थित बीजेआर सरकारी डिग्री कॉलेज (ए) में वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में ‘द ग्रीन इनिशिएटिव्स ऑफ बीजेआरजीडीसी’ तथा उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (ईडीसी) के सहयोग से पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाओं के निर्माण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मिट्टी एवं अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करते हुए पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाएं बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य प्लास्टर ऑफ पेरिस तथा रासायनिक रंगों जैसे पर्यावरण के लिए हानिकारक पदार्थों के उपयोग को हतोत्साहित करना तथा पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास एवं स्वरोजगार की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में आयोजकों ने पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाओं के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सामग्री से बनी प्रतिमाओं के उपयोग से विसर्जन के बाद होने वाले जल प्रदूषण को कम किया जा सकता है। साथ ही, इससे जलीय जीव-जंतुओं तथा प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय से त्योहारों को पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाएंप्रकृति की रक्षा करें का संदेश व्यापक रूप से प्रसारित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन प्रोफेसर एम. विजय कुमार का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ। उप-प्राचार्य डॉ. रापोलु श्रीनिवास ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर ई. एम. सुनीता के मार्गदर्शन में सह-संयोजक डॉ. तप्पटल नरेंद्र ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. बालास्वामी एवं सी.वी.एल. नारायण सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे और कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार भूमिका निभाने तथा त्योहारों को प्रकृति के अनुकूल तरीके से मनाने का संदेश दिया गया।

# भूखे के चेहरे की मुस्कान ही सच्ची सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार : जगत नारायण अग्रवाल

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में सेवा के प्रति समर्पण और मानवता के प्रति संवेदनशीलता का भाव स्पष्ट दिखाई दिया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन बांटने की परंपरा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का ऐसा संकल्प है, जिसमें एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की भूख को अपनी जिम्मेदारी समझता है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराने से बड़ा पुण्य और जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ी संतुष्टि शायद ही कोई हो।

उन्होंने कहा कि आज समाज में सेवा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। सेवा के लिए केवल बड़े साधनों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि बड़ा हृदय, सच्ची भावना और किसी के दर्द को समझने वाली संवेदना चाहिए।

यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता का संकल्प ले, तो अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का प्रयास है कि सेवा किसी विशेष अवसर, पर्व या आयोजन तक सीमित न रहे।

नियमित सेवा ही वह संस्कार है, जो आने वाली पीढ़ियों को मानवता का वास्तविक अर्थ सिखाता है। अन्नदान के माध्यम से केवल पेट नहीं भरा जाता, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, करुणा, भाईचारे और अपनत्व की भावना को भी मजबूत किया जाता है।

कार्यक्रम में पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय और लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज के लिए यह प्रेरणादायी संदेश दे रहे हैं कि मानवता की सेवा के लिए किसी बड़े अवसर की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए।

जहां जरूरत दिखाई दे, वहीं सेवा का अवसर समझकर आगे बढ़ना चाहिए। जरूरतमंद के हाथ में भोजन और चेहरे पर संतोष की मुस्कान ही इस सेवा अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

# ऋषभ सामायिक जोन में मासिक सामायिक का आयोजन

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मयूरी मार्ग स्थित श्रीमान पूनमजी एवं प्रीतिजी बोहरा के निवास स्थान वामसी अपार्टमेंट में ऋषभ सामायिक जोन की ओर से मासिक सामायिक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 12 बहनों ने उपस्थित होकर धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में सहभागिता की। जारी प्रेस विज्ञप्ति में सहमंत्री मीनाक्षी सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के जप से हुआ। तत्पश्चात प्रेक्षा गीत का संगान कर मंगल भावना का उच्चारण किया गया। इसके बाद चौबीसी की गीतिका का संगान किया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा करणीय कार्यों के अंतर्गत ‘प्रतिलेखन और निरीक्षण विवेक’ विषय पर चर्चा की गई। प्रश्नोत्तर के माध्यम से विषय को सरलता से समझाया गया तथा बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।उपासिका पुष्पा बरड़िया ने बताया कि दैनिक जीवन में किस प्रकार सावधानी बरतकर षट्जीवनिकाय की हिंसा को कम किया जा सकता है। उन्होंने सचित्त-अचित्त आदि विषयों के बारे में श्रावक संदेशिका के अनुसार विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने जीवन में जागरूकता और सावधानी के महत्व को समझाते हुए धार्मिक सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान आचार्य भिक्षु गीतिका लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में पायल पारख, स्मिता एवं नीलम सेठिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं का साहित्य प्रदान कर सम्मान किया गया।आगामी 4 सितंबर को आयोजित होने वाले आयंबिल के लिए नाम लिखवाने की जानकारी दी गई। साथ ही परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भरने के लिए भी बहनों को प्रेरित किया गया।अंत में श्रीमती अंजू चौरड़िया ने आभार ज्ञापन किया।

# सीरवी समाज शमशाबाद बडेर में भादवी बीज महोत्सव एवं वार्षिक सम्मेलन 12 व 13 को

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सीरवी समाज शमशाबाद बडेर में श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस एवं बारहवें वार्षिक सम्मेलन के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भादवी बीज महोत्सव का आयोजन 12 व 13 सितंबर को किया जाएगा।

समाज के अध्यक्ष आसाराम गेहलोत एवं सचिव भोलाराम पंवार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 12 सितंबर को प्रातः श्री आई माता मंदिर को रंग-बिरंगे फूलों एवं आकर्षक रोशनी से सजाकर विशेष श्रृंगार किया जाएगा। शाम 7:30 बजे विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती होगी। इसके बाद रात 8:15 बजे महिला मंडल द्वारा हरजस प्रस्तुत किया जाएगा। रात 9:15 बजे भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक विशाल श्र ीमाली अपनी सुमधुर वाणी से भजनों की प्रस्तुति देंगे। रात 10:30 बजे बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

13 सितंबर को प्रातः शुभ वेला में गणेश वंदना, श्री आई माताजी की पूजा-अर्चना एवं पूर्ण आरती के साथ धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होगा। इसके बाद सुबह 10:30 बजे नन्हे-मुन्ने बच्चों एवं महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

इस अवसर पर तीनों समितियों के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही वर्तमान में तीनों समितियों में कार्यरत पदाधिकारियों एवं सदस्यों के लिए विदाई समारोह भी रखा गया है।कार्यक्रम के दौरान समाज के अध्यक्ष आसाराम गेहलोत स्वागत संबोधन देंगे, जबकि सचिव भोल-ाराम पंवार धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। इसके पश्चात समाजबंधु एवं श्रद्धालु महाप्रसादी ग्रहण करेंगे और कार्यक्रम का समापन होगा।समाज की ओर से सभी भाई-बंधुओं से अपील की गई है कि वे भादवी बीज महोत्सव के अवसर पर सहपरिवार पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं ।

# सीरवी समाज जीडिमेट्ला बडेर का वार्षिक सम्मेलन 12 से

## -श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस पर दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जीडिमेट्ला स्थित सीरवी समाज की आस्था के केंद्र श्री आई माता मंदिर में समाज बंधुओं की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस एवं वार्षिक सम्मेलन के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम 12 एवं 13 सितंबर को आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम शनिवार, 12 सितंबर को रात्रि जागरण का आयोजन होगा। वहीं भादवा सुदी बीज (दूज), रविवार 13 सितंबर को प्रातः पूजा-अर्चना एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया जाएगा।

अध्यक्ष रावतराम बर्फा एवं सचिव प्रेम पंवार ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी समाज बंधुओं के सानिध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव आयोजित किया जाएगा।

शनिवार 12 सितंबर को प्रातः श्री आई माता मंदिर को विशेष फूलों एवं आकर्षक रोशनी से सजाकर आई माता का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। रात 9 बजे से बिलाड़ा के भजन गायक रमेश सोनी एवं पार्टी द्वारा जागरण प्रस्तुत किया जाएगा। इस दौरान भजनों के माध्यम से आई माताजी की भक्ति की जाएगी। कार्यक्रम में गणेश वंदना एवं आई माताजी की पूजा-अर्चना के पश्चात आरती होगी।

रविवार 13 सितंबर को प्रातः 8.15 बजे ज्योत प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद स्वागत कार्यक्रम होगा। समाज बंधुओं द्वारा आई माता के चरणों में श्रीफल भेंट कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी।

इसके पश्चात धर्मसभा का आयोजन अध्यक्ष रावतराम बर्फा की अध्यक्षता में किया जाएगा। धर्मसभा में मुख्य अतिथियों एवं पधारे हुए मेहमानों का स्वागत किया जाएगा। कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग द्वारा संस्था के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा तथा समाज के विकास एवं आगामी गतिविधियों को लेकर विचार व्यक्त किए जाएंगे।

सचिव प्रेम पंवार द्वारा समाज में किए गए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में पधारे समाज बंधुओं एवं श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रांगण में भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी।

बीज महोत्सव कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्रद्धालुओं की सेवा एवं व्यवस्था के लिए उपस्थित रहेंगे।

# हिंदी दिवस पर सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षकों एवं पूर्व विद्यार्थियों का होगा सम्मान

## 5 सितंबर को हिंदी महाविद्यालय परिसर में आयोजित होगा सम्मान समारोह

## डॉ. अनुराधा जाजू ‘शिक्षक दिवस उसके मूल महत्व’ विषय पर देंगी व्याख्यान

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हिंदी महाविद्यालय एवं हिंदी महाविद्यालय भूतपूर्व विद्यार्थी संघ के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5 सितंबर को प्रातः 11 बजे नल्लाकुंटा स्थित हिंदी महाविद्यालय परिसर के स्वर्ण जयंती सभागृह में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षकों एवं महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भूतपूर्व विद्यार्थी संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार बंसल ने बताया कि इस अवसर पर हिंदी महाविद्यालय की पूर्व प्राध्यापिकाओं श्रीमती निर्मला पुराणिक एवं डॉ. चंपक लक्ष्मी के साथ-साथ हिंदी महाविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं डॉ. रमेश जाधव, डॉ. स्नेहलता शर्मा एवं डॉ. सरोज जैन को उनकी सेवाओं के आधार पर विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। भूतपूर्व विद्यार्थी संघ के मंत्री नंदगोपाल भट्टड़ ने बताया कि शिक्षकों एवं पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान समारोह को सफल बनाने में संघ के परामर्शदाता डॉ. चंद्रप्रकाश चौहान, संरक्षक अमृत कुमार जैन, उपाध्यक्ष सीए सुरेंद्र कुमार, सहमंत्री अशोक संचेती, नवल किशोर बंसल, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार साद, समन्वयकर्ता डॉ. रजनी धारी, सह-समन्वयकर्ता चंद्रभान गिर, कार्यकारिणी सदस्य सीए प्रवीण कुमार, डॉ. राजीव सिंह, डॉ. स्नेहलता शर्मा, कन्हैया कुमार, अशोक अग्रवाल, डॉ. कामेश्वरी, मुकेश जिंदल तथा प्रचार संयोजक शिवाजी भोसले सहित अन्य पदाधिकारी सहयोग प्रदान करेंगे। हिंदी महाविद्यालय समिति के उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा ने हिंदी महाविद्यालय के सभी भूतपूर्व विद्यार्थियों से इस गरिमामय अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया। विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध विचारक एवं प्रेरणादायी वक्ता डॉ. अनुराधा जाजू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस अवसर पर वे शिक्षक दिवसउसके मूल महत्व विषय पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत करेंगी। हिंदी महाविद्यालय के अध्यक्ष सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, मंत्री शील कुमार जैन एवं प्राचार्य डॉ. बाला कुमार ने महाविद्यालय के सभी वर्तमान अध्यापकों तथा छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर शिक्षक दिवस समारोह को सफल बनाएं।

# श्री आईजी गौशाला में जन्माष्टमी महोत्सव कल

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में शुक्रवार, 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। अध्यक्ष मंगलाराम पंवार एवं सचिव हुक्माराम सानपुरा ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि महोत्सव को लेकर गौशाला में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

महोत्सव के तहत रात 12.05 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इससे पूर्व रात 8.15 बजे से आई माताजी मंडली, बालानगर के कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजकों ने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर जन्माष्टमी महोत्सव में भाग लेने की अपील की है।

### एमआईएम कार्यकर्ता की हत्या मामला

# काले जादू का शक और पुरानी रंजिश का एंगल सामने आया

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** फलकनुमा इलाके में एआईएमआईएम के एक स्थानीय कार्यकर्ता की हत्या के मामले में पुलिस कई एंगल से जांच कर रही है। अब इस मामले में काले जादू के शक और पुरानी पारिवारिक रंजिश का एंगल भी सामने आया है। वट्टेपल्ली इलाके में रविवार रात 53 वर्षीय मोहम्मद महबूब अली पर छह लोगों ने अचानक हमला कर दिया था। हमलावर दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए थे और उन्होंने महबूब अली पर चाकू से कई वार किए। गंभीर रूप से घायल महबूब अली को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस मामले में अब काले जादू के शक से जुड़ी पुरानी पारिवारिक रंजिश की जानकारी सामने आई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि क्या महबूब अली की हत्या उनके दिवंगत साले खलील के परिवार से चली आ रही दुश्मनी का नतीजा थी। पुलिस के मुताबिक, खलील की करीब दो वर्ष पहले किडनी की बीमारी से मौत हुई थी। इसके बाद उनके परिवार को कथित तौर पर शक था कि महबूब अली ने खलील पर काला जादू कराया था।

पुलिस शिकायत के मुताबिक, महबूब अली रविवार रात करीब 10 बजे अपने घर के पास स्थित अलमास होटल गए थे। वहां से खाना खरीदने के बाद वह पैदल अपने घर की ओर लौट रहे थे। घर से करीब 100 मीटर पहले उनकी मुलाकात एक परिचित से हो गई। दोनों सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत करने लगे।

इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार छह लोग वहां पहुंचे और उन्होंने महबूब अली को घेर लिया। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने बिना किसी तत्काल उकसावे के अचानक महबूब अली पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने चाकू से उन पर कई वार किए और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

हमले के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग घायल महबूब अली की मदद के लिए पहुंचे और उन्हें नजदीकी अस्पताल ले गए।

**गंभीर चोटों के कारण अस्पताल में मौत**

राजेंद्रनगर के पुलिस उपायुक्त एस. श्रीनिवास के मुताबिक, महबूब अली को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया था। डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने की कोशिश की, लेकिन चाकू से किए गए हमले में लगी गंभीर चोटों के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, रात करीब 10:45 बजे इलाज के दौरान महबूब अली की मौत हो गई। हत्या के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

वारदात के बाद एआईएमआईएम के नेताओं ने भी घटनास्थल का दौरा किया। एआईएमआईएम विधायक मिर्जा रियाज उल हसन एफेंडी और बहादुरपुरा विधायक मोहम्मद मुबीन मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।विधान परिषद सदस्य ने बताया कि महबूब अली उनकी पार्टी के वट्टेपल्ली इलाके के अध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि परिवार के लोग किसी परिचित व्यक्ति की भूमिका पर शक जता रहे हैं और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने इस मामले में सोमवार को दो नाबालिगों को पकड़ लिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पर हमले में शामिल होने का आरोप है। हालांकि, इस मामले का मुख्य आरोपी मोहसिन और उसके कुछ अन्य साथी अभी फरार बताए जा रहे हैं।पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। साथ ही वारदात से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

जांच के दौरान पुलिस को मोहसिन और महबूब अली के परिवारों के बीच पुरानी रंजिश के बारे में जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक, मोहसिन महबूब अली के दिवंगत साले खलील का भतीजा है।

खलील की करीब दो वर्ष पहले किडनी की बीमारी से मौत हुई थी। खलील के परिवार को कथित तौर पर शक था कि उनकी बीमारी और मौत के पीछे महबूब अली की ओर से किया गया काला जादू जिम्मेदार था।

**क्या काले जादू के शक में हुई हत्या?**

अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इसी शक ने पुरानी पारिवारिक दुश्मनी को इतना बढ़ा दिया कि महबूब अली की हत्या की साजिश रची गई।हालांकि, फिलहाल काले जादू से जुड़े आरोपों की पुलिस जांच कर रही है और इसे हत्या की अंतिम वजह नहीं माना गया है। पुलिस हमले के पीछे किसी अन्य व्यक्तिगत या पारिवारिक विवाद की संभावना को भी खारिज नहीं कर रही है।

महबूब अली फातिमा नगर, वट्टेपल्ली के रहने वाले थे। वह पहले डोसा स्टॉल चलाते थे और हाल ही में रियल एस्टेट के कारोबार में भी उतरे थे।

पुलिस अब उनकी निजी और कारोबारी गतिविधियों के साथ-साथ परिवार से जुड़े विवादों की भी जानकारी जुटा रही है। फरार मुख्य आरोपी मोहसिन और अन्य संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद हत्या की पूरी वजह और हमले की साजिश को लेकर तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

# रेवंत रेड्डी ने महबूबनगर में डीआरडीएल के लिए 416 एकड़ भूमि का प्रस्ताव दिया

**हैदराबाद, 2 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को महबूबनगर जिले के देवराकद्रा मंडल में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी (डीआरडीएल) के प्रतिष्ठित रक्षा प्रोजेक्ट के लिए 416.18 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने तेलंगाना के रक्षा और एयरोस्पेस इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए केंद्र से सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात के दौरान यह प्रस्ताव रखा। दोनों नेताओं ने रक्षा क्षेत्र में निवेश संभावनाओं और राज्य में रक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की। रेवंत रेड्डी ने राजनाथ सिंह को 7 से 9 दिसंबर तक भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले 'इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026' में आमंत्रित किया और समिट के हिस्से के रूप में होने वाले डिफेंस एक्सपो-2026 का उद्घाटन करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एक्सपो में एयरोस्पेस, रक्षा और स्पेस सेक्टर पर विशेष सत्र के अलावा एयर शो, औद्योगिक प्रदर्शनी और भूमि आधारित रक्षा प्रणालियों के लाइव डेमोंस्ट्रेशन होंगे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री की उपस्थिति और मार्गदर्शन देशभर के रक्षा उद्योगों, स्टार्टअप्स और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित करेगा। रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना द्वारा डिफेंस एक्सपो-2026 को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की और इसके सफल आयोजन के लिए रक्षा मंत्रालय से पूर्ण सहयोग मांगा। उन्होंने एयर शो के लिए आवश्यक एयरस्पेस क्लियरेंस, भारतीय वायुसेना के विमानों तथा सूर्य किरण और सारंग एरोबेटिक टीमों की भागीदारी, स्टैटिक एयरक्राफ्ट डिस्प्ले तथा थलसेना, नौसेना और वायुसेना की अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।बैठक में एचएएल, बीईएल, बीडीएल, एमडीएल सहित रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा डीआरडीओ प्रयोगशालाओं की व्यापक भागीदारी पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने आदिलाबाद एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रगति बताई। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने पहले ही 750 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर ली है और रक्षा मंत्रालय की मांग के अनुसार अन्य 750 एकड़ अधिग्रहित करने की प्रक्रिया जारी है, जिससे कुल भूमि 1,500 एकड़ हो जाएगी। इससे भारतीय वायुसेना टर्मिनल और नागरिक विमानन टर्मिनल दोनों विकसित किए जा सकेंगे। रेवंत रेड्डी ने रक्षा मंत्री को बताया कि तेलंगाना इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीजीआईआईसी) ने देवराकद्रा मंडल में डीआरडीएल के प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट के लिए 416.18 एकड़ भूमि आवंटित करने पर सहमति दे दी है।

# भरत चाण्डा का एंटरप्रेन्योर सर्कल ने किया अभिनंदन

## नई जिम्मेदारी मिलने पर उद्यमियों ने दी शुभकामनाएं

**हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा भरत चाण्डा को तेलंगाना स्टेट ट्रेड सेल का संयुक्त सह-संयोजक नियुक्त किए जाने पर एंटरप्रेन्योर सर्कल की ओर से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर एंटरप्रेन्योर सर्कल के संस्थापक अध्यक्ष निखिल बाहेती ने कहा कि यह केवल एक पद नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। भरत चाण्डा हमेशा से व्यापारिक समुदाय और उद्यमियों से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठाते रहे हैं तथा अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते आए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नई जिम्मेदारी के माध्यम से भरत चाण्डा तेलंगाना के पूरे व्यापारिक एवं उद्यमी समुदाय की आवाज को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे और राज्य के व्यापारियों के हितों में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर मनिंदर सिंह मल्होत्रा, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, प्रदीप टिपिरेड्डी, प्रेमांश सिसोदिया, जितेश खुसरीजा, राहुल तपाड़िया, अभय अग्रवाल एवं कनिष्क गुप्ता सहित अनेक उद्यमी उपस्थित रहे।

अभिनंदन के अवसर पर भरत चाण्डा ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने के लिए वे पार्टी नेतृत्व के हृदय से आभारी हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि व्यापारियों और उद्यमियों के प्रति बड़ी जिम्मेदारी है। मैंने हमेशा व्यापारिक समुदाय के हितों के लिए काम किया है। अब पूरे तेलंगाना राज्य के व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने तथा उनके हितों के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करूंगा। भरत चाण्डा ने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से वे इस जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन कर पाएंगे और व्यापारिक एवं उद्यमी समुदाय के हितों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएंगे।

# निस्वार्थ सेवा से मानवता को नई दिशा दे रहा राधे-राधे ग्रुप : कमला कुमावत

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित सेवा एवं जानकारी क्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कमला कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भावना और समर्पण के साथ सेवा कार्य कर रहा है, वह आज के समय में दुर्लभ है।

उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब उसमें किसी प्रकार के स्वार्थ, दिखावे और भेदभाव की भावना न हो।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर अन्नदान सहित विभिन्न सेवा कार्य कर रहे हैं। यह कार्य केवल भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में मानवता, करुणा और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का माध्यम बन रहा है। कमला कुमावत ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करे, तो समाज में सकारात्मक बदलाव निश्चित रूप से आएगा। सेवा के इसी संकल्प को राधे-राधे ग्रुप निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

इस अवसर पर महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, जगन गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, नंद गोपाल, भगत राम गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, रविंद्र शर्मा एवं जय प्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.